नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, गुरुवार 21 मई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 04 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

इटली की पीएम मेलोनी के साथ भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने रांची एयरपोर्ट पर की उड़ान यात्री कैफ़े की शुरुआत

रांची एयरपोर्ट को पूरी दुनिया से जोड़ने की जरूरत : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का अपना वादा दोहराया है। साथ ही ऊर्ज़ा संकट को लेकर भी बड़ा बयान दिया और कहा कि हमें आने वाले इसके संभावित असर के लिए तैयार रहना चाहिए। रांची के एक दिन के दौरे पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू पहले स्कूटी पर सवार होकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ उनके घर गए और फिर एयरपोर्ट पर कई नागरिक सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण भी शामिल है। आज जिन नागरिक सुविधाओं का उद्घाटन किया गया उनमें एक फीचर वॉल, उड़ान यात्री कैफ़े, अवसर कांउटर, किड्स जोन और फ्लाईबेरी शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि जिनके नाम पर इस एयरपोर्ट की

शुरुआत हुई, उन भगवान बिरसा मुंडा जी की महान प्रतिमा का लोकार्पण करने का मुझे मौका मिला। इसके लिए मैं यहां मौजूद लोगों और सभी को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे एयरपोर्ट सिर्फ यात्रियों के केंद्र नहीं होने चाहिए बल्कि आज जिस तरह से हमारे एयरपोर्ट बढ़ रहे हैं और उनकी पहचान बन रही है, वह राज्य की खासकर वहां के लोगों की और उनकी संस्कृति की पहचान बन रही है। आज अगर हम देश को देखें तो जहां भी कोई एयरपोर्ट उस राज्य की आर्थिक गतिविधि, रोजगार के मौकों, संस्कृति, खेती, व्यापार और कॉमर्स से जुड़ा है, हमारे एयरपोर्ट इन सबका केंद्र बन रहे हैं। इसलिए पहले के समय में लोग सड़कों की मांग करते थे लेकिन आज एक अच्छे एयरपोर्ट की मांग है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में हमारे एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हो गई है, पैसेंजर ट्रैफिक दोगुना हो गया है और एयरक्राफ्ट की संख्या भी दोगुनी हो गई है। जब नरेंद्र मोदी 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब देश में कुल 74 एयरपोर्ट थे, जो अब 165 हो गए हैं। रांची एयरपोर्ट के बारे में उन्होंने कहा कि इसे जल्द से जल्द इंटरनेशनल बनाने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत है। केंद्र सरकार इस एयरपोर्ट के विस्तार को टॉप प्रायोरिटी के तौर पर आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि हमें रांची को काशी विश्वनाथ मंदिर से जोड़ने की जरूरत है। मेरा कहना है कि हमें रांची एयरपोर्ट को काशी विश्वनाथ मंदिर और पूरी दुनिया से जोड़ने की जरूरत है, इसलिए हम दोनों पर काम करेंगे। दूरदराज के शहरों से काम के लिए रांची आने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए इसे हर राजधानी और हर शहर से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इंटरनेशनल और डोमेस्टिक फ्लाइट की सुविधाएं बढ़ाने की कोशिश करेगी।

डायन-बिसाही के शक में वृद्धा की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना अंतर्गत बोयकेड़ा पंचायत के बुंडूकोचा वनग्राम में अंधविश्वास की एक वारदात सामने आई है। यहां डायन-बिसाही के शक में 55 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। साक्ष्य छिपाने की नीयत से आरोपियों ने शव को गांव से करीब 200 मीटर दूर एक गहरी खाई में फेंक दिया। मृतका की पहचान बाईबेड़ा गांव निवासी चांदू पुर्ती के रूप में हुई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद से ही महिला लापता थी। बुंडूकोचा वनग्राम के समीप घने जंगल से तेज दुर्गंध आने लगी तब ग्रामीणों को शक हुआ। इसके बाद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना सोनुवा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सोनुवा थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद जंगल की खाई से बुजुर्ग महिला का खून से लथपथ शव बरामद किया। सोनुवा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में शामिल पनसुआं गांव निवासी 26 वर्षीय प्रेमजीत बानरा को दबोच लिया। मामले को लेकर थाना प्रभारी शशिबाला भेंगरा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 201 डीएसपी का तबादला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के पुलिस विभाग में बड़ा फ़ेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने एक साथ 201 डीएसपी का तबादला करते हुए अधिसूचना भी जारी कर दी है। रांची में भी कई महत्वपूर्ण पद पर नए डीएसपी योगदान देंगे। झारखंड में पहली बार एक साथ 201 डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। तबादले की लिस्ट में कई ऐसे डीएसपी हैं जो लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित थे। विभाग ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं कई पुलिस पदाधिकारी ऐसे भी हैं जो काफी समय से पोस्टिंग के इंतजार में थे। उन सभी को पोस्टिंग दी गई है। विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नीरज कुमार को हटिया (रांची)डीएसपी, दीपक कुमार को बेड़ो (रांची)डीएसपी, मनीष चंद्र लाल को सिल्ली (रांची)डीएसपी, अजय आयर्न को रांची मुख्यालय 2, रामाकांत रजक को रांची ट्रैफिक 1, ताराश सोरेन को रांची यातायात 2, प्रदीप कुमार को रांची डीएसपी (साइबर), प्रकाश सोय को धनबाद डीएसपी (विधि व्यवस्था), कुमार विनोद को डीएसपी धनबाद (मु.-1), प्रदीप कुमार साव को धनबाद डीएसपी सीसीआर, नाजीर अख्तर को डीएसपी धनबाद (मु.-2)बनाया गया है। वहीं रोहित कुमार साव को धनबाद डीएसपी (यातायात), अजित कुमार विमल को बाघमारा एसडीपीओ, लिलेश्वर महतो को निरसा एसडीपीओ, प्रकाश चन्द्र महतो को सिंदरी एसडीपीओ, राजीव रंजन को बोकारो सिटी डीएसपी, अजय प्रसाद को बोकारो ट्रैफिक डीएसपी, पवन कुमार को बोकारो डीएसपी (मु.), राजीव रंजन को बोकारो डीएसपी (नगर), अजय प्रसाद को बोकारो डीएसपी (यातायात), राम प्रवेश कुमार को बोकारो सीसीआर, रविन्द्र कुमार सिंह को बेरमो एसडीपीओ, दयानन्द कुमार को पटमदा डीएसपी, संजीव कुमार को जमशेदपुर डीएसपी (नगर), मनोज कुमार को जमशेदपुर डीएसपी (मु.2), का प्रभार दिया गया है। इसी प्रकार सुमित कुमार को जमशेदपुर डीएसपी (विधि व्यवस्था), विकास आनंद लागुरी को घाटशिला एसडीपीओ, अनुभव भारद्वाज को सरायकेला एसडीपीओ, दूसरू बानसिंह को सरायकेला डीएसपी (मु.), शिव प्रकाश कुमार को चांडिल एसडीपीओ, अमित कुमार को हजारीबाग एएसपी (अभियान), रूपक कुमार सिंह को हजारीबाग एसडीपीओ (सदर), अरमानुल हक को हजारीबाग सीसीआर एवं ज्ञान रंजन को हजारीबाग डीएसपी (मु.-2) बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पुल के नीचे से लापता छात्रा का शव बरामद

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। दो दिनों से लापता एक छात्रा की लाश मुफ्फसिल थाना इलाके के बरगंडा पुराना पुल के पास उसरी नदी पर मिली है। मृतका की पहचान पायल कुमारी के रूप में हुई है। वह 11वीं की छात्रा थी और सिलाई का प्रशिक्षण लेने के साथ साथ बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का भी काम करती थी। पुल के नीचे छात्रा की लाश की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहचान के बाद लड़की के घरवालों को सूचित किया गया। वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।

युवक ने हाइटेंशन टावर पर चढ़ लगाई फांसी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र के कादोजोरा गांव में एक हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़कर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के चेटो परसा गांव निवासी जट्टू उरांव के 18 वर्षीय पुत्र बिरसा उरांव के रूप में हुई है। घटना का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। सुबह ग्रामीणों ने टावर पर शव लटका देखा जिसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बेड़ो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। डालटनगंज-गढ़वा रेल सेक्शन के चियांकी और केचकी स्टेशन के बीच स्थित केचकी रेलवे ओवरब्रिज के पास बुधवार सुबह रेल हादसे में एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार डाउन पलामू एक्सप्रेस की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पोल संख्या 272 के 20/22 डाउन लाइन के समीप हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महिला रेलवे पुल के आसपास घूम रही थी तभी तेज गति से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गई।

सर्पदंश से छात्र की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रायडीह थाना क्षेत्र के रमजा कोब्जा गांव में बुधवार को सांप काटने से 11 वर्षीय छात्र जय मंगल सिंह की मौत हो गई। वह कवि राज सिंह का पुत्र था। मृतक छात्र के दादा माधो सिंह ने बताया कि जय मंगल उनके साथ जमीन पर सोया हुआ था। बुधवार सुबह करीब 4 बजे एक जहरीले सांप ने उसे काट लिया। जय मंगल ने खुद परिजनों को इसकी जानकारी दी।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे : सीएमडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। बीसीसीएल में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में अब कंपनी प्रबंधन भी सख्त नजर आ रहा है। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने साफ कहा है कि यदि इस गिरोह में किसी बीसीसीएल कर्मी की संलिप्तता सामने आती है तो उसे किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि किसी कर्मचारी की भूमिका की जानकारी हो तो उसे प्रबंधन तक पहुंचाएं। सीएमडी ने कहा कि उन्होंने इस मामले में प्रकाशित खबरों को पढ़ा है और पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है। पुलिस अपना काम कर रही है लेकिन यदि किसी बीसीसीएल कर्मी की संलिप्तता साबित होती है तो विभागीय स्तर पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि पिछले सात से आठ महीने से जिन लोगों ने उम्मीदवारों से संपर्क तोड़ रखा था, वे अब फोन कर स्थिति संभालने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि बातचीत पूरी तरह एकतरफा बताई जा रही है। पैसे लेने वाले लोग अपने हिसाब से मोबाइल पर बात कर फोन बंद कर दे रहे हैं। कई पीड़ितों का कहना है कि गिरोह के सदस्य अब मामले को शांत करने और समय लेने की कोशिश कर रहे हैं। एक भुक्तभोगी ने बताया कि जिन लोगों ने नकद राशि ली थी, वे अब सबसे ज्यादा परेशान हैं। पीड़ितों को यह भी कहा जा रहा है कि यदि मामला ज्यादा बढ़ा तो पैसे वापस नहीं मिलेंगे क्योंकि अधिकांश लेन-देन नकद में हुआ है और उसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। ऐसे में पुलिस भी कुछ नहीं कर पाएगी। हालांकि कई लोगों का मानना है कि गिरोह के सदस्य केवल समय बिताने और मामला ठंडा करने की रणनीति अपना रहे हैं। पीड़ितों को अब भी अपने पैसे वापस मिलने की उम्मीद कम नजर आ रही है।

सिंदूर चौक के होटल में देह व्यापार का खुलासा, चार गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र के सिंदूर चौक स्थित होटल यमुना पैलेस में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर कथित अवैध देह व्यापार का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान होटल मालिक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि होटल से दो युवतियों और तीन युवकों को बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि होटल संचालक दलालों के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों से युवतियों को बुलाकर अवैध देह व्यापार के उद्देश्य से होटल के कमरे उपलब्ध करा रहा है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक सह पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर होटल में छापेमारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों में होटल मालिक रामेश्वर प्रसाद (सिंदूर, हजारीबाग), धमेन्द्र चौधरी एवं सोनू कुमार (दोनों बासोडीह, सतगावां, कोडरमा) तथा आसिफ अजहर (पगमिल, हजारीबाग) शामिल हैं। छापेमारी टीम में अपर पुलिस अधीक्षक सह पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पु.नि. विद्यावती ओहदार, पु.नि. नंदकिशोर साह, कोर्रा थाना प्रभारी नेमधारी रजक सहित महिला थाना एवं कोर्रा थाना के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे।

आर्थिक तंगी से परेशान मजदूर ने खुद का काटा गला

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चित्रा थाना क्षेत्र के कुकराहा गांव में आर्थिक तंगी से परेशान एक मजदूर ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। मजदूर की पहचान अर्जुन बावरी के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अर्जुन बावरी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से आर्थिक परेशानियों और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। घटना के समय परिजनों ने अर्जुन को खून से लथपथ देखा। उन्होंने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल अर्जुन को डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है।

लंबे समय से फरार टीपीसी नक्सली दुर्गा बेदिया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के गिद्दी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे टीपीसी उग्रवादी दुर्गा बेदिया उर्फ रामकुमार बेदिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि टीपीसी का सक्रिय सदस्य दुर्गा बेदिया अपने गांव मिश्राइन मोड़ा में मौजूद है। सूचना मिलते ही गिद्दी थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर वारंटी अभियुक्त के घर की घेराबंदी की। इसी दौरान पुलिस को देखकर दुर्गा बेदिया भागने लगा लेकिन सशस्त्र बलों ने खदेड़कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार उग्रवादी मिश्राइन मोड़ा गांव, थाना गिद्दी, जिला हजारीबाग का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार दुर्गा बेदिया के खिलाफ गिद्दी, चरही और पतरातू थाना में रंगदारी, आर्म्स एक्ट, आपराधिक साजिश तथा अन्य गंभीर धाराओं के कुल नौ मामले दर्ज हैं। इनमें कई मामलों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था। हजारीबाग पुलिस ने कहा है कि जिले में फरार उग्रवादियों और वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। छापेमारी दल में पुअनि मो. इकबाल हुसैन, पुअनि रमेश चंद्र हजाम, पुअनि दामू राम बोपाई, सअनि चंदन उरांव, आरक्षी प्रकाश महतो एवं आरक्षी सुनील कुमार पासवान शामिल थे।

'स्वीट क्रांति' से गांवों में बढ़ी आत्मनिर्भरता : मनोज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई/नई दिल्ली/रांची। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा बुधवार को 'विश्व मधुमक्खी दिवस-2026' के अवसर पर देशभर में वर्चुअल माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम मुंबई स्थित केवीआईसी मुख्यालय तथा नई दिल्ली के गांधी दर्शन कार्यालय से संचालित हुआ। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने देशभर के केवीआईसी कार्यालयों, मधुमक्खी पालकों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ऊर्ज़ा संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष कार्यक्रमों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया। इससे ईंधन और अनावश्यक यात्रा की बचत के साथ देशभर से बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हुई। इस अवसर पर केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

(सीबीआरटीआई), पुणे में आयोजित 'हनी प्रदर्शनी' का शुभारंभ भी वर्चुअल माध्यम से किया गया। इस वर्ष 'विश्व मधुमक्खी दिवस' की थीम लोगों और ग्रह के लिए एक साथ मिलकर काम करें रही, जिसके तहत मधुमक्खियों की पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादकता और जैव विविधता में भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति' के विजन ने गांवों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वर्ष 2017 में 'हनी मिशन' की शुरुआत की थी, जो आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। केवीआईसी के अनुसार, वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक देशभर में 2,46,099 बी-बॉक्स एवं बी-कालोनियों का वितरण किया गया है, जिससे लगभग 24,269 मीट्रिक टन शहद उत्पादन को बढ़ावा मिला। वहीं वर्ष 2025-26 में शहद उत्पादन का अनुमान 5,512 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025-26 में केवीआईसी से जुड़े मधुमक्खी पालकों द्वारा करीब 31 करोड़ रुपये मूल्य के शहद का निर्यात किया गया। भारतीय शहद की मांग अमेरिका, कनाडा, यूएई, इजराइल, सऊदी अरब, ओमान, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, कतर और कोरिया रिपब्लिक समेत कई देशों में लगातार बढ़ रही है। कार्यक्रम में देशभर के मधुमक्खी पालकों ने डिजिटल माध्यम से अपने अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कीं। केवीआईसी अधिकारियों ने इसे 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ग्रामीण रोजगार और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत अभियान बताया।

झारखंड में बंद रही 18 हजार फार्मेसी दुकानें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स और झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को झारखंड के 18 हजार से ज्यादा थोक और खुदरा दवा दुकानें बंद रहीं। हालांकि झारखंड के सरकारी और निजी अस्पतालों की फार्मेसी दुकानों को बंद से अलग रखा गया है। इस संबंध में झारखंड ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश कार्यालय सचिव संजीव बनर्जी ने बताया कि मुख्यतः तीन मांगों को लेकर आज दवा दुकानदारों की राष्ट्रव्यापी बंदी है और झारखंड में आज का बंद पूरी तरह सफल है। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन फार्मेसी के अनियंत्रित विस्तार और कॉरपोरेट कंपनियों की कथित शोषणकारी मूल्य

निर्धारण नीति के खिलाफ आवाज उठाना है। संजीव बनर्जी ने कहा कि कोरोना काल में दवाओं को घर-घर पहुंचाने का निर्देश केंद्र की सरकार द्वारा दिया गया था तब केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने उस वक्त के हालात को देखते हुए सरकार के निर्णय का स्वागत किया था लेकिन वह व्यवस्था आज भी चली आ रही है और कई तरह की गड़बड़ी इस व्यवस्था के तहत हो रही है। आज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त सत्यापन के दवाइयों की बिक्री कर रहे हैं जिससे एक ही प्रिकस्क्रप्शन का बार-बार उपयोग हो रहा है। साथ ही एआई आधारित फर्जी प्रिकस्क्रप्शन के जरिए एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की उपलब्धता बढ़ रही है, जिससे एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस का खतरा बढ़ा है। इसके अलावा बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा डीप डिस्काउंटिंग के जरिए बाजार संतुलन बिगाड़ने का काम किया जा रहा है। संजीव बनर्जी ने कहा कि आवश्यक दवाओं की कीमतें पहले से ही सरकार द्वारा नियंत्रित हैं। बावजूद इसके कॉरपोरेट कंपनियां अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा कर रही हैं जिससे छोटे और ग्रामीण क्षेत्रों के केमिस्टों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। एसोसिएशन के नेताओं ने कहा कि केंद्र की सरकार जीएसआर 220 इ को ऑनलाइन दवा बेचने का अधिकार देती है उसे रद्द किया जाए, क्योंकि इससे नकली दवाएं भी जनता के बीच खपाई जाती हैं। आज राजधानी रांची सहित राज्यभर में अधिकांश थोक और खुदरा दवा की दुकानें बंद हैं और जरूरत पड़ने पर लोग अस्पतालों के दवा दुकानों से दवा लेने को मजबूर हैं।

C M Y K

राजस्व एवं आपदा राहत मामलों की समीक्षा, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित योजनाओं, लंबित मामलों तथा आपदा राहत प्रकरणों की समीक्षा बैठक की। बैठक में अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण, म्यूटेशन, म्यूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, किराया संग्रह, परिशोधन, पीजी पोर्टल सीपीजीआरएएमएस एवं ई राजस्व न्यायालय आरसीएमएस से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए विशेष कैंप आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि सभी म्यूटेशन आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाया जाए बैठक में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण से जुड़े लंबित मामलों की अंचलवार समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भूमि हस्तांतरण लंबित है, वहां शीघ्र भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। साथ ही विकास परियोजनाओं हेतु अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन कार्य में तेजी लाने को कहा गया, ताकि विकास कार्य बाधित न हों।उपायुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को नियमित रूप से अदालती कार्रवाई संचालित करने तथा वाद सूची एवं आदेशों को ऑनलाइन अपलोड करने का निर्देश दिया। इसके अलावा विभिन्न शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया बैठक में दुर्घटना में मृत लाभुकों को मिलने वाले मुआवजा लाभ एवं हिट एंड रन मामलों की भी समीक्षा की गई। एक वर्ष से लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश देते हुए उपायुक्त ने ओलावृष्टि, बाढ़, राज्य विशेष आपदा एवं स्थानीय आपदा से संबंधित मामलों में प्रभावितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के थाना स्तर के अभिलेखों एवं रिकॉर्ड की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए बैठक में अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचलाधिकारी, जिला अवर निबंधक समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा समय पर लाभ पहुंचाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत संचालित योजनाओं की प्रखंडवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई समीक्षा के दौरान साइकिल वितरण योजना, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना समेत अन्य योजनाओं की स्थिति पर चर्चा हुई।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योग्य छात्र-छात्राओं तक योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता और तय समयसीमा के भीतर पहुंचाया जाए उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में वर्ग-8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत साइकिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत लाभुक विद्यार्थियों को समयबद्ध तरीके से छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करने पर विशेष जोर दिया बैठक में अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सक्रियता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें और प्रगति में तेजी लाएं। उन्होंने लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने तथा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया बैठक में अपर समाहर्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिना ग्रामसभा अनुमति सर्वे पर बवाल, ग्रामीणों ने कंपनी कर्मियों को पकड़ा

केरेडारी/हजारीबाग (नबिटासं)। झारखंड के हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत बेंगवरी गांव में प्रस्तावित रश्मि कोल माइनिंग प्रोजेक्ट को लेकर ग्रामीणों और कंपनी प्रतिनिधियों के बीच विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने बिना ग्रामसभा की सहमति के सर्वेक्षण करने पहुंचे कंपनी से जुड़े लोगों को पकड़ लिया और उन्हें स्थानीय थाना केरेडारी के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, बीते सोमवार को कंपनी की ओर से गांव क्षेत्र में सर्वे कार्य किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने विरोध जताया और आरोप लगाया कि ग्रामसभा की अनुमति के बिना परियोजना से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जो स्थानीय अधिकारों और नियमों के खिलाफ है। मामले को लेकर बुधवार को बेंगवरी गांव के मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों, प्रशासनिक प्रतिनिधियों और कंपनी अधिकारियों के बीच विस्तृत वार्ता हुई। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि गांव में किसी भी प्रकार का सर्वे, भूमि संबंधी कार्य अथवा परियोजना गतिविधि ग्रामसभा की सहमति के बिना स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान कंपनी प्रतिनिधियों ने प्रक्रिया में हुई चूक स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि भविष्य में ग्रामसभा से अनुमति लेने के बाद ही किसी प्रकार का कार्य किया जाएगा। कंपनी द्वारा ग्रामीणों की शर्तें स्वीकार किए जाने के बाद मामला शांत हुआ और बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में समाप्त हुई। इस घटना के बाद क्षेत्र में ग्रामसभा की भूमिका और परियोजनाओं में स्थानीय सहभागिता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

प्रकृति के मनोरम चितेरे और छायावाद-युग के महान कवि थे पंत

पटना (नबिटासं)। प्रकृति के मनोरम चितेरे महाकवि सुमित्रानन्दन पंत छायावाद-युग के प्रमुख स्तंभ और मानवतावादी कवि थे। उनकी रचनाओं के विराट विस्तार में प्रकृति का चित्ताकर्षक चित्रण तो है ही, समाज की पीड़ा और चिंता के साथ मानवतावादी-समाजवाद भी है, जो प्रगतिवाद के रास्ते से अध्यात्म-वाद पर संपन्न और संपूर्ण होता है। यह बातें बुधवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि, पंत जी की रचना-प्रक्रिया को समझने के लिए, उनके जीवन के चार काल-खंडों का अलग-अलग अध्ययन करना आवश्यक है। कवि अपने यौवन में, प्रेम और प्रकृति तथा उनके उदात्त सौंदर्य के चितेरे के रूप में दिखाई देते हैं। इसके पश्चात उन पर, साम्यवाद के जनक मार्क्स और प्रगतिवाद का प्रभाव दिखता है। फिर वे महात्मा-

गाँधी से प्रभावित होकर सेवा और मानवता-वादी दृष्टिकोण के ध्वज-वाहक दिखते हैं। और, जीवन के चौथेपन में उन पर महर्षि अरविंदो का प्रभाव है, जिसमें उनकी आध्यात्मिक-चेतना उर्द्धगामी होती दिखाई देती है। उन्हें भारत सरकार के पद्म-भूषण अलंकरण, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। साहित्य सम्मेलन ने उन्हें 'विद्या-वाचस्पति' की उपाधि दी थी। वरिष्ठ कवि मृत्युंजय मिश्र 'करुणेश' ने कहा कि छायावाद-युग के चार स्तंभों निराला, पंत, महादेवी और जय शंकर प्रसाद में पंत जी ही प्रतिनिधि कवि हैं। वे संस्कृत, हिन्दी और अवधि के अधिकारी विद्वान थे। उनकी कविताएँ प्रेम और प्रकृति को दर्शन की ओर ले जाती है। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरम्भ चंदा मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने किया। आयोजन में सच्चिदानन्द सिन्हा, शोभा यादव, मोहम्मद फहीम, अरविंद कुमार, नन्दन कुमार मीत, कुमारी डौली समेत बड़ी संख्या में कविगण और सुधी श्रोता उपस्थित थे।

खेतों के बीच बना स्कूल पर सड़क नदारद

कोढा/कटिहार (नबिटासं) कोढ़ा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 3 स्थित प्राथमिक विद्यालय गेराबाड़ी बस्ती की मौजूदा तस्वीर सरकारी व्यवस्थाओं की हकीकत बयां कर रही है। एक ओर जहां सरकार शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासों का दावा करती है। वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं की कमी इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। इस विद्यालय तक पहुंचने के लिए आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है। जिसके कारण छोटे-छोटे बच्चों को रोजाना कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय का भवन खेतों के बीच बनाया गया है। लेकिन वहां तक जाने के लिए कोई समुचित रास्ता उपलब्ध नहीं है। बच्चे रोजाना पगडंडी और जंगलनुमा रास्तों से होकर

स्कूल पहुंचते हैं। यह रास्ता न केवल असुविधाजनक है। बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बना हुआ है। खासकर छोटे बच्चों के लिए यह सफर किसी चुनौती से कम नहीं होता।बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं। खेतों में पानी भर जाता है, पगडंडी कीचड़ में तब्दील हो जाती है और फिसलन इतनी बढ़ जाती है कि कई बार बच्चे गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कई जगहों पर पानी भरे खेतों के बीच से गुजरना पड़ता है, जिससे अभिभावकों की चिंता और बढ़ जाती है। ऐसे हालात में बच्चों के लिए स्कूल पहुंचना किसी परीक्षा से कम नहीं होता। स्थानीय ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों का कहना है कि सरकार ने विद्यालय भवन बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा और सुविधा की ओर ध्यान नहीं दिया गया। उनका कहना है कि शिक्षा केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों को सुरक्षित और सुगम रास्ता उपलब्ध कराना भी उतना ही जरूरी है। अभिभावकों की चिंता भी लगातार बढ़ती जा रही है। वे हर दिन इस डर में रहते हैं कि कहीं उनके बच्चे रास्ते में किसी हादसे का शिकार न हो जाएं। कई अभिभावकों ने बताया कि बरसात के दिनों में वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराते हैं, क्योंकि रास्ता बेहद खतरनाक हो जाता है। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है और उनकी नियमित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अविलंब विद्यालय तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुगम मार्ग मिल सके।

ऑल इंडिया केमिस्ट्स बंद का असर, मेडिकल दुकानें रहीं बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । ऑनलाइन दवा बिक्री, नकली दवाओं के कारोबार और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरोध में बुधवार को आयोजित ऑल इंडिया केमिस्ट्स बंद का व्यापक असर गिरिडीह जिले में देखने को मिला। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिकांश मेडिकल दुकानें बंद रहीं दवा व्यवसायियों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी छूट देकर दवाओं की बिक्री किए जाने से छोटे व्यवसायियों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही नकली

और नशीली दवाओं की बढ़ती बिक्री आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के बैनर तले मकतपुर स्थित डॉक्टर लाइन में दवा व्यवसायियों की सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर नियंत्रण और नकली दवाओं के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की इसके बाद दवा व्यवसायियों ने जन आक्रोश रैली निकाली।

रैली मकतपुर, टावर चौक सहित शहर के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरी। बंद के समर्थन में शहरभर में पोस्टर और बैनर लगाए गए। वहीं ड्रग इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नकली दवाओं और नशीली दवाओं के कारोबार पर रोक लगाने की मांग की गई हालांकि बंद के दौरान आवश्यक और इमरजेंसी सेवाओं को प्रभावित नहीं होने दिया गया। जरूरतमंद मरीजों के लिए जरूरी दवाओं की व्यवस्था जारी रखी गई इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार, सचिव सुजीत कपीसवे, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, मृत्युंजय गुप्ता, मिंटू, अमीरुद्दीन अहमद, प्रमोद कंधवे, विकास चंद्रा, विनय पुरुषोत्तम, अरविंद सिन्हा, रंजीत शर्मा समेत बड़ी संख्या में दवा व्यवसायी उपस्थित थे।

आबिद खान बने डुमरी के एसडीपीओ सुमित कुमार का हजारीबाग तबादला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। जारी आदेश के तहत कई पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण एवं नई पदस्थापना की गई है। इसी क्रम में गिरिडीह में पदस्थापित पुलिस उपाधीक्षक साइबर आबिद खान का तबादला अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) डुमरी के पद पर किया गया है।

आबिद खान को साइबर अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग के लिए जाना जाता है। उनके डुमरी अनुमंडल पहुंचने से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर नई उम्मीदें जताई जा रही हैं।वहीं सुमित कुमार का तबादला हजारीबाग कर दिया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई है राज्य सरकार के इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल को पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार नई पदस्थापना के बाद संबंधित अधिकारियों को जल्द योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

पुराने पुल के नीचे पानी में मिला इंटर की छात्रा का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर थाना क्षेत्र के सिरसिया-सिहोडीह पुराने पुल के नीचे बुधवार सुबह एक 17 वर्षीय युवती का शव पानी में तैरता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई मृतका की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सिरिसिया निवासी योगेश दास की पुत्री पायल कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि पायल इंटर की छात्रा थी।

परिजनों के अनुसार पायल सोमवार को घर से ट्यूशन पढ़ने और पढ़ाने के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी का आवेदन दिया था बुधवार सुबह पुराने पुल के नीचे पानी में शव मिलने की सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जहां पायल की पहचान की गई। बेटी का शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे इलाके में घटना के बाद शोक का माहौल है घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

मतदाता जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन की पहल, हेल्प डेस्क मैनेजर प्रतिनियुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 को सफल, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर निर्वाचन शाखा द्वारा हेल्प डेस्क मैनेजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि आम मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी जानकारी, सहायता और मार्गदर्शन एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध कराया जा सके।जिला निर्वाचन शाखा में प्रतिनियुक्त हेल्प डेस्क मैनेजर मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने, स्थानांतरण, विलोपन सहित अन्य निर्वाचन प्रक्रियाओं में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अलावा मतदाता सूची में नाम खोजने, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रपत्र भरने और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है कि प्रत्येक पात्र नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े और कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

हेल्प डेस्क के माध्यम से निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी मतदाताओं तक पहुंचाई जाएगी उन्होंने बताया कि मतदाताओं को निर्वाचन आयोग के हेल्पलाइन नंबर 1950 तथा ह्लईसीआई नेट ह्व जैसी डिजिटल सेवाओं के बारे में भी जागरूक किया जाएगा, ताकि नागरिक घर बैठे निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी एवं सेवाओं का लाभ उठा सकें जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत-प्रतिशत मतदाता पंजीकरण और जागरूकता बेहद जरूरी है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा उन्हें समय पर सही जानकारी उपलब्ध हो जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अपने मतदाता संबंधी विवरणों की जांच अवश्य करें और आवश्यकता पड़ने पर हेल्प डेस्क से संपर्क कर सुधार एवं पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें।

पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता, संगठन मजबूती पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को कांग्रेस के विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, ओबीसी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिला कांग्रेस, सेवा दल, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य अग्रिम संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने की, जबकि संचालन एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विनीत भास्कर ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कोऑर्डिनेटर सह गिरिडीह प्रभारी अमर यादव उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतीश केडिया शामिल हुए बैठक को संबोधित करते हुए अमर यादव ने कहा कि जिले में कांग्रेस के सभी मोर्चा संगठनों को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंचायत स्तर तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को घर-घर जाकर लोगों से जुड़ना होगा।

उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर अभी से तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। साथ ही निर्देश दिया कि एक माह के भीतर सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष अपनी जिला एवं प्रखंड कमेटियों का गठन करें जिला अध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कार्यकताओं को पूरा मान-सम्मान देने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और उन्हीं के बल पर संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने कहा कि युवा कांग्रेस पूरे जिले में जनता की समस्याओं की सूची तैयार कर संबंधित अधिकारियों से मिलकर उनके समाधान का प्रयास करेगी। जरूरत पड़ने पर जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन एवं घेराव भी किया जाएगा। बैठक में अनुसूचित जनजाति जिलाध्यक्ष प्रवीण हेंब्रोम, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अहमद रजा नूरी, पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष समीर राज चौधरी, अवैस अहमद, सहनवाज आलम, तस्लीम सद्दाम अंसारी, अनिल चौधरी, सुजीत मंडल, मनीर आलम, मुमताज अंसारी, संजय यादव, मंजूर अंसारी, नगर अध्यक्ष सरफराज अंसारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेरदोगा पंचायत में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विशेष कैंप आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत बेरदोगा पंचायत के कोरनाटांड़ एवं चपरडीहा गांव में बुधवार को आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना था, जो अब तक विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन नहीं कर सके थे कैंप के दौरान ग्रामीणों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही पात्र लाभुकों से आवश्यक दस्तावेज लेकर आवेदन प्रक्रिया भी पूरी कराई गई, ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ शीघ्र मिल सके इस दौरान गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया, जहां ग्रामीणों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकीय परामर्श के साथ जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर लाभ उठाया कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया अर्जुन मरांडी, पंचायत सचिव राजेंद्र पंडित, वार्ड सदस्य रामेश्वर हेंब्रम सहित सामाजिक परिवर्तन संस्थान द्वारा गठित ग्राम विकास समिति के सदस्य उपस्थित रहे। वहीं संस्था की ओर से आनंद त्रिपाठी, तिलक पंडित एवं किशुन हेंब्रम समेत अन्य कार्यकताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रखंड मुख्यालय में भाजपा का धरना, सरकार पर लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। किसानों, महिलाओं और युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने बुधवार को गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा नगर एवं मंडल अध्यक्षों ने किया धरना को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक ने राज्य सरकार पर कोयला, बालू तथा अन्य योजनाओं में लूट मचाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार नहीं सुधरी तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक जोरदार आंदोलन करेगी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर विरोध जताते हुए

कहा कि किसानों को ओलावृष्टि और प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय किसानों से किए गए बड़े-बड़े वादे आज केवल घोषणाओं तक सीमित होकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि ₹3200 प्रति क्विंटल धान खरीद, किसानों की ऋण माफी और खाद-बीज की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिलने से अन्नदाता आर्थिक संकट और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। भाजपा किसानों के हक, सम्मान और अधिकार की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी।कार्यक्रम प्रभारी अरुण हाजरा ने कहा कि राज्य सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्लॉक कार्यालयों में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा कार्यक्रम का संचालन हरमिंदर सिंह बग्गा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष खींरोधर दास ने दिया धरना-प्रदर्शन में चुनुकांत, बिनय सिंह, मुकेश जालान, सुभाष सिन्हा, सिंकू सिन्हा, मनोहर यादव, राजेश गुप्ता, संगीता सेठ, मनोज पांडेय, कुंदन सिंह, डॉ. शैलेंद्र चौधरी, अनूप सिन्हा, राजेश जायसवाल, सुमन सिन्हा, मिथुन चंद्रबंशी, विवेक गुप्ता, मनोज जोशी, इनोद साव, टिंकू सिन्हा, पवन कंधवे, समरदीप, प्रकाश सिंह, किशोर कुमार, पंचम वर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

कौआकोल में बुधवार को दवा दुकानें रही बंद, लोगों को हुई परेशानी

कौआकोल। बुधवार को कौआकोल बाजार की सभी दवा दुकानें बंद रहने के कारण लोगों को आंशिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा।आवश्यक दवाइयों के लिए मरीजों और उनके परिजनों को इधर-उधर भटकना पड़ा। दवा दुकानदारों द्वारा विभिन्न मांगों के समर्थन में दुकानें बंद रखी गई। इस दौरान बाजार की सभी मेडिकल दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। दवा दुकानदार संघ के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, राजीव रंजन सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि यह बंदी संगठन के निर्णय के तहत की गई है।

सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी, मनरेगा बहाली की मांग

कौआकोल। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा के जिला सह सचिव मंटू कुमार ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को लेकर सरकार के विरुद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा व्यवस्था को पूरी तरह बहाल किया जाए तथा वीबीजी राम जी को पुनः कार्य पर वापस लिया जाए। साथ ही मनरेगा में काम की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 200 दिन करने तथा मजदूरी दर 700 रुपये प्रतिदिन निर्धारित करने की मांग की गई।मंटू कुमार ने कहा कि ग्रामीण मजदूरों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांगें पूरी नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

सोखोदेवरा आश्रम में किसानों के बीच धान के बीज का वितरण

कौआकोल। प्रखण्ड के सोखोदेवरा जेपी आश्रम परिसर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम नवादा में बुधवार को शिविर आयोजित कर राजेंद्र स्वेता प्रभेद के धान बीज का वितरण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. जयवंत कुमार सिंह ने बताया कि फसल वैज्ञानिक सह बीज उत्पादन प्रभारी रविकांत चौबे की देखरेख में कुल 700 क्विंटल धान बीज किसानों के बीच वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि नवादा जिला के अलावा जमुई, शेखपुरा सहित विभिन्न जिलों से आए 1000 से अधिक किसानों ने 50 रुपये प्रति किलो की दर से धान बीज प्राप्त किया। बीज वितरण कार्यक्रम के दौरान ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,डॉ० भारत भूषण शर्मा,वैज्ञानिक अंगद कुमार, रौशन कुमार, पिंटू पासवान, सलोनी कुमारी सहित अन्य कृषि कर्मी एवं किसान मौजूद रहे।

छह महीने में एनडीए सरकार के वादे फेल, युवा और मजदूर बेहाल : जन सुराज पार्टी

नवादा। जन सुराज पार्टी ने नवादा में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर एनडीए सरकार पर युवाओं, महिलाओं और मजदूरों के साथ वादाखिलाफी का आरोप लगाया। जिला अध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा रोजगार और महिला सहायता को लेकर किए गए वादे अब तक धरातल पर नहीं उतरे हैं। बिहार में बेरोजगारी और पलायन लगातार बढ़ रहा है, जबकि टीआरई-4 भर्ती को लेकर छात्रों के साथ भी अन्याय किया जा रहा है।
जिला मुख्य प्रवक्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध और परिवारवाद के मुद्दे पर सरकार को घेरा। मीडिया जोनल प्रभारी अजय कुमार ने नीट छात्रा हत्याकांड मामले में समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। नेताओं ने कहा कि जन सुराज पार्टी जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। साथ ही "बिहार नवनिर्माण अभियान" के नए चरण के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद करेंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला अध्यक्ष त्रिवेणी सिंह, लोकसभा प्रभारी उदय शंकर, नालंदा जोन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रभारी सैयद मसूदीन जी तथा कोषाध्यक्ष ललन कुमार शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष स्वीटी कुमारी, राधा देवी, पूनम कुमारी गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष नीरज कुमार जी भी उपस्थित थे।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा को लेकर पंचायत समिति सदस्यों ने दिया आवेदन

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड प्रमुख पर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा को लेकर बुधवार के दिन पांच पंचायत समिति सदस्यों ने आवेदन दिया। आवेदन बीडीओ के अनुपस्थिति में प्रखंड नाजिर को दिया गया। पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड प्रमुख पर पांच बिंदु में आरोप लगाते हुए बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 की धारा 4413) (i) के अन्तर्गत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हेतू पंचायत समिति सदस्यों की विशेष बैठक की तिथि निर्धारित करने की मांग किया है।

दवा दुकानों की हड़ताल से नालंदा में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

बिहारशरीफ। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट की अपील पर नालंदा जिला औषधि विक्रेता संघ द्वारा बुधवार को जिलेभर में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। बंद के समर्थन में जिले की अधिकांश दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार इस हड़ताल से जिले में करीब 50 लाख रुपए के दवा कारोबार प्रभावित होने की संभावना है। दवा दुकानों के बंद रहने से कई मरीज आवश्यक दवाओं के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। संघ के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि देश में दवा कारोबार ड्रग एक्ट के कड़े नियमों के तहत संचालित होता है, जिसमें योग्य डी. फार्मा और बी. फार्मा डिग्रीधारकों की निगरानी में ही दवाओं का भंडारण और बिक्री की अनुमति है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने ऑनलाइन दवा आपूर्ति को लेकर दो नोटिफिकेशन जारी किए थे। लेकिन कोरोना काल समाप्त होने के बाद भी उन नोटिफिकेशनों को वापस नहीं लिया गया, जिसके विरोध में देशभर के दवा विक्रेता आंदोलन कर रहे हैं।

आजसू की बैठक में गोलीबारी, फायरिंग के बाद इलाके में तनाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। लोयाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसजोड़ा में बुधवार को आजसू नेताओं की बैठक के दौरान कुछ लोगों ने अचानक हमला बोल दिया। देखते ही देखते वहां भगदड़ मच गई और पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले के दौरान गोली चलने से एक युवक घायल हो गया, जबकि कई कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई।

आजसू छात्र नेता समेत कई कार्यकर्ता घायल

हमले में आजसू छात्र नेता हीरालाल महतो सहित कई समर्थक घायल हो गए। हीरालाल महतो ने आरोप लगाया कि रजनी रवानी को पिछले कुछ दिनों से कथित कोयला कारोबार से जुड़े लोगों द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही थीं। इन्हीं धमकियों के मुद्दे

पर चर्चा के लिए कार्यकर्ता बैठक में एकत्र हुए थे।

गोली चलने से दहशत, एक युवक गंभीर

स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान गोली भी चलाई गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग में घायल युवक की पहचान किशन रजवार के रूप में हुई है। उसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस पहुंची, जांच शुरू

लोयाबाद थाना प्रभारी टीकू प्रसाद ने पुष्टि की कि फायरिंग की घटना हुई है और एक व्यक्ति गोली का शिकार हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। हमले में शामिल लोगों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।
एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

डायन-बिसाही के शक में बुजुर्ग महिला की हत्या

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना अंतर्गत बोयकेड़ा पंचायत के बुंडूकोचा वनग्राम में अंधविश्वास की एक वारदात सामने आई है। यहां डायन-बिसाही के शक में 55 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। साक्ष्य छिपाने की नीयत से आरोपियों ने शव को गांव से करीब 200 मीटर दूर एक गहरी खाई में फेंक दिया। मृतका की पहचान बाईबेड़ा गांव निवासी चांदू पुर्ती (पति स्व. विनोद पुर्ती) के रूप में हुई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीन अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। यह घटना रविवार शाम की है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। पीवीयूएनएल, पतरातु द्वारा आज ऐश माउंड क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक विशाल पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीवीयूएनएल सीइओ ए.के. सहगल, सीजीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, जीएम (ओ एंड एम) मनीष खेतरपाल, प्रोजेक्ट जीएम विष्णु दत्ता दास तथा हेड ऑफ एचआर जियाउल रहमान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने सहभागिता की। वृक्षारोपण अभियान में आसपास के गांवों बलकुदरा, जयनगर एवं लबगा के मुखियाओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छता के महत्व पर बल दिया गया। पीवीयूएनएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु इस प्रकार के अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं।

पुनदाग रेलवे स्टेशन पर 18 ट्रेनों का होगा अस्थायी ठहराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आनंदा नगर (पुनदाग) में आयोजित होने वाले आनंद मार्गी धर्म महासम्मेलन को देखते हुए रेलवे ने श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए पुनदाग रेलवे स्टेशन पर 18 ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की घोषणा की है। यह व्यवस्था 20 मई 2026 से 27 मई 2026 तक लागू रहेगी। रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने बताया कि महासम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सभी चयनित ट्रेनों का पुनदाग रेलवे स्टेशन पर एक मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके।

इन ट्रेनों का पुनदाग स्टेशन पर होगा ठहराव

रेलवे द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार धनबाद-रांची एक्सप्रेस, रांची-धनबाद एक्सप्रेस, रांची-भागलपुर एक्सप्रेस, भागलपुर-रांची एक्सप्रेस, सम्बलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस, गोरखपुर-सम्बलपुर मौर्य एक्सप्रेस, राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस, जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस, हावड़ा-रांची एक्सप्रेस, रांची-हावड़ा एक्सप्रेस, रांची-गोड्डा एक्सप्रेस, गोड्डा-रांची एक्सप्रेस, पटना-हटिया एक्सप्रेस, हटिया-पटना एक्सप्रेस, रांची-कामाख्या एक्सप्रेस और कामाख्या-रांची एक्सप्रेस समेत कुल 18 ट्रेनों का ठहराव पुनदाग स्टेशन पर किया जाएगा।

विद्युत परियोजना के तीव्र विकास पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) में रामगढ़ के उपायुक्त ऋतुराज का दौरा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल ने अरन्या गेस्ट हाउस में उपायुक्त को पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान पीवीयूएनएल के अन्य महाप्रबंधकगण भी उपस्थित रहे। दौरे के क्रम में उपायुक्त ने परियोजना स्थल एवं यूनिट कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा संयंत्र की प्रगति, संचालन एवं विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा उन्हें परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान

भूमि से संबंधित विषयों एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी विषयों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए परियोजना से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की। पीवीयूएनएल प्रबंधन ने उपायुक्त के दौरे को परियोजना के सुचारू एवं तीव्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

मोबाइल लूटने वाले तीन गिरफ्तार

रांची। राजधानी के अगरगोड़ा थाना क्षेत्र में छिनतई के दौरान एक महिला को चाकू मारकर घायल करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने धर दबोचा है। पकड़े गए आरोपियो में एक नाबालिग है, जिसे पुलिस द्वारा निरुद्ध किया गया है। दरअसल 30 अप्रैल को रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू स्थित पटेल चौक के पास एक महिला से बाइक सवार तीन अज्ञात आरोपियों द्वारा चाकू से हमला कर मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया था, हमले में महिला जख्मी हो गई थी। इस संबंध में अरगोड़ा थाना कांड संख्या 102/26 दिनांक 02/05/2026, धारा 309(4)/309(6) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–जीएसयू–2026–27–01, दिनांक : 19.05.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा अपेक्षित निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. :टीआरडी–डब्ल्यूसी–जीएसयू–2026–27–01, कार्य का नाम:** निम्नलिखित टीआरडी कार्यः (क): आसनसोल मंडल–तुलसीटांड़ में अप लूप, (ख) आसनसोल मंडल–छोटा अमबोना–अप द्वितीय लूप का प्रावधान। (ग) आसनसोल मंडल–तापसी–डीडी–2 तक एवं से सीधे रिसेप्शन/डिस्पैच सुविधाओं के साथ स्टेशन यार्ड का रिमॉडलिंग। (घ) आसनसोल मंडल–सोनाचारा में पृथक्करण के साथ पूर्ण लंबाई के लूप। **निविदा मूल्य :** रु. 3,97,16,374.65, **बयाना राशिः** रु. 7,94,300/–, **कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधताः** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 22.06.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट : **www. ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-97/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सुरक्षा को लेकर जीआरपी एवं आरपीएफ ने की मॉक ड्रिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर राजकीय मलमास मेला को लेकर रेलवे प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। श्रद्धालुओं और रेल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को राजगीर रेलवे स्टेशन परिसर में जीआरपी और आरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जीआरपी थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार एवं आरपीएफ थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि मलमास मेला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ट्रेन

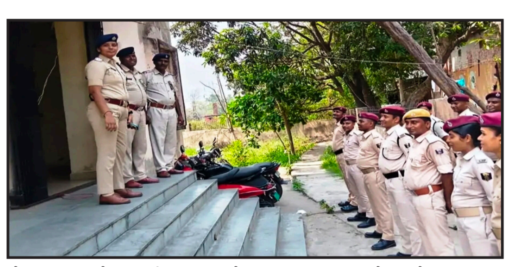

के माध्यम से राजगीर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशन को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है तथा अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। सुरक्षा कर्मियों को संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मॉक ड्रिल के दौरान यात्रियों को आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, हेल्पलाइन नंबरों एवं रेलवे सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारियां दी गईं। अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार हैं। स्टेशन परिसर में महिला एवं पुरुष जवानों की तीन पालियों में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान सुरक्षा बलों ने संदिग्ध वस्तुओं की जांच, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया का अभ्यास भी किया। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या लावारिस वस्तु की सूचना तुरंत सुरक्षा कर्मियों को दें और यात्रा के दौरान सतर्कता बरतें।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. : 43_2026–27, दिनांक: 19.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा –711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/ एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा। कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल के तहत वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में ट्रिंबल गेडो वोर्सिस ट्रॉली सिस्टम या समरूप का उपयोग करते हुए प्री एवं पोस्ट टैंपिंग ट्रैक मेजरमेंट सर्वे और अद्यतन स्केल मैप का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 48,15,653.60, **बयाना राशि :** रु. 96,300/–**समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक **08.06.2026 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-84/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ककोलत जलप्रपात में सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर प्रवेश शुल्क में संशोधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश, पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कृष्णा द्वारा संयुक्त रूप से आज गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ककोलत जलप्रपात का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पर्यटकों की अत्यधिक भीड़, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, यातायात नियंत्रण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।
निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि गर्मी के मौसम एवं अवकाश के दिनों में ककोलत जलप्रपात में प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं, जिसके कारण स्थल पर अत्यधिक दबाव उत्पन्न हो रहा है। कई अवसरों पर अत्यधिक भीड़ के कारण कुंड क्षेत्र में अव्यवस्था, सुरक्षा संबंधी जोखिम एवं पर्यावरणीय दबाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसे ध्यान में रखते हुए भीड़ प्रबंधन, पर्यटकों की सुविधा,पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रवेश शुल्क एवं पार्किंग शुल्क की दरों में संशोधन करने का निर्णय लिया गया।
जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि ककोलत जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। बढ़ती पर्यटक संख्या के कारण पार्किंग, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आपदा प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्णय लिया गया है,जो निम्नवत है-
भीड़ नियंत्रण एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन अधिकतम 8000 टिकट ही निर्गत किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त कुंड क्षेत्र में एक समय में सीमित संख्या में ही पर्यटकों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण के दृष्टिकोण से कुंड क्षेत्र में पर्यटकों के ठहराव की अवधि अधिकतम एक घंटा निर्धारित की गई है। एक घंटे की अवधि पूर्ण होने के उपरांत कुंड क्षेत्र में मौजूद पर्यटकों को वापस भेजा जाएगा तथा उसके बाद नए पर्यटकों को प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाएगी, ताकि सभी पर्यटक सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से स्थल का आनंद ले सकें।
संशोधित दरें निम्नवत् निर्धारित की गई हैं—

सोमवार से शुक्रवार तक (मंगलवार बंद रहेगा)
प्रवेश शुल्क – 100 प्रति व्यक्ति
टू-व्हीलर पार्किंग शुल्क – 100
फोर-व्हीलर पार्किंग शुल्क – 200

शनिवार एवं रविवार
प्रवेश शुल्क – 200 प्रति व्यक्ति
टू-व्हीलर पार्किंग शुल्क – 200
फोर-व्हीलर पार्किंग शुल्क – 400

उक्त सभी निर्णय दिनांक 21.05.2026 से प्रभावी होंगे एवं माह जुलाई 2026 तक लागू रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय केवल व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन, पर्यटकों की सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन स्थल के समुचित रख-रखाव के उद्देश्य से लिया गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएस, बोकारो स्टील सिटी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए (1) जीईएम बोली संख्याः जीईएम/2026/बी/7554761, दिनांक 19.05.2026 और (2) जीईएम बोली संख्याः जीईएम/2026/बी/7555267, दिनांक 19.05.2026 के तहत ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. , निविदा सूचना सं., कार्य का विवरण, अनुमानित मूल्य और ईएमडी** निम्नानुसार हैं : **(1) ईएलएसबी–26–एचवी1–05/टीएन, दिनांक 19.05.2026,** मासिक आधार पर कैब एवं टैक्सी को किराए पर लेने की सेवाएँ–एसयूवी; 2000 किमी प्रति माह, आउटस्टेशन 24*7, रु.11,97,600/–रु.23,952/–, **(2) ईएलएसबी–26–एचवी2–06/टीएन, दिनांक 19.05.2026,** मासिक आधार पर कैब एवं टैक्सी को किराए पर लेने की सेवाएँ–एसयूवी; 1250 किमी प्रति माह, आउटस्टेशन 24*7, रु.8,37,312/–, रु.16,746/–, **अवधिः** 02 वर्ष (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। **निविदा प्रपत्र की लागतः** शून्य(क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। निविदा कागजात सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) वेबसाइट यानी **www.gem.gov.in** पर दिनांक 29.05.2026 को 17.00 बजे तक उपलब्ध होगा (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समयः** दिनांक 29.05.2026 को 17.00 बजे तक (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। **निविदा के खुलने की तिथि/समयः** दिनांक 29.05.2026 को 17.30 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। सभी भरोसेमंद, अनुभवी और इच्छुक निविदाकार इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। (PR-202)

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. : 43_2026–27, दिनांक: 19.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा –711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/ एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा। कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल के तहत वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में ट्रिंबल गेडो वोर्सिस ट्रॉली सिस्टम या समरूप का उपयोग करते हुए प्री एवं पोस्ट टैंपिंग ट्रैक मेजरमेंट सर्वे और अद्यतन स्केल मैप का विकास। **अनुमानित मूल्य :** रु. 48,15,653.60, **बयाना राशि :** रु. 96,300/–**समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक **08.06.2026 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-84/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ऑनलाइन दवा बिक्री पर नियंत्रण की मांग को लेकर केमिस्टों का विरोध

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण तथा दवा विक्रेताओं के हितों की रक्षा की मांग को लेकर नवादा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने अपनी आवाज बुलंद की है। एसोसिएशन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अखिल भारतीय संगठन के आह्वान पर बिहार सहित देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट समुदाय ने एकजुट होकर जनहित और व्यवसायिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाया है। जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दवाओं की अनियंत्रित बिक्री, भारी छूट (डीप डिस्काउंटिंग) तथा नियामक व्यवस्थाओं की कमी के कारण

पारंपरिक दवा विक्रेताओं के समक्ष गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं। संगठन का कहना है कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य से सीधे जुड़ी संवेदनशील सामग्री हैं, जिनकी बिक्री और वितरण के लिए स्पष्ट एवं कड़े नियमों की आवश्यकता है। एसोसिएशन ने बताया कि कोविड-19 महामारी सहित हर आपदा और आपातकालीन स्थिति में स्थानीय केमिस्टों ने 24 घंटे सेवा देकर समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। इसके बावजूद ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री के लिए अभी तक कोई स्पष्ट और पृथक कानूनी ढांचा नहीं होने से दवा विक्रेताओं के समक्ष असमान प्रतिस्पर्धा की स्थिति बन गई है। प्रेस विज्ञप्ति में सरकार से मांग की गई है कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रभावी निगरानी और नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही दवाओं की बिक्री एवं होम डिलीवरी के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं। संगठन ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट पर रोक लगाने, मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उचित नियामक व्यवस्था लागू करने तथा मौजूदा कानूनी प्रावधानों की समीक्षा कर उनके दुरुपयोग को रोकने की मांग की है। इसके अलावा संगठन ने कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत जारी लाइसेंस प्राप्त परिसरों के लिए लागू नियमों का इंटरनेट आधारित दवा बिक्री में भी समान रूप से पालन कराया जाए। एसोसिएशन का मानना है कि इससे मरीजों की सुरक्षा, दवा वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता और कानून के अनुपालन को मजबूती मिलेगी। नवादा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने राज्य सरकार से जनहित, रोगी सुरक्षा तथा रोजगार संरक्षण को ध्यान में रखते हुए शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो भविष्य में केमिस्ट समुदाय व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

मध्याह्न भोजन से दर्जन भर बच्चे बीमार

स्कूल और गांव में अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के नगरनौसा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय कला कैला में बुधवार को मिड-डे मील खाने के बाद अचानक तीन दर्जन से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, दस्त और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। कई बच्चे स्कूल परिसर में ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के बाद स्कूल और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में सभी बीमार बच्चों को नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं कुछ बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें चंडी रेफरल अस्पताल भेजा गया है।

अस्पताल में भर्ती पांचवीं कक्षा की छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि दोपहर के भोजन में चावल और चने की सब्जी परोसी गई थी। खाना खाने के दौरान सब्जी के एक हिस्से में संदिग्ध गोली जैसी वस्तु दिखाई दी। छात्रा के अनुसार लगभग सभी बच्चों ने वही भोजन खाया था, जिसके बाद एक-एक कर बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि रोज की तरह इस बार शिक्षकों ने भोजन चखकर जांच नहीं की थी। बाद में अमरेश सर नामक शिक्षक ने भी वही भोजन खाया, जिसके बाद उन्हें भी चक्कर आने लगे और उन्हें भी इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के मुताबिक स्कूल में मिड-डे मील की आपूर्ति एकता फाउंडेशन नामक संस्था द्वारा की गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों में संस्था के खिलाफ भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का आरोप है कि भोजन की गुणवत्ता की जांच किए बिना ही बच्चों को खाना परोस दिया गया, जिससे बच्चों की जान खतरे में पड़ गई। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बीमार बच्चों में अमृता कुमारी, अंकुश कुमार, अनुराधा कुमारी, तमन्ना, निशु मुस्कान, कृति, ऋषि, आरती, सिमरन, खुशी, आदित्य, प्रियांशु, प्रिय, दीपक, प्रीति, डोली, सौरभ, किरण और राधा कुमारी समेत तीन दर्जन से अधिक बच्चे शामिल हैं। सभी का इलाज जारी है।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रजनी कुमारी ने बताया कि बुधवार को बच्चों को मिड-डे मील में छोला और चावल परोसा गया था। जैसे ही बच्चों ने भोजन करना शुरू किया, अचानक कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ बच्चों को उल्टी-दस्त शुरू हो गया जबकि कई बच्चे चक्कर खाकर बेहोश हो गए।

उन्होंने बताया कि स्थिति गंभीर होने पर तुरंत बच्चों को नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और चंडी रेफरल अस्पताल भेजा गया। घटना की लिखित सूचना विभाग के वरीय अधिकारियों को दे दी गई है।

गोली मारकर युवक की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। महुआडांड़ प्रखंड क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कलकलिया गांव निवासी रामेश्वर उरांव (42) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, रामेश्वर उरांव सोमवार रात खाना खाने के बाद गांव के कुछ लोगों के साथ जंगल में शिकार खेलने गए थे। इसी दौरान पंचायत मुखिया पति संतु उरांव को बलदेव उरांव का फोन आया। फोन पर उसने बताया कि गलती से एक व्यक्ति को गोली लग गई है। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। सूचना मिलने के बाद परिजन, ग्रामीण और पुलिस युवक की तलाश में जुट गए।

काफी खोजबीन के बाद गांव के समीप जंगल में एक महुआ पेड़ के नीचे रामेश्वर उरांव का शव खून से लथपथ हालत में मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए।

छात्रा ने लगाए प्रिंसपल पर गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले के चंपानगर थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और शर्मनाक मामला सामने आया है। सिंधिया पंचायत स्थित कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कक्षा एक की सात वर्षीय छात्रा को कोल्ड ड्रिंक का झांसा देकर पेशाब पिलाने का आरोप लगा है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग स्कूल परिसर पहुंच गए।

मामला बढ़ता देख चंपानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रधानाध्यापक नंद किशोर राय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान श्रीनगर थाना क्षेत्र के खुट्टी धुनैली गांव निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने पीड़िता की मां के लिखित बयान पर कांड संख्या-69/2026 दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।एफआईआर के अनुसार, बच्ची रोज की तरह स्कूल पढ़ने गई थी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह रोते हुए घर पहुंची और अपनी मां को पूरी घटना बताई। मासूम ने कहा कि हेडमास्टर ने उसे अपने पास बुलाया और बोतल के ढक्कन में भरा तरल पदार्थ देते हुए कहा कि यह कोल्ड ड्रिंक है। बच्ची ने जैसे ही उसे मुंह में डाला, उसे एहसास हुआ कि वह पेशाब था। घटना की जानकारी मिलते ही बच्ची की मां अपने परिजनों और ग्रामीणों के साथ स्कूल पहुंची। आरोप है कि जब उन्होंने प्रधानाध्यापक से जवाब मांगा तो वह गाली-गलौज पर उतर आया और उन्हें स्कूल से बाहर निकालने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान बच्ची ने टेबल पर रखी उस बोतल की ओर इशारा किया, जिससे कथित तौर पर उसे पेशाब पिलाया गया था। परिजनों ने बोतल को सूंघा तो उसमें से तेज दुर्गंध आने की बात कही।हालांकि, पुलिस हिरासत में आरोपी प्रधानाध्यापक ने खुद पर लगे सभी आरोपों को गलत और मनगढ़ंत बताया है। थानाध्यक्ष ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती दी है। रोहुआ बाजार के पास दिनदहाड़े बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतक की पहचान प्रहलादपुर गांव निवासी 30 वर्षीय प्रभात कुमार मिश्रा उर्फ अंकित कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मूल रूप से महुआ क्षेत्र के रहने वाले थे। प्रेम प्रसंग में शादी करने के बाद वह मुसहरी इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। वह जमीन के कारोबार से जुड़े हुए थे और शुरूआती जांच में जमीन विवाद की बात सामने आ रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक किसी काम से रोहुआ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवाई। इसके बाद एक अपराधी बाइक से उतरा और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली प्रभात के सिर और मुंह में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिसमें एक बाइक पर दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान में जुटी है। इस मामले में सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि बाइक सवार दो अपराधियों ने युवक को कई गोलियां मारी हैं। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद का मामला सामने आया है। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पदाधिकारियों ने किया पैदल मार्च

कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी बाहुल दो पंचायतों के चिह्नित चार टोलों में जनजाति गरिमा उत्सव के तहत जन भागीदारी शिविर का आयोजन किया जा रहा है।शिविर की सफलता के लिए जनजाति परिवार के लोगों के बीच सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है।वहीं योजनाओं को लेकर प्राप्त आवेदनों का ऑन-द्-स्पॉट निष्पादन करने की व्यवस्था की गई है।कल्याण विभाग की ओर से 19 से 25 तक चलने वाले इस इस अभियान के माध्यम से योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचाने का उद्देश्य कितना पूरा होगा।यह तो समय हीं बताएगा।लेकिन बुद्धवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम प्रकाश के नेतृत्व में अंचल अधिकारी सादी रऊफ,प्रखंड कल्याण पदाधिकारी संजीत कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवानी गुप्ता,चिकित्सा पदाधिकारी डा.आर पी.मंडल, कार्यक्रम पदाधिकारी सतीश प्रसाद सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने स्थानीय मुखिया पार्वती हेम्ब्रम, समाजसेवी राजेन सोरेन आदि के साथ रतनपुरा गांव में पैदल मार्च किया।

दवा दुकानें बंद रहने से मरीज हुए हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में दवा कारोबारियों की हड़ताल का असर मंगलवार को पूरे राज्य में देखने को मिल रह है। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले दवा विक्रेताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में दुकानों का शटर गिरा गया है। वह ई-फॉमेर्सी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी पटना के अशोक राजपथ, जीएम रोड, बेली रोड, आईजीआईएमएस के बाहर दवा दुकानें बंद हैं। यही हाल मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, गया, भागलपुर, दरभंगा और अन्य जिलों का भी है। यहां भी सुबह से ही मेडिकल स्टोर बंद रहे। बिहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष परसन कुमार सिंह ने कहा कहा कि 20 मई को रात 12 बजे तक राष्ट्रीय स्तर पर दुकानों को बंद करने का हमलोगों ने फैसला लिया है। सरकार से हमलोगों की मांग पर ध्यान दें।

बिहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महासचिव प्रभाकर कुमार ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। साथ ही बाजार में नकली दवाओं की बढ़ती शिकायतों को लेकर भी नाराजगी जताई और इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की। पटना केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने सरकार से संबंधित अधिसूचनाओं को वापस लेने और दवा बिक्री के लिए नई नियामक व्यवस्था लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे दवा कारोबार में पारदर्शिता आएगी और मरीजों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

पटना में दवा कारोबारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में मजबूर होकर राज्यव्यापी हड़ताल का फैसला लिया गया।

टोटो पर गिरा बरगद का पेड़, दो महिलाएं गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर शहर के सबसे व्यस्त और वीआइपी मार्गों में शामिल कचहरी चौक-तिलकामांझी मुख्य सड़क पर बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। पुलिस लाइन के समीप अचानक एक विशाल बरगद का पेड़ सड़क पर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आकर एक टोटो दब गया। हादसे में टोटो पर सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि एक पुरुष को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए टोटो में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजा।

जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वह शहर का बेहद महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है। कचहरी चौक से तिलकामांझी जाने वाली सड़क से रोजाना जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और वीआइपी लोगों का आना-जाना होता है।

इसी मार्ग से आम लोगों की भी भारी आवाजाही रहती है। घटना स्थल से सैंडिस कंपाउंड की दूरी करीब 50 मीटर बताई जा रही है। दिनभर यहां ट्रैफिक का दबाव बना रहता है। ऐसे में अचानक पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

जानकारी के अनुसार टोटो मायागंज की ओर से तातारपुर जा रहा था। उसी दौरान पुलिस लाइन के पास सड़क किनारे मौजूद पुराना बरगद का पेड़ अचानक भरभराकर सड़क पर गिर पड़ा।

पेड़ सीधे टोटो के ऊपर गिर गया, जिससे उसमें सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद करीब 25 लोगों ने राहत कार्य शुरू किया और टोटो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत मायागंज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

प्रेम प्रसंग में युवक ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के बेड़ों इलाके में एक युवक ने आत्महत्या कर ली है। मृतक युवक का नाम बिरसा उरांव है और उसकी उम्र 18 वर्ष है। मृतक युवक गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र का रहने वाला है। बिरसा उरांव का प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसी में प्रेमी प्रेमिका के बीच बहस हुई और युवक ने टावर पर चढ़ कर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह के समय स्थानीय ग्रामीणों ने बिजली के टावर से एक शव को लटकते हुए देखा। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई और पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई. ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची।

नाबालिग को देह व्यापार में धकेलने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले से मानव तस्करी और देह व्यापार से जुड़ा एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्कूल जाने के लिए घर से निकली 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची कथित तौर पर मानव तस्करी के जाल में फंस गई और उसे जबरन देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया गया। मामले का खुलासा होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। लहेरी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न सिर्फ बच्ची को सकुशल बरामद किया, बल्कि इस रैकेट में शामिल तीन महिलाओं समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार की गई कुछ महिलाएं पहले भी इस तरह के मामलों में जेल जा चुकी हैं।

जानकारी के अनुसार, यह मामला 7 मई का है। पीड़ित बच्ची रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उसकी मां ने लहेरी थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए लहेरी थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बच्ची को जेपी हॉस्पिटल के पीछे नालंदा कॉलोनी में रहने वाली रेखा देवी नामक महिला ने अपने घर में छिपाकर रखा है और उससे जबरन देह व्यापार कराया जा रहा है।सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया और बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की गई। पुलिस ने मौके से बच्ची को बरामद कर लिया है।

पूछताछ में बच्ची ने पुलिस को जो बताया, उसने सभी को झकझोर कर रख दिया। पीड़िता के अनुसार, उसे अलग-अलग जगहों पर ले जाकर कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। बच्ची ने बताया कि उसकी गरीबी का फायदा उठाकर उसे पैसों और बेहतर जिंदगी का लालच दिया गया था। जांच में सामने आया कि बच्ची अपनी मां के साथ मिलकर बाल बेचने और भुट्टा पकाने का काम करती थी। इसी दौरान इस गिरोह की नजर उस पर पड़ी। पुलिस के अनुसार, मंसूर नगर निवासी राजा कुमार ने पहले बच्ची को अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर उसे सोहसराय की रहने वाली किरण नामक महिला के पास ले गया है। बताया जा रहा है कि किरण अक्सर उस जगह पर जाती थी, जहां बच्ची की मां भुट्टा बेचती थी। वह बच्ची को अच्छे कपड़े, बेहतर जिंदगी और सुख-सुविधाओं का लालच देती थी। इसी बहकावे में आकर बच्ची उसके साथ चली गई और बाद में उसे इस अवैध धंधे में धकेल दिया गया। पुलिस ने इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रेखा देवी, बेवी देवी, राजा कुमार, विद्या कुमार और लक्ष्मी देवी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह में शामिल महिलाएं ग्राहकों को बुलाने और लड़कियों को फंसाने का काम करती थीं।

प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह ने बिक्रमा सिंह से की शिष्टाचार मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोचस (रोहतास)। जय किसान आंदोलन के समर्पित नेता बिक्रमा सिंह (78) की तबीयत खराब की खबर सुनकर बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह अधिवक्ता सासाराम से शिष्टाचार मुलाकात हेतु चिलचिलाती धूप में उनके गाँव धनछुआॅ पहुंचे।ज्ञातव्य है कि धनछुआॅ गाँव सुदूर देहात में अवस्थित है। जो बक्सर और रोहतास जिला का सीमावर्ती क्षेत्र है।

लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पूर्व विधायक स्व. शिवपूजन सिंह के पाठशाला के एक सच्चे ईमानदार कर्मठ, संघर्षशील एवं निडर किसान नेता है। किसानों के पटवन के सवाल को लेकर शिवपूजन सिंह के साथ दिनारा प्रखंड पर अनिश्चित कालीन धरना के दौरान गिरफ्तार होकर जेल गये थे। उस वक़्त बिक्रमा सिंह के घर में काफी अभाव और गरीबी थी।इन सारी चीजों को मैने काफी नजदीक से देखा है। श्री सिंह ने कहा कि किसान नेता बिक्रमा सिंह को उनके गाँव पहुंचने की भनक जैसे ही मिली गाँव के कार्यकर्त्ताओं को सूचना देकर एक बैठक भी रख दिये थे। उनका जोश और उत्साह लगा, मुझे प्रभावित भी किया।श्री सिंह ने कहा कि वे इन दिनों काफी अस्वस्थ है फिर भी नहीं मानते है। आज भी भ्रष्टाचार, महंगाई, शिक्षा, बेरोजगारी , सिंचाई, पानी, बिजली, सड़क, वृद्धावस्था पेंशन, किसान, मजदूर छात्रों एवं महिलाओं की समस्याओं को लेकर सड़क पर संघर्ष करते रहते है। आन्दोलन और संघर्ष उनकी पहचान है। श्री सिंह ने कहा कि मुझे अच्छी तरह याद है किसान नेता बिक्रमा सिंह डोम और मुशहर समाज सबसे दबा कुचला बंचित वर्गो का सम्मेलन कर उनकी शिक्षा, सामाजिक न्याय, वो हक अधिकार की वकालत करते है।इस दौरान फोन से शाहाबाद प्रक्षेत्र लोक समिति के अध्यक्ष एवं गाँधीवादी किसान नेता सुरेश प्रसाद, शाहाबाद प्रक्षेत्र के महासचिव भानु प्रकाश राय, रोहतास

जिला लोक समिति के अध्यक्ष आशुतोष कुमार, दिनारा प्रखंड लोक समिति के अध्यक्ष डॉ. विकास कुमार शर्मा ,एवं अनिल यादव ,वगैरह गणमान्य लोंगो ने उनके स्वास्थ्य का समाचार लिया। अन्त में संघर्ष शील किसान नेता बिक्रमा सिंह ने निकट भविष्य में किसान- मजदूर एवं वृद्धावस्था पेंशनऔर बेरोजगारी के सवाल को लेकर अपने गाँव धनछुआॅ में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कराने की तैयारी में है।

पूर्व विधायक के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट से विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मटिहानी की राजनीति सोमवार को एक कथित फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अचानक गरमा गई। विधायक नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह के नाम से बने एक फर्जी अकाउंट से पूर्व विधायक राजकुमार सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में दिनभर हलचल बनी रही। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर पोस्ट तेजी से वायरल हुआ और इसे लेकर समर्थकों, राजनीतिक कार्यकताओं तथा स्थानीय लोगों के बीच बहस छिड़ गई। कई नेताओं और बुद्धिजीवियों ने इसे राजनीतिक माहौल बिगाड़ने की साजिश बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक बोगो सिंह ने रिफाइनरी थाना और साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।

वहीं पूर्व विधायक राजकुमार सिंह की ओर से भी साइबर थाना में आवेदन दे दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। जदयू नेताओं ने भी इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक मनीष से मुलाकात कर जांच तेज करने की मांग उठाई।

इसी बीच मामले में नया मोड़ तब आया, जब उसी सोशल मीडिया आईडी से एक और पोस्ट साझा कर कथित रूप से अपनी गलती स्वीकार की गई।

पोस्ट में राजा कुमार नामक युवक ने माफी मांगते हुए कहा कि उससे भूल हुई है। युवक की पहचान नयागांव थाना क्षेत्र के बलहपुर सिंहपुर गांव निवासी के रूप में हुई है।

घटना के बाद इलाके में सोशल मीडिया के दुरुपयोग और फर्जी अकाउंट के बढ़ते मामलों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी पोस्ट के पीछे केवल शरारत थी या इसके पीछे कोई राजनीतिक साजिश भी जुड़ी हुई है। रिफाइनरी थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक की पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

नगर पंचायत की निविदा प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल

मामले की जांच को ले ठेकेदार ने लगायी गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नगर पंचायत हुसैनाबाद के शिवपुरी पार्क निर्माण कार्य को लेकर निविदा प्रक्रिया पर सवाल खड़े होने लगे हैं। आदित्य राज कंस्ट्रक्शन के पार्टनर मनीषधर दुबे ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हुसैनाबाद को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि निविदा प्रक्रिया एवं कार्य प्रारंभ करने में अनावश्यक विलंब कर एल-1 संवेदक को विशेष लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिए गए आवेदन में कहा गया है कि निविदा के तहत शिवपुरी पार्क निर्माण कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसमें कई संवेदकों ने भाग लिया था। आरोप है कि एल-1 संवेदक द्वारा डेढ़ वर्ष से अधिक समय तक कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, बावजूद इसके उसे कार्य आवंटित करने की प्रक्रिया जारी रखी जा रही है, जो निविदा नियमावली के विरुद्ध है।

मनीषधर दुबे ने कहा कि नियमों के अनुसार सभी निविदादाताओं के साथ समान व्यवहार होना चाहिए, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों से ऐसा प्रतीत होता है कि जानबूझकर विलंब कर एक विशेष पक्ष को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इससे निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है।

उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा नियमानुसार पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि उपायुक्त पलामू, एनआरईपी के कार्यपालक अभियंता एवं नगर पंचायत के सभी वार्ड पार्षदों को भी भेजी गई है।

बिजली की आंख मिचौली से लोग बेहाल

गयाजी। गयाजी शहर से देहात तक घंटा में दस से बीस मिनट की बिजली कटने यानी 24 घंटे में चार से पांच घंटा पावर कट से आमजन बेहाल है।

बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, टिंकू गिरी, मुन्ना मांझी, मोहम्मद शमीम आलम आदि ने कहा कि सूबे ही नहीं बल्कि देश मे ज्यादा गर्मी पड़ने वाला गयाजी जिला मे ऊपर से भरपूर बिजली उपलब्धता के बाद भी मेनट्रेनेन्स और ओवर लोड का बहाना बना कर दिन और रात 24 घंटा मे 15 से 20 बार बिजली कटने से लोग रात में सो नहीं रहे हैं तथा दिन में भी घरों से बाहर निकल कर गर्मी में राहत ले रहे हैं।

नेताओं ने कहा कि भीषण गर्मी के पहले विभागीय लापरवाही के कारण मेनटेनेनन्स का काम नहीं कर लोगों को त्राहि त्राहि कराने को आतुर हैं।

हथौड़े से पीटकर किया जख्मी, इलाज के दौरान मौत

पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के मधुबन दरियापुर गांव स्थित बिंद टोला में घर के बरामदे में सोए नीतीश कुमार (24) को हथौड़ा से पीट कर जख्मी कर दिया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना की वजह का पता नहीं चल सका है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। भाई रौशन कुमार ने बताया कि गांव में आयोजित यज्ञ में नीतीश कुमार ने नाश्ते की दुकान लगा रखी थी। सोमवार की देर रात दुकान बंद करने के बाद वह घर लौटा और बरामदे में अकेले सो गया। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे स्वजन की नजर उस पर पड़ी तो उसके सिर से काफी खून बह रहा था।

यह देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में स्वजन उसे इलाज के लिए खड़गपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मुंगेर रेफर कर दिया। मुंगेर में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही खड़गपुर थाने की पुलिस पहुंची और स्वजन से पूछताछ कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। शुरूआती जांच में युवक पर हथौड़े से हमला किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि, हत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चा हैं।

नवादा नगर परिषद ने की डॉग कैचिंग अभियान की शुरूआत

नसबंदी के बाद आवारा कुत्तों पर लगेगी लगाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा नगर परिषद ने शहर में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक पर बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार से नगर क्षेत्र में 'कैच-न्यूटर-रिलीज' अभियान की शुरूआत हुई, जिसके तहत आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी और एंटी रेबीज टीकाकरण किया जाएगा।

अभियान की शुरूआत होते ही नगर परिषद की टीम डॉग कैचिंग व्हीकल लेकर रामनगर और बुधौल इलाके में पहुंची। यहां से करीब 20 आवारा कुत्तों को पकड़ा गया। अचानक टीम को देखकर लोग पहले हैरान हुए, लेकिन अभियान की जानकारी मिलने के बाद राहत महसूस की। नगर परिषद क्षेत्र के सभी 44 वार्डों में आवारा कुत्तों की निगरानी की जाएगी। इस अभियान की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश की एजेंसी को दी गई है।

नगर परिषद के अनुसार शहर में 10 से 15 हजार आवारा कुत्तों और कुत्तियों की नसबंदी और बंध्याकरण किया जाएगा। इससे उनकी बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

साथ ही पकड़े गए सभी कुत्तों को एंटी रेबीज वैक्सीन भी दी जाएगी।

नवादा सदर अस्पताल में प्रतिदिन 30 से 35 लोग डॉग बाइट के इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें बच्चों से जुड़े कई मामले गंभीर होते हैं।

नगर परिषद का दावा है कि इस अभियान के बाद शहर में आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाओं में कमी आएगी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद यह अभियान शुरू किया गया है।

कोर्ट ने स्कूल, अस्पताल और रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए थे।

नगर परिषद ने बुधौल में विशेष श्वान बंध्याकरण केंद्र स्थापित किया है। यहां पकड़े गए कुत्तों की पहले स्वास्थ्य जांच होगी, फिर नसबंदी या बंध्याकरण ऑपरेशन किया जाएगा।

ऑपरेशन के बाद तीन से पांच दिन तक उनकी देखभाल की जाएगी। इस दौरान उन्हें भोजन देने के लिए रसोइया भी तैनात किया गया है। घाव भरने के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

CMYK

जनता सबसे बड़ी गवाह, नए इंजीनियरों और कर्मियों को उपमुख्यमंत्री की सीख

डिप्टी सीएम ने 15 अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सिंचाई भवन के सभाकक्ष में बुधवार को नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी और सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने 6 सहायक अभियंता, अनुकंपा के आधार पर चयनित 6 निम्नवर्गीय लिपिक और 3 कार्यालय परिचारी पद के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है। आज 15 नये लोग जल संसाधन विभाग के परिवार में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने सभी नवनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विभाग काफी महत्वपूर्ण है। यह गांव-गांव और आम लोगों से जुड़ा है। आपके अच्छे कार्य से विभाग का आंकलन होगा और उसकी प्रशंसा होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी अब आप लोग विभाग के अपेक्षा के अनुरूप अच्छा कार्य करें। ताकि विभाग की प्रशंसा हो सके। लोगों के अपेक्षा के अनुरूप कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का नाम आमलोग लेते हैं। वहीं गलत करने वालों की शिकायत भी वहीं लोग करते हैं। इससे बचना होगा। आपकी जो भी वाजिब कठिनाईयां होगी उसे उदारता के साथ दूर किया जाएगा, लेकिन आपके कारण विभाग पर अंगूली उठेगी तो विभाग कार्रवाई करने में भी पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता से बड़ी गवाही कोई नहीं देता है। अगर आप संकट में फसेंगे तो जनता ही साथ देगी। किसी भी योजना को थ्री लेबल के अधिकारी खुद देखेंगे तो वह योजना धरातल पर शीघ्र दिखने लगेगी। वहीं सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों और कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर कार्य करने की अपील की। आगत अतिथियों का स्वागत अभियंता प्रमुख वरुण कुमार ने किया। इस मौके पर सभी अभियंता प्रमुख, सभी वरीय अधिकारी और कर्मी मौजूद थे।

एनटीपीसी बाढ़ में ग्रामीण बालिकाओं हेतु कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बाढ़। एनटीपीसी बाढ़ में मंदाकिनी क्लब द्वारा ग्रामीण बालिकाओं हेतु आयोजित तीन माह के कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह पहल सी. वी. एल. अनुराधा, अध्यक्षा, मंदाकिनी क्लब के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण बालिकाओं को डिजिटल शिक्षा एवं कंप्यूटर ज्ञान के माध्यम से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 18 प्रतिभागियों ने कंप्यूटर प्रशिक्षण कक्षाओं में नामांकन कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर के मूलभूत ज्ञान, एमएस ऑफिस, इंटरनेट उपयोग एवं डिजिटल कार्यप्रणाली से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मंदाकिनी क्लब की वरिष्ठ सदस्याएं, अन्य अधिकारीगण, प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षु छात्राएं उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों ने कंप्यूटर शिक्षा की शुरुआत को लेकर उत्साह व्यक्त किया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा तथा भविष्य में शिक्षा, रोजगार एवं डिजिटल सेवाओं के उपयोग में सहायता प्राप्त होगी।

बिहार में सर्व सेफ फूड परियोजना का विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नेस्ले इंडिया ने बिहार स्वास्थ्य विभाग और एनएएसवीआई के सहयोग से राज्य में सर्व सेफ फूड परियोजना का विस्तार किया है। इसके तहत पटना, गया, नालंदा, वैशाली और मुजफ्फरपुर जिलों में 1,500 से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षित विक्रेताओं की कुल संख्या 10,000 से अधिक हो जाएगी। परियोजना के तहत विक्रेताओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य प्रबंधन, वेस्ट डिस्पोजल और एंटरप्रेन्योरशिप से जुड़ा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि बिहार तेजी से विकास कर रहा है और खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता मानकों को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने इस पहल के लिए नेस्ले इंडिया और एनएएसवीआई की सराहना की। नेस्ले इंडिया में सस्टेनेबिलिटी और सामाजिक पहलों के प्रमुख कुंवर हिम्मत सिंह ने कहा कि सर्व सेफ फूड परियोजना के माध्यम से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनके कौशल और जागरूकता को मजबूत किया जा रहा है। नेस्ले इंडिया ने वर्ष 2016 में सर्व सेफ फूड परियोजना की शुरुआत की थी। अब तक इस पहल के तहत 27 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में 92,800 से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

पूर्वी चंपारण के तीन पंचायतों में लगे 'सहयोग शिविर' में ऑनस्पॉट निपटाई गए 97 प्रतिशत शिकायतें

सरकार व जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम 'सहयोग शिविर': मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/पूर्वी चंपारण। पूर्वी चंपारण जिले के महेसी प्रखण्ड अंतर्गत हरपुरनाग पंचायत, चकिया प्रखण्ड के चिंतामनपुर पंचायत तथा पिपराकोठी प्रखण्ड के वीरपुर छपरा पंचायत में बिहार सरकार द्वारा आयोजित 'सहयोग शिविर' का सफल आयोजन किया गया। इन तीनों पंचायतों में आयोजित शिविरों का उद्घाटन जनता दल (यू) विधायक दल के नेता सह बिहार के ग्रामीण विकास और सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री व पूर्वी चम्पारण जिला के प्रभारी श्रवण कुमार ने किया। बिहार सरकार द्वारा शुरू किए गए इस 'सहयोग शिविर' का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार गांव-गांव तक प्रशासन की पहुंच बनाकर आमलोगों को न्याय और सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। 'सहयोग शिविर' सरकार और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि इन शिविरों में प्राप्त आमलोगों से शिकायतों का निवारण अगले 30 दिनों के अंदर किया जाए। यदि 31वें दिन तक किसी शिकायत का समाधान नहीं होता है तो उससे संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरूद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। 'सहयोग शिविर' में राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, आवास योजना, पेयजल, सड़क, बिजली तथा स्थानीय विकास से जुड़े अनेक समस्याओं पर सुनवाई हुई। इस अवसर पर मोतिहारी नगर के विधायक प्रमोद कुमार, हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से विधायक व पूर्व मंत्री कृष्णनन्दन पासवान, पिपरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव, पूर्वी चम्पारण जदयू के जिलाध्यक्ष भरत पटेल के साथ पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक पूर्वी चम्पारण स्वर्ण प्रभात के साथ चकिया की अनुमण्डलाधिकारी शिवानी शुभम, एसडीपीओ संतोष कुमार के साथ जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्थानीय जन प्रतिनिधि भी शामिल थे।

डॉ. प्रेम कुमार ने वैश्विक ऊर्जा संकट को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ किया विचार-विमर्श

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

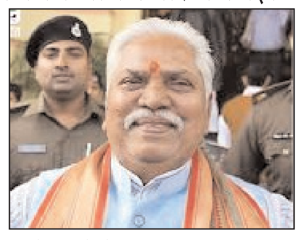

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री के पेट्रोल-डीजल के खपत को घटाने तथा सार्वजनिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की पहल को विधान सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच लागू करने के सबंध में वरीय अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रूट चिन्हित कर महिला पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पिंक बस परिचालन करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही पुरुष पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी रूट चिन्हित कर ग्रीन बस का परिचालन करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई करें। इस संबंध में प्रभारी सचिव द्वारा बिहार विधान सभा सभागार में सभी महिला पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी जिसमें महिला कर्मियों द्वारा सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने हेतु सहमति व्यक्त की गयी। सभा सचिवालय में महिला कर्मचारियों की संख्या 239 एवं पुरुष कर्मचारियों की संख्या लगभग 700 है। सर्वप्रथम महिला कर्मियों द्वारा अपने-अपने निवास स्थान से निकटतम बस स्टॉपेज की सूचना एवं रूट से सभा सचिवालय को अवगत कराया जा रहा है। सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बसों की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मंत्री परिवहन विभाग के साथ अलग से बैठक आयोजित की जायगी।

दानापुर मंडल के स्टेशनों पर चला विशेष सफाई अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगौल (पटना)। दानापुर मंडल में 15 मई से शुरू होकर 5 जून तक चलने वाले विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत दानापुर मंडल द्वारा मंडल के विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे पटना जंक्शन, दानापुर, पाटलिपुत्र जंक्शन, मोकामा एवं राजेंद्रनगर टर्मिनल पर व्यापक स्तर पर सघन सफाई एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, ट्रैक क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, सर्कुलेटिंग एरिया एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित की गई, ताकि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। सफाई अभियान के साथ-साथ यात्रियों एवं आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत जीवनशैली के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। यात्रियों को स्वच्छ परिवेश बनाए रखने, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया।

पटना जंक्शन पर एनजीओ 'पीपल्स डेस्क' द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके माध्यम से यात्रियों एवं आमजन को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों से संवाद स्थापित कर स्वच्छता के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। यात्रियों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण केवल सामूहिक सहभागिता एवं जन जागरूकता से ही संभव है। दानापुर मंडल द्वारा संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य न केवल स्टेशन परिसरों की स्वच्छता रखना है, बल्कि आमजन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी एवं जागरूकता की भावना को बढ़ावा देना भी है। मंडल स्तर पर भविष्य में भी इस प्रकार के स्वच्छता एवं जनभागीदारी आधारित जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

मंत्री श्रवण कुमार ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर जताया शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जन सम्पर्क मंत्री सह-जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने उत्तराखंड की राजनीति के सबसे सख्त, ईमानदार और अनुशासित चेहरों में शामिल रहे पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेनि) भुवनचंद्र खंडूरी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि देश ने आज एक कद्दावर नेता खो दिया है। निकट भविष्य में भारतीय राजनीति में इस खालीपन को दूर करना काफी मुश्किल होगा। देश एवं राज्य की जनता उनके निधन से काफी मर्माहत है। श्रवण कुमार ने स्व. खंडूरी की पवित्र आत्मा की शांति एवं दुःख की इस घड़ी में उनके शुभचिंतकों एवं परिवार के सदस्यों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार विमान कंपनियों को देगी अंतर निधि

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में लिया गया खास निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में नए अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर हवाई संपर्कता बढ़ाने की नीति के तहत नए अंतरराष्ट्रीय स्थानों तक नॉन स्टॉप वायु सेवा प्रदान करने के लिए निजी कंपनियों को खासतौर से बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे संबंधित एक महत्वपूर्ण एजेंडा पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया। इसके अनुसार राज्य के हवाईअड्डों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बढ़ावा देने के लिए सरकार विमान कंपनियों को अंतर निधी देगी। कैबिनेट में 12 प्रमुख एजेंडों पर मुहर लगी। इसकी जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार में नए अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर हवाई संपर्कता बढ़ाने की नीति के तहत नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए नॉन-स्टॉप वायु सेवा प्रदान करने के लिए आमंत्रित निविदा में इंडिगो एयरलाइंस से गयाजी-बैंकॉक मार्ग के लिए एकल निविदा को नामांकन के आधार पर चयन किया गया है। इसमें व्यहार्यता अंतर निधि के रूप में अधिकतम 12 महीने के लिए 10 करोड़ 40 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कंपनी जब से हवाई सेवा शुरू करेगी, तब से उसे यह लाभ मिलेगा। इसके जल्द शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि गयाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से बैंकॉक (थाईलैंड) के बीच सीधी हवाई संपर्कता स्थापित होने से बिहार में विदेशी पर्यटकों, खासकर बौद्ध पर्यटकों के आगमन की सुविधा में बढ़ोतरी होगी। थाईलैंड से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक बौद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए भारत आते हैं जिनमें बिहार के बोधगया समेत अन्य बौद्ध स्थलों का विशेष महत्व है। इस हवाई सेवा के शुरू होने से बौद्ध पर्यटन को पोत्साहन मिलेगा और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के मद्देनजर ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त हेल्थ सेक्टर ग्रांट मद में राशि की विमुक्ति के लिए बिहार आकस्मिकता निधि से 747 करोड़ 97 लाख 64 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के तौर पर विकतिस किया जाएगा। यह राशि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है जिसकी लंबाई 1839 किमी है। इसके दायरे में छह राज्य आ रहे हैं जिनमें आर्थिक एवं रोजगार क्षमता का विकास होगा। श्री चौधरी ने कहा कि राज्य की नेपाल से लगने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा को अधिक सुरक्षित करने और आसूचना तंत्र को विकसित करने के लिए विशेष शाखा के अधीन आईजी के एक नए पद का सृजन किया गया है। इससे नेपाल की सीमा पर चौकसी बरतने में काफी मदद मिलेगी। इसके अलावा अरवल और औरंगाबाद में खेल स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। अरवल जिला के करपी के मौजा झिकटिया में 6.81 एकड़ और औरंगाबाद के देव अंचल के विभिन्न मौजा में 13.09 एकड़ भूमि पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए मुफ्त जमीन ट्रांसफर की जाएगी।

29, 30 एवं 31 मई को सदाकत आश्रम में आयोजित होगा सर्वोदय संकल्प शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने आगामी 29, 30 एवं 31 मई को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित होने वाली सर्वोदय संकल्प शिविर प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु एक संचालन समिति का गठन किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन को इस समिति का संयोजक तथा अरविंद चौधरी को सह-संयोजक बनाया गया है। संचालन समिति के अन्य सदस्यों में प्रो. कुमारी अनिता, राजीव शर्मा, राजेश रंजन पप्पू, इबरार राजा, खुशबू कुमारी, ब्रह्म प्रकाश, पूनम यादव, विनय राव, नीतीश कुमार सिंह, तारक चौधरी, प्रभुनाथ राम, विश्वनाथ बैठा, सुशीला चंद्रवंशी, श्वेता राम तथा नंद किशोर यादव बनाए गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके सिद्धांतों और मूल्यों से अवगत कराना है। ज्ञातव्य है कि सर्वोदय संकल्प शिविर पहला चरण 18, 19 एवं 20 अप्रैल को सदाकत आश्रम में आयोजित किया गया था जिसमें लगभग 40 से अधिक पार्टी नेताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

एक्यूप्रेशर चिकित्सकों का महाकुम्भ 26 को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अधिवेशन भवन, पुराना सचिवालय परिसर, पटना में आगामी 26 मई को 33वां राष्ट्रीय एक्युप्रेशर/एक्युपंक्चर सम्मेलन का आयोजन बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज, इण्डियन काउन्सिल ऑफ एक्युप्रेशर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन संयोजक डा. अजय प्रकाश ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में 18 राज्यों से पांच सौ चयनित चिकित्सक भाग लेंगे तथा 6 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। एक्युप्रेशर जनक डा. चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 105वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एक्युप्रेशर पुस्तक एक्युप्रेशर डीजीज एण्ड मैनेजमेंट पुस्तक सहित आयुष्मान भवः स्मारिका का विमोचन किया जायेगा। चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हुए 16 चिकित्सकों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मेलन में बिहार प्रदेश के कई प्रमुख राजनेतागण, विधान सभा अध्यक्ष, विधान परिषद् सभापति, मंत्रीगण, शिक्षाविद्, प्रमुख चिकित्सक एवं गणमान्य व्यक्तियों ने शामिल होने की स्वीकृति दी है। सम्मेलन की अध्यक्षता एक्युप्रेशर महागुरू डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त जी करेंगे वहीं प्रमुख वक्ता में डा. एल. पी. सिंह, डा. हरेराम राय, डा. श्रीप्रकाश बरनवाल, डा. मनोज कुमार, डा. निखिल चौधरी, डा. सुरेन्द्र प्रसाद, डॉ. अनीता सिन्हा, डा. संजय कुमार, डा. शारदा सुमन, डा. मुकेश कुमार आदि रहेंगे।

अब बदलेगी बिहार की पहचान, 'ब्रांड बिहार' से निवेश और विकास को नई उड़ान

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के नेतृत्व में होगा काम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में निवेश, नवाचार व अवसरों के उभरते हुए गंतव्य को स्थापित करने के लिए बिहार सरकार ने बुधवार को 'ब्रांड बिहार' के शुरुआत की घोषणा की। यह मुख्य सचिव कोषांग के तहत स्थापित एक रणनीतिक राज्यव्यापी पहल है जो मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और श्रद्धा शर्मा के नेतृत्व में काम करेगा। इसका गठन राज्य में हो रही वास्तविक प्रगति, विकासात्मक कार्यों, संस्थागत सुधारों, उद्यमिता, नवाचार, सांस्कृतिक विरासत और नागरिकों के नेतृत्व में हो रहे बदलावों को प्रदर्शित करके राज्य के एकीकृत ब्रांडिंग, संचार (कम्युनिकेशन) और पोजिशनिंग प्रयासों को गति देने के लिए किया गया है। यह पहल विभिन्न विभागों और हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि एक साझा नैरेटिव तैयार कर यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिहार की इस बदलाव की यात्रा को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर एक व्यवस्थित, प्रामाणिक और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ब्रांड बिहार महज एक संचार पहल नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक राज्य परिवर्तन और छवि-निर्माण का प्रयास है जिसे बिहार के लिए एक साझा दृष्टिकोण में विकास, पहचान, निवेश और नागरिक भागीदारी को जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य की उपलब्धियों, अवसरों और बदलावों को प्रभावी ढंग से डॉक्युमेंट और संप्रेषित किया जाए। इससे बिहार के लिए एक मजबूत, प्रामाणिक और भविष्य के लिए नई पहचान बनाने में मदद मिल सके।

मुख्यालय हाजीपुर में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय, हाजीपुर स्थित नए सम्मेलन कक्ष में लेखा विभाग द्वारा 'वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार नीरज वर्मा, प्रधान वित्त सलाहकार/निर्माण वंदना शर्मा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, विभिन्न मंडलों एवं इकाइयों से आए वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक तथा लेखा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि 1988 बैच के सेवानिवृत्त आईआरएएस अधिकारी संतोष कुमार पट्टनायक थे। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे की वित्तीय स्थिति एवं विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक/समस्तीपुर गणनाथ झा द्वारा 'स्ट्रीमलाइनिंग ऑफ रिलिज्ड मटेरियल इश्यू' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। वहीं मंडल वित्त प्रबंधक/धनबाद हर्षवर्द्धन सिंह ने 'कोल पायलट पॉलिसी' तथा मंडल वित्त प्रबंधक/सोनपुर मनीष कुमार ने 'मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।

47 लंबित निगरानी मामलों पर राजस्व मंत्री का कड़ा निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बुधवार को विभागीय कार्यालय कक्ष में निगरानी वाद से संबंधित लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि विभाग में कुल 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई से जुड़े मामले लंबित हैं। इनमें 47 मामलों में संचालन पदाधिकारी द्वारा अब तक जवाब उपलब्ध नहीं कराया गया है जबकि 23 मामलों में जवाब विभाग को प्राप्त हो चुका है। राजस्व मंत्री ने सभी लंबित मामलों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन 47 मामलों में जवाब अप्राप्त है उनमें संबंधित संचालन पदाधिकारियों को अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि पत्र में स्पष्ट रूप से पूछा जाए कि विभागीय आदेश की अवहेलना और जवाब देने में लापरवाही के लिए उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय आदेशों की अनदेखी अनुशासनहीनता की श्रेणी में आती है और यह अंतिम अवसर दिया जा रहा है। यदि इसके बाद भी संबंधित पदाधिकारियों द्वारा लापरवाही बरती गई तो उनके विरुद्ध कार्रवाई हेतु सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र भेजा जाएगा। समीक्षा बैठक में मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि विभाग में निलंबित कर्मियों को सर्वे कार्य में लगाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मियों से कार्य भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के आदेश एवं निगरानी में कराया जाए, ताकि विभागीय कार्यों में गति बनी रहे और उपलब्ध मानव संसाधन का उपयोग प्रभावी तरीके से हो सके।

समय पर निर्धारित मात्रा में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्राथमिकता : सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार का खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग लाभार्थियों को समय से गुणवत्तापूर्ण राशन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव दीपक आनंद ने 'रबी विपणन मौसम 2026-27' अंतर्गत मसूर की खरीद और 'खरीफ विपणन मौसम 2025-26' अंतर्गत सीएमआर चावल आपूर्ति के लिए समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लाभार्थियों तक समय पर निर्धारित मात्रा में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सचिव ने सीएमआर चावल आपूर्ति की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अनुश्रवण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर हाल में 30 जून तक शत-प्रतिशत सीएमआर चावल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना एवं अंत्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों की अरवा एवं उसना चावल की वास्तविक मांग का अध्ययन कराकर 30 जून तक रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त सचिव ने 'रबी विपणन मौसम 2026-27' अंतर्गत मसूर अधिप्राप्ति अभियान की समीक्षा करते हुए मिशन मोड में खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संपादकीय

तकनीक की तरक्की और ठगी का जाल

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती।इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है।मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं।पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी।जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।पिछले कुछ समय से खासतौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं।हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ-साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

'आर्थिक स्वराज' की सिद्धि का राष्ट्र मंत्र

भारत आज विश्व की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में सम्मिलित है। उद्योगों का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, परिवहन की आवश्यकता और ऊर्जा की निरंतर बढ़ती मांग ने पेट्रोलियम पर हमारी निर्भरता को अत्यधिक बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसका अर्थ यह है कि देश की ऊर्जा व्यवस्था का बहुत बड़ा भाग विदेशी बाजारों, वैश्विक संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों की अस्थिरता पर निर्भर है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर पड़ता है। पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का व्यय बढ़ता है और अंततः महंगाई आम नागरिक तक पहुंचती है। एक प्रकार से तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धमनियों में बहने वाला रक्त है। यदि यह रक्त अत्यधिक महंगे आयात पर निर्भर रहेगा, तो आर्थिक शरीर पर दबाव स्वाभाविक है।

(प्रणय विक्रम सिंह)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोलियम और स्वर्ण की खपत को संयमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक वित्तीय स्थिरता से जुड़ा हुआ दूरदर्शी राष्ट्रीय चिंतन है।

पहली दृष्टि में यह विषय सामान्य प्रतीत हो सकता है, किंतु इसकी गहराई में उतरने पर स्पष्ट होता है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर सबसे अधिक दबाव डालने वाले दो प्रमुख आयात कच्चा तेल और स्वर्ण ही हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री का यह संदेश मात्र बचत का आग्रह नहीं, बल्कि आर्थिक स्वराज की सिद्धि का राष्ट्रमंत्र है।

भारत आज विश्व की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में सम्मिलित है। उद्योगों का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, परिवहन की आवश्यकता और ऊर्जा की निरंतर बढ़ती मांग ने पेट्रोलियम पर हमारी निर्भरता को अत्यधिक बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसका अर्थ यह है कि देश की ऊर्जा व्यवस्था का बहुत बड़ा भाग विदेशी बाजारों, वैश्विक संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों की अस्थिरता पर निर्भर है।

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर पड़ता है। पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का व्यय बढ़ता है और अंततः महंगाई आम नागरिक तक पहुंचती है। एक प्रकार से तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धमनियों में बहने वाला रक्त है। यदि यह रक्त अत्यधिक महंगे आयात पर निर्भर रहेगा, तो आर्थिक शरीर पर दबाव स्वाभाविक है।

इसी प्रकार स्वर्ण के प्रति भारतीय समाज का भावनात्मक और सांस्कृतिक आकर्षण भी हमारी वित्तीय संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता है और अपनी आवश्यकता का लगभग पूरा सोना विदेशों से आयात करता है। विवाह, परंपराएं, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा, इन सभी कारणों से भारत में सोने की मांग लगातार बनी रहती है। लेकिन इसका आर्थिक पक्ष अत्यंत गंभीर है।

जब भारत भारी मात्रा में सोना खरीदता है, तो उसके बदले विदेशी मुद्रा विशेषकर अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। यही स्थिति तेल के साथ भी है। परिणामस्वरूप देश का बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर बाहर जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा कवच की तरह होता है। यही भंडार संकट के समय आयात, अंतरराष्ट्रीय भुगतान और वित्तीय स्थिरता को संभालता है। यदि यह भंडार अत्यधिक दबाव में आए, तो रुपए की कीमत कमजोर होने लगती है, आयात महंगे हो जाते हैं और वैश्विक बाजार में देश की आर्थिक साख प्रभावित होती है।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री का यह आह्वान सिर्फ 'कम खर्च' का संदेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक अनुशासन का अभियान है। यदि भारत पेट्रोलियम की खपत और स्वर्ण के प्रति अंधाधुंध निवेश प्रवृत्ति को नियंत्रित कर सके, तो आयात बिल में भारी कमी लाई जा सकती है। आयात बिल में होने वाली इस अरबों डॉलर की बचत का उपयोग देश के आंतरिक विकास, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक सैन्य सशक्तिकरण, उन्नत शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं में किया जा सकेगा।

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को केवल युद्ध का ही नहीं, बल्कि 'संयमित कर्म' का भी उपदेश दिया था। भारतीय चिंतन में संसाधनों का अनियंत्रित उपभोग कभी आदर्श नहीं माना गया। यही कारण है कि हमारी सभ्यता ने 'यज्ञ' की अवधारणा दी, जहां व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं, बल्कि व्यापक लोककल्याण के लिए त्याग और अनुशासन अपनाता है। पेट्रोलियम, स्वर्ण और विदेशी मुद्रा संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान भी उसी 'राष्ट्रयज्ञ' का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सजग भागीदारी आवश्यक है।

भारतीय समाज में सोने को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है, किंतु आर्थिक दृष्टिकोण से तिजोरियों और लॉकरों में बंद यह सोना एक 'डेड इन्वेस्टमेंट' (निष्क्रिय निवेश) है, जो देश के आर्थिक चक्र में कोई योगदान नहीं देता। यहीं भारतीय निवेश प्रवृत्ति पर पुनर्विचार की आवश्यकता सामने आती है। यदि देश का नागरिक सोने के भौतिक उपभोग को कम करे या इसके विकल्प के रूप में सरकार के 'सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड' जैसे डिजिटल साधनों को अपनाए, तो वह पैसा देश के बैंकिंग सिस्टम और विकास कार्यों में लगा रहेगा। यह दृष्टि भारत को निष्क्रिय संचय से उत्पादक निवेश की दिशा में ले जाने का प्रयास है।

'देखो अपना देश' और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने का आग्रह भी इसी व्यापक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है। हर वर्ष करोड़ों भारतीय विदेश यात्राओं पर विशाल मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करते हैं। यदि उसी खर्च का एक बड़ा भाग भारत के पर्यटन स्थलों काशी, अयोध्या, केदारनाथ, लक्षद्वीप, अंडमान, पूर्वोत्तर, राजस्थान, कच्छ, केरला या हिमालयी क्षेत्रों पर हो, तो उसका सीधा लाभ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा।

घरेलू पर्यटन महज यात्रा नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का जीवन-तंत्र है। इससे होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, रेस्तरां, गाइड, टैक्सी चालक और छोटे व्यापारी सभी सशक्त होते हैं। एक पर्यटक केवल पैसा खर्च नहीं करता, वह स्थानीय रोजगार को गति देता है। इस दृष्टि से यह आह्वान 'देश का पैसा देश में' रखने का आर्थिक मंत्र भी है।

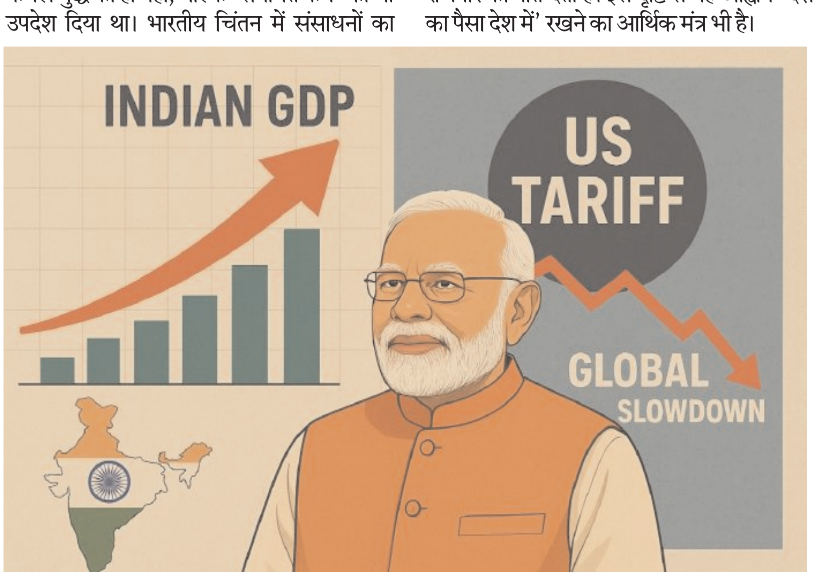

भारत के इतिहास में ऐसे राष्ट्रीय आह्वानों की एक गौरवपूर्ण परंपरा रही है। जब-जब देश चुनौतियों से घिरा, तब-तब नेतृत्व ने केवल शासनादेश नहीं दिए, बल्कि जनचेतना को जगाने का प्रयास किया। लाल बहादुर शास्त्री का वह ऐतिहासिक आह्वान आज भी स्मरणीय है, जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था और उन्होंने राष्ट्रहित में सप्ताह में एक दिन उपवास रखने का आग्रह किया था। वह केवल भोजन बचाने की अपील नहीं थी, वह आत्मसंयम, अनुशासन और राष्ट्र के लिए व्यक्तिगत सुविधा का त्याग करने की भारतीय परंपरा का जागरण था। देशवासियों ने भी उसे आदेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकार किया। घरों में चूल्हे कम जले, होटलों ने भोजन परोसना बंद किया और समाज ने यह सिद्ध किया कि भारत केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलता है।

इसी प्रकार समय-समय पर देश के नेतृत्व ने स्वदेशी, बचत, आत्मनिर्भरता और उत्पादन बढ़ाने जैसे आह्वानों के माध्यम से जनता को राष्ट्रनिर्माण में सहभागी बनाया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश उसी राष्ट्रीय परंपरा का आधुनिक विस्तार है। अंतर केवल परिस्थितियों का है, तब चुनौती खाद्यान्न की थी, आज चुनौती ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की है। किंतु दोनों के मूल में 'राष्ट्र प्रथम' का ही भाव है।

भारतीय राष्ट्रचिंतन में आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता की यह परंपरा केवल राजनीतिक नीतियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसे सभ्यतागत दृष्टि के रूप में देखा गया।

महात्मा गांधी ने स्वराज को केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के रूप में नहीं देखा था। उनके चिंतन में स्वराज, ग्राम स्वराज और आर्थिक स्वराज एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए थे। उनका मानना था कि जब गांव आत्मनिर्भर होंगे, स्थानीय उत्पादन सशक्त होगा, संसाधनों का संयमित उपयोग होगा और राष्ट्र आर्थिक रूप से बाहरी निर्भरता से मुक्त होगा, तभी वास्तविक स्वराज की स्थापना संभव होगी।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत, 'वोकल फॉर लोकल', स्थानीय पर्यटन, ऊर्जा संरक्षण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से उसी आर्थिक स्वराज की आधुनिक अवधारणा को मूर्त रूप दे रहे हैं। वे केवल नीतियों के निर्माता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत में आर्थिक स्वराज के शिल्पकार हैं। वास्तव में पूर्ण स्वराज का रास्ता आर्थिक स्वराज और ग्राम स्वराज से होकर ही निकलता है।

इसके अतिरिक्त यह पहल भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता से भी जुड़ी हुई है। ऊर्जा और विदेशी मुद्रा पर अत्यधिक बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र को वैश्विक दबावों के प्रति संवेदनशील बना देती है। यदि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, युद्ध, प्रतिबंध या आर्थिक संकट उत्पन्न होते हैं, तो तेल और डॉलर पर निर्भर राष्ट्रों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता और विदेशी मुद्रा संरक्षण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय भी है।

प्रधानमंत्री की यह सोच उसी व्यापक 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टि का हिस्सा है, जिसमें भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बनकर उभरे। यह आह्वान भारतीयों को यह समझाने का प्रयास भी है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों से नहीं होता, नागरिकों की जीवनशैली, उपभोग की आदतें और आर्थिक अनुशासन भी उसमें समान रूप से भागीदार होते हैं। यदि देश का नागरिक अनावश्यक ईंधन की खपत कम करे, स्थानीय उत्पादों को अपनाए, विवेकपूर्ण निवेश करे और भारत के भीतर पर्यटन को बढ़ावा दे, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रहित का सक्रिय योगदान बन जाएगा।

वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश अर्थव्यवस्था के माध्यम से राष्ट्रशक्ति को सुदृढ़ करने का आह्वान है। यह भारत को भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों, वैश्विक आर्थिक अस्थिरताओं और विदेशी निर्भरता से मुक्त कर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और स्थायी आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में उठाया गया दूरदर्शी कदम है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

'अच्छे दिन' से 'संकट की घड़ी' तक? अब जनता से संयम की अपेक्षा

(तवलीन सिंह)

भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा।

काश चुनावों का मौसम थोड़ा और लंबा होता। उसके खत्म होते ही प्रधानमंत्री ने चेताया हमको कि अच्छे दिन अभी रूई की बत्ती की तरह उड़ गए हैं और बुरे दिनों की तैयारी हम सबको करनी होगी। एक साल तक रहेंगे मायूसी और तंगी भरे ये दिन, जिनमें न हम किसी खुशी के मौके पर सोना खरीद सकेंगे, न विदेश यात्राएं कर सकेंगे, न कोई दूसरे तरीके से विदेशी मुद्रा इस्तेमाल कर सकेंगे। ऊपर से आग्रह यह भी किया प्रधानमंत्री ने कि जहां तक हो सके, हम घर से काम करने का प्रयास करें और अगर बाहर जाना ही है कहीं, तो निजी गाड़ियों के बदले बस, टैक्सी या मेट्रो से जाएं। निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करना ही है, तो 'कारपूलिंग' करें। यह सुझाव हैं मध्यवर्ग लोगों के लिए। गरीब किसानों के लिए सुझाव यह था प्रधानमंत्री का कि कीमती खाद, जिसका आयात विदेशों से होता है, उसको त्याग कर खेती पुराने तरीकों से करना शुरू करें। जिस तरह विदेश से आयात की हुई महंगी रासायनिक खाद के आने से पहले होती थी। प्रधानमंत्री शायद भूल गए यह सुझाव देते हुए कि वह ऐसा दौर था, जब भारतीय किसानों का उत्पाद इतना थोड़ा था कि हमको विदेशों से अनाज मंगवाना पड़ता था। मेरी उमर के लोग भूले नहीं हैं वह दौर जब समंदर के रास्ते आता था गेहूं और धान।

प्रधानमंत्री शायद यह भी भूल गए थे कि श्रीलंका में जब राजपक्षे बंधु राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने किसानों को यही सुझाव दिया था और परिणाम यह हुआ कि अनाज के दाम इतने बढ़ गए थे कि क्रांति पर उतर आए थे श्रीलंका के लोग। याद कीजिए वे नजारे, जिनमें आम लोगों ने राष्ट्रपति के महल में घुस कर तोड़फोड़ और लूटपाट की थी। यह वर्ष 2022 की बात है सो शायद आपको भी याद होगा कि राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़ कर भागना पड़ा था। विनम्रता से प्रधानमंत्री से आग्रह करती हूं कि यह वाला सुझाव वापस ले लें।

सुझाव मेरी तरफ से और भी हैं, बिल्कुल वैसे जैसे प्रधानमंत्री ने अपने काफिले की गाड़ियां कम करने का फैसला किया है। उनको अब अपने मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को भी आदेश देना चाहिए कि पेट्रोल-डीजल की किल्लत इतनी है अब कि उनको कोशिश करनी चाहिए कि अपने काफिले को बंद कर एक ही गाड़ी में अपने सुरक्षा कर्मियों को बिठा कर सफर करें। भारत में बड़े काफिलों की आदत डाल रखी है हमारे राजनेताओं ने, लेकिन ऐसा विकसित पश्चिमी देशों में नहीं होता है। अक्सर वहां के राजनेता जब अपने घर से दफ्तर जाते हैं, तो उनकी एक गाड़ी होती है, दस नहीं। कई देशों में तो प्रधानमंत्री मेट्रो से जाते हैं। संकट की घड़ी में नेतृत्व की सख्त जरूरत होती है, तो प्रधानमंत्री आप दिखाइए कि सरकारी खर्चा आप कितना कम कर सकते हैं।

मैंने पहले भी कहा है बहुत बार कि विकसित लोकतांत्रिक देशों में जन प्रतिनिधियों को सरकारी कोठियां नहीं मिलती हैं। अपनी तनख्वाह से ढूंढ़ते हैं अपने लिए किराए के आवास। अपनी तनख्वाह से खर्च करते हैं पैसे गैस, फोन, पानी और बिजली पर। ऐसा हमारे देश में इसलिए नहीं हुआ है, क्योंकि नेहरूजी बहुत प्रभावित थे सोवियत संघ से, सो उसकी नकल करने का फैसला किया उन्होंने। रूस और चीन जैसे तानाशाह कम्युनिस्ट देशों में होता यह है कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहते हैं असली महलों में, जहां पहले रहते थे बादशाह और राजा। जबकि जनता को रहना पड़ता है झुग्गी बस्तियों में।

जब लोकतंत्र नहीं होता है, तो सवाल करने वाले भी नहीं होते हैं। भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा। आप कर सकते हैं क्या?

संकट की घड़ी में साहस दिखाने की जरूरत है। संकट अभी शुरू ही हुआ है। आगे-आगे देखते रहिए होगा क्या। डोनाल्ड ट्रंप चीन गए शी जिनपिंग से मिलने, लेकिन जाने से पहले उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध के बारे में वे बात नहीं करना चाहते हैं शी से बावजूद इसके कि इस युद्ध को रोक सकता है कोई तो सिर्फ चीन। सो युद्ध लंबा चलने वाला है। इसका सबसे अधिक नुकसान होने वाला है भारत जैसे देशों में जो पूरी तरह तेल के लिए निर्भर हैं विदेश से आयात पर। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर मंदी छाने के आसार दिख रहे हैं, लेकिन इस मंदी का असली नुकसान हमको देखना पड़ेगा अपने देश में।

प्रधानमंत्री मोदी खुद निकले हुए हैं विदेशी दौरे पर जिसकी योजना शायद बहुत पहले बनाई गई थी, लेकिन वे जानते हैं अच्छी तरह कि उनके मंत्रियों के बच्चे पढ़ते हैं अमेरिका और यूरोप में और गर्मियों के मौसम में मंत्रियों की एक पूरी टोली निकल पड़ती है इन देशों की तरफ। जाते हैं सरकारी काम का बहाना करके, लेकिन असली मकसद है अपने बच्चों से मिलना और उनके साथ सैर-सपाटा करना। अनुमान लगाया जाता है कि मोदी के मंत्रिमंडल में कोई बीस मंत्री ऐसे हैं जिनके बच्चे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। अपनी तरफ से यह कहना चाहती हूं कि मेरी जानकारी में शायद एक भी बड़ा राजनेता या आला अधिकारी नहीं है, जिनके बच्चे किसी महंगे विदेशी कालेज में दाखिल न हुए हों। इनके पास पैसे कहां से आते हैं अपने बच्चों को इतनी महंगी शिक्षा दिलाने के लिए, मैं नहीं जानती।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ।

(ललित गर्ग)

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में जी-2 यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उद्योग विभाग की योजनाओं के लंबित आवेदनों के निष्पादन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत विभिन्न बैंक शाखाओं में लंबित आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-क & क्क एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक आवेदन सृजित कर ऋण स्वीकृति एवं भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में तृतीय किस्त प्राप्त 33 लाभुकों के अंतर्गत लाभान्वित दो उद्यमियों की सफलता की कहानियों को फोटो सहित संकलित कर यथा शीघ्र बुकलेट के रूप में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के ऐसे लाभुकों की सूची कारण सहित उपलब्ध कराने को कहा, जिन्हें प्रथम एवं द्वितीय किस्त प्राप्त होने के बावजूद तृतीय किस्त की राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। बैठक में बताया गया कि रेडिमेड गारमेंट्स क्षेत्र में अररिया जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है। जिला पदाधिकारी ने इसके पीछे के कारणों का अध्ययन कर इस क्षेत्र को और बेहतर बनाने हेतु विस्तृत प्रतिवेदन तीन सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने योजना के अंतर्गत आच्छादित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा जूट से बिना रेसे बनाए क्या-क्या उपयोग में लाया जा सकता है, इससे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिस प्रकार जीविका में जीविका दिदिया होती है, उसी प्रकार उद्योग विभाग से बिहार लघु उद्यमी योजना अन्तर्गत लाभ प्राप्त पुरुष लाभुकों को लखपति भईया भी बोल-चाल की भाषा में उपयोग में लाया जा सकता है। इससे आम लोगों में काफी जागरुकता आएगी। उन्होंने नवोदित उद्यमियों को उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में अग्रणी बैंक प्रबंधक को मुद्रा योजना के लाभुकों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वहीं जिला कृषि पदाधिकारी को जूट उत्पादन एवं उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फारबिसगंज स्थित जूट कॉरपोरेशन आफ इंडिया से समन्वय स्थापित कर जिला पदाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया। परियोजना प्रबंधक, जीविका को निर्देशित किया गया कि उत्कृष्ट कार्य कर रही जीविका दीदियों को उद्योग विभाग से समन्वय कर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का लाभ दिलाया जाए तथा जूट आधारित उत्पादों के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र अररिया, अग्रणी बैंक प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, वरीय उप समाहर्ता बैंकिंग, जिला कृषि पदाधिकारी तथा परियोजना प्रबंधक जीविका उपस्थित थे।

बकरीद पर क्यों दी जाती है कुर्बानी ? जानिए हजरत इब्राहिम (अ.स.) की अजीम दास्तान : सैय्यद सगीर हैदर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम (अलैहिस्सलाम) के सब्र, इबादत और अल्लाह की राह में दी गई अजीम कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। यह सिर्फ एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि अल्लाह के हुक्म के आगे पूरी तरह सर झुका देने और अपनी सबसे प्यारी चीज तक कुर्बान कर देने के जज्बे का पैगाम देता है। इस्लामी रिवायत के मुताबिक, अल्लाह तआला ने हजरत इब्राहिम (अ.स.) को ख्वाब में दिखाया कि वह अपने सबसे प्यारे बेटे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) को अल्लाह की राह में कुर्बान कर रहे हैं। चूंकि नबियों का ख्वाब अल्लाह का हुक्म माना जाता है, इसलिए हजरत इब्राहिम (अ.स.) ने इस हुक्म को पूरा करने का फैसला किया। जब उन्होंने अपने बेटे हजरत इस्माइल (अ.स.) को इस बारे में बताया, तो उन्होंने बड़े सब्र और खुशी के साथ कहा- "अब्बा जान ! आपको जो हुक्म मिला है, उसे पूरा कीजिए। इंशाअल्लाह, आप मुझे सब्र करने वालों में पाएंगे।" इसके बाद हजरत इब्राहिम (अ.स.) अपने बेटे की कुर्बानी देने के लिए तैयार हो गए। कहते हैं कि उन्होंने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली ताकि बाप का प्यार उन्हें रोक न सके। लेकिन जैसे ही उन्होंने छुरी चलाई, अल्लाह तआला ने उनकी इस सच्ची नीयत, ईमान और कुबार्नी के जज्बे को कबूल फरमाया। हजरत इस्माइल (अ.स.) की जगह एक दुम्बा भेज दिया गया और वह सही-सलामत रहे। इस तरह हजरत इब्राहिम (अ.स.) अल्लाह के इस बड़े इम्तिहान में कामयाब हुए, तभी से मुसलमान बकरीद के मौके पर जानवरों की कुर्बानी पेश करते हैं। कुर्बानी का मकसद सिर्फ जानवर जबह करना नहीं, बल्कि इंसान के दिल में अल्लाह के लिए मोहब्बत, तकुवा और फर्माबरदारी पैदा करना है।

कुरान शरीफ में साफ कहा गया है कि अल्लाह तक न जानवर का गोश्त पहुंचता है और न खून, बल्कि इंसान की नेक नीयत और तकवा पहुंचता है। गोश्त के तीन हिस्से करने की हिदायत इस्लाम में कुर्बानी के गोश्त को तीन बराबर हिस्सों में बांटने की ताकीद की गई है- पहला हिस्सा गरीबों, मोहताजों और यतीमों के लिए दूसरा हिस्सा रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों के लिए तीसरा हिस्सा अपने घर और परिवार के लिए। बकरीद ईसानियत, बराबरी, मदद और भाईचारे का पैगाम देता है। इसे आपसी सद्भाव से मनाया जाना चाहिए। मिली जानकारी अनुसार ईद के बाद मुसलमानों का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार ईद उल अजहा (बकरीद पर्व) मनाया जाता है। आगामी 27 मई को बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। इस्लामी कैलेंडर के 12 वें महीने जिलहिज्जा की दसवीं तारीख को मनाया जाने वाला यह पर्व तीन दिनों का होता है। ईद की ही भांति इस पर्व में ईदगाह समेत मस्जिदों में नमाज अदा की जाती है और लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी मंत्री ने किया पौधारोपण

अररिया (नबिटासं)। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार के मंत्री सह अररिया जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद द्वारा जिला अतिथि गृह अररिया के प्रांगण में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी आवश्यक है। मंत्री महोदय ने जिले में आयोजित सहयोग शिविर के सफल संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं, जिनके निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि जनता को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। सहयोग शिविर इसी उद्देश्य को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। माननीय मंत्री ने आम लोगों से अपील की कि वे सहयोग पोर्टल अथवा सहयोग शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों को प्रशासन के समक्ष रखें तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जनता की सक्रिय भागीदारी से ही सुशासन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर माननीय जनप्रतिनिधि एवं संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ लेने वालों के केवाईसी एवं रजिस्ट्रेशन का जिला पदाधिकारी ने लिया जायजा

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभ लेने वाले लाभूकों के केवाईसी एवं रजिस्ट्रेशन को लेकर चल रहे शिविरों का जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने जायजा लिया। उन्होंने बुधवार को विभिन्न पंचायत भवन में लगे शिविर में पहुंच कर कार्यों का निरीक्षण किया और उपस्थित कर्मियों एवं पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान डीएम मनसाही भी पहुंचे और कुरेठा पंचायत भवन में चल रहे शिविर का निरीक्षण करते हुए उपस्थित किसानों से पूछताछ किया और उनकी दिक्कतों से भी अवगत हुए। डीएम ने बहाने छोड़ पदाधिकारियों एवं कर्मियों को तय समय के अंदर रजिस्ट्रेशन एवं केवाईसी के कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उधर डीएम के आने की खबर मिलते ही कई फरयादी भी पंचायत भवन पहुंचने लगे। डीएम के साथ कई विभागों के पदाधिकारी भी साथ चल रहे थे। इस दौरान डीडीसी अमित कुमार,बीडीओ सुमन कुमारी, अंचलाधिकारी मो. इस्माइल, पंचायत के मुखिया अवधेश कुमार यादव, पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी आदि उपस्थित रहे ।

वाहन चेकिंग में युवक गिरफ्तार

कोढा/कटिहार (नबिटासं)। वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में पुलिस ने एक युवक को अवैध विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कोढ़ा थाना पुलिस द्वारा नियमित गश्ती के दौरान की गई। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान जुराबगंज वार्ड संख्या-01 निवासी साजन यादव को संदेह के आधार पर रोका गया। युवक मोटरसाइकिल पर सवार था। पुलिस को उसके हाव-भाव संदिग्ध लगे। जिसके बाद उसकी मोटरसाइकिल की डिक्की की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में पुलिस ने डिक्की से कुल 3 लीटर विदेशी शराब बरामद किया। शराब की बरामदगी के बाद पुलिस ने मौके पर ही युवक को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही जिस मोटरसाइकिल से शराब की तस्करी की जा रही थी उसे भी विधिवत जब्त कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद शराब अवैध रूप से लाई जा रही थी और इसे क्षेत्र में खपाने की आशंका जताई जा रही है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी मिल सके। इस कार्रवाई में कोढ़ा थानाध्यक्ष पंकज आनंद, अपर थानाध्यक्ष कुणाल कुमार, एसआई रोहित कुमार एवं एसआई गोपाल कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम की सतर्कता और तत्परता से यह कार्रवाई सफल हो पाई।कोढ़ा थाना पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पत्रकार के घर पहुंचे सांसद पप्पू यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के कोलासी निवासी पत्रकार मनीष सिंह के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए पूर्णिया सांसद राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव उनके आवास पहुंचे। इस दौरान सांसद ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया तथा घटना की विस्तृत जानकारी ली। उनके साथ कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समर्थक भी मौजूद थे।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।इसी दौरान स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने सांसद के समक्ष कोलासी-मधुरा ग्रामीण सड़क पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं की समस्या को भी उठाया। लोगों ने बताया कि दिन के समय कटिहार बाजार में नो एंट्री लागू रहने के कारण भारी वाहनों का आवागमन अब कोलासी-मधुरा ग्रामीण सड़क से होने लगा है। यह सड़क ग्रामीण क्षेत्र की होने के बावजूद बड़े वाहनों के दबाव से दुर्घटनाओं का केंद्र बनती जा रही है। अब तक कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।समस्या की गंभीरता को देखते हुए सांसद पप्पू यादव ने तत्काल कटिहार जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने डीएम से ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द ठोस समाधान निकालने का आग्रह किया। सांसद ने कहा कि ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों के अनियंत्रित परिचालन से आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है और प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए।सांसद के आश्वासन के बाद स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

गोलियों की गूंज से दहशत घरों की खिड़कियां टूटीं...

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के सहायक थाना क्षेत्र के महिपाल नगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अचानक गोलियों की आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा। एक-दो नहीं बल्कि करीब दर्जन भर गोलियां चलने की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकल आए। कई परिवारों ने दहशत में दरवाजे बंद कर लिए जबकि बच्चे और महिलाएं सहम गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक गोलियां इतनी तेज रफ्तार से आईं कि कई घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गई। कुछ कार के शीशों में भी दरार आ गई। वहीं कई दीवारों पर गोली लगने के निशान दिखाई दिए। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि महिपाल नगर का यह इलाका बीएमपी-7 के फायरिंग रेंज के बेहद करीब है। आशंका जताई जा रही है कि पुलिस की फायरिंग प्रैक्टिस के दौरान कुछ गोलियां छिटक कर रिहायशी इलाके तक पहुंच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को खबर दी। इसके बाद एसपी शिखर चौधरी खुद मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके का निरीक्षण किया। उन्होंने टूटे शीशों और दीवारों पर पड़े निशानों को देखा और लोगों से जानकारी ली। लोगों ने दर्जनों गोली के खोखे पुलिस को दिए।

उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डंडखोरा में हुआ विद्यालय प्रबंध समिति का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। विद्यालय के सफल संचालन को लेकर पदेन अध्यक्ष सह विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी ने उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय डंडखोरा तथा द्वाशय में विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया।उउमावि डंडखोरा पहुंचने पर विद्यालय परिवार द्वारा विधायक का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय के संगीत शिक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में छात्राओं ने स्वागत गान गाये तो वहीं प्रधानाध्यापिका विशाखा कुमारी ने विधायक सहित अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर स्वागत किया।सर्वप्रथम विधायक ने विद्यालय के पठन-पाठन की स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, छात्र-छात्राओं के नामांकन,गत परीक्षा के परिणाम,वर्ग कक्ष, पेयजल,शौचालय आदि की विस्तार से समीक्षा की।वहीं उन्होंने प्रधानाध्यापक,उपस्थित अभिभावकों एवं समाजसेवियों से सलाह मशविरा कर सर्व सम्मति से विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया।जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी डंडखोरा,वरीय शिक्षक कृष्णदेव मंडल,पत्रकार सूरज गुप्ता, सावित्री देवी तथा सोनिया टुड्डू को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। जबकि स्थानीय विधायक पदेन अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक पदेन सदस्य सचिव होते हैं।सदस्य सचिव ने बताया कि उच्च विद्यालय को भूमि और भवन नहीं है।वर्तमान में यह मध्य विद्यालय दुर्गास्थान में संचालित हो रहा है।उन्होंने विद्यालय में विषयवार शिक्षक, वर्ग कक्ष,शौचालय सहित उपस्करों की भारी कमी को चिह्नित कर विधायक से समाधान कराने की दिशा में प्रयास करने की मांग की।उन्होंने कहा कि विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षक दक्ष और समर्पित हैं।जिसे परीक्षा परिणाम से आंका जा सकता है।वहीं विधायक सह विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री गोस्वामी ने कहा राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर एनडीए सरकार लगातार प्रयत्नशील है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दृढ इच्छा शक्ति के कारण हींआज पंचायतों में इंटर एवं प्रखंड स्तर पर स्नातक की पढाई सुलभ हुई है।उनके सपनों को साकार करने की दिशा में वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी प्रयत्नशील हैं।

मनरेगा मजदूरों ने किया मनरेगा वापिस बहाल करने के लिए प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। मनरेगा को वापिस बहाल करने एवं 700 रु मजदूरी करने की मांग को लेकर आज अररिया के दर्जनों पंचायतों में मजदूरों ने पंचायतों में प्रदर्शन किया और इस बाबत राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। मजदूरों की मांग थी मनरेगा को जल्द से जल्द वापिस बहाल किया जाय क्योंकि उसकी जगह लाए गए कानून वी. बी.ग्राम. जी एक बहुत कमजोर कानून है जिसमें केंद्र सरकार ने बस यह गारंटी किया है कि साल में दो महीना काम बंद रहेगा। इसके अलावा इस योजना का 40% वित्तीय भार राज्य सरकारों पर डाल दिया गया है जिसके कारण बिहार जैसे गरीब राज्यों को योजना चलाने में भारी दिक्कत होगी और लोगों को काम नहीं मिलेगा। प्रदर्शन में आमगाछी (सिकटी), भागपुरैनी (अररिया), शरणपुर (अररिया), हलगलिया (फारबिसगंज), खरहट (रानीगंज), चहटपुर (पलासी) सहित दर्जनों पंचायतों में मजदूरों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी तैयार किया। प्रदर्शन में सुनील कुमार, पवन कुमार, कृष्ण कुमार सिंह, महानंद ऋषिदेव, ब्रह्मानंद ऋषिदेव ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अपहृत नाबालिग लड़की को पुलिस ने किया बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी पुलिस ने नगर क्षेत्र से अपहृत नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया है । थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने बताया कि विगत दिन 14 वर्षीय नाबालिग लड़की अपने घर से लापता हो गई थी। परिजनो के आवेदन पर थाना कांड दर्ज करते हुए अपहृत लड़की को एक नाबालिग लड़का के साथ बरामद कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि लड़का लड़की दोनो नाबालिग है तथा दोनो अलग अलग समुदाय के हैं। नाबालिग लड़का अमदाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। पुछताछ में नाबालिग लड़की लड़का ने पुलिस को बताया कि दोनो को फेस बुक पर प्यार हो गया था ।

रामपुर और भटवारा के आदिवासी गांवों में पैदल मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। बुधवार को जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के तहत आयोजित जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहलेह्न अभियान के तहत रामपुर पंचायत के आदिवासी बहुल गांव हरपुर और भटवारा पंचायत के आदिवासी बहुल गांव नारायणपुर में पैदल मार्च का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी परिवारों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उनकी भागीदारी बढ़ाना है। पैदल मार्च में अंचल अधिकारी कोढ़ा संजीव कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी रूपेश कुमार साथ ही विकास मित्र, आवास सहायक, स्वच्छता पर्यवेक्षक, लाईनमैन, रोजगार सेवक, राजस्व कर्मचारी एवं अन्य कर्मयोगी शामिल हुये।आदिवासी समाज के लोग भी इस अभियान में बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मार्च के दौरान कर्मयोगियों ने गांव-गांव जाकर लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार योजनाओं और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही लोगों से उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना गया। जिससे सरकार की योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। अंचल अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आदिवासी परिवारों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी को सबसे पहले और सबसे दूर तक पहुंचाना है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के आनंद भवन में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सदर प्रखंड अध्यक्ष चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें सुबोध कुशवाहा को प्रखंड अध्यक्ष के रुप में निर्विरोध चुना गया। निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा सभी से पूछा गया कौन कौन नॉमिनेशन करना चाहते है। यदि करना चाहते हैं तो नॉमिनेशन फार्म भर सकते है। सभी ने सुबोध कुशवाहा को निर्विरोध चुनने का सहमति दिया। फिर सुबोध कुशवाहा नॉमिनेशन फार्म भरा। जिसका प्रस्तावक पुतुल देवी एवं सहमति अमन कुमार ने दिया।चुनाव के बाद जिला संयोजक एवं निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उन्हें प्रखंड अध्यक्ष का सर्टिफिकेट दिया गया एवं कार्यकताओं ने माला एवं बुके देकर स्वागत किया। जिला संयोजक उमाकांत आनंद ने कहा सुबोध कुशवाहा पहले भी कटिहार प्रखंड के अध्यक्ष रहे हैं । फिर बने हैं।इसके नेतृत्व में कटिहार प्रखंड काफी मजबूत होगा। उन्होंने कहा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के प्रति आस्था रखते हुए आज दर्जनों साथी ने सहदेव कुशवाहा के नेतृत्व में पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया।जिन्हें माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया गया। बैठक में कटिहार प्रखंड के सभी पंचायत अध्यक्ष सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।उक्त बैठक में मुख्य रूप से जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह,जिला संयोजक उमाकांत आनंद,प्रखंड निर्वाचन प्रवेक्षक पिंकू कुमार उपस्थित थे।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी दयानंद कुशवाहा ने की।

केमिस्ट एसोसिएशन के आहवान पर 2500 दवा दुकानदार हड़ताल पर रहे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । पुरे देश सहित कटिहार जिला में भी केमिस्ट एसोशिएसन के आहवान पर बुधवार को सभी 2500 दवा दुकान एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। हालांकि आकस्मिक सेवा के लिए कुछ दुकान को खोला गया।जिला संगठन के संयोजक शंकर गुप्ता ने बताया कि ई-फामेर्सी के विरोध में देशव्यापी एक दिवसीय हड़ताल पर हमलोग हैं।

हमारी मुख्य मांगें आनलाइन दवाई का बिक्री बंद हो इससे नकली दवा तथा नार्कोटिक्स नशीली दवा का उपयोग बढ़ गया है। जिससे नई पीढ़ी नशा के गिरफ्त में जा रहा है। सरकार को निवेदन के साथ चेतावनी भी दिया जा रहा है कि यदि मांगों पर विचार नहीं किया गया तो हम सभी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे और उसका जवाबदेही सरकार की होगी।धरना प्रदर्शन में जिले के बहुत सारे दुकानदारों ने भाग लिया। जिसमें जिला सचिव पंकज कुमार साह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रशांत कुमार, अध्यक्षा मधु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष किशोर कुमार, उपाध्यक्ष हाजी हसन टिंकू, संगठन सचिव मोहम्मद सलाउद्दीन,पुर्व अध्यक्ष गोपी तंम्बाकूवाला, पुर्व सचिव बीरेंद्र कुमार उपाध्याय, हेमको के डॉ. प्रेसेनजीत चौधुरी ऊर्फ बच्चु दा, शमीम अनवर, विजय भगत, सच्चितानंद महतो, संजय चौधरी, मणी झा वरुण कुमार मौजूद रहे।

● बैंक ने कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन घर से काम करने की अनुमति दी

जोहो वाले श्रीधर वेम्बू ने वर्क फ्रॉम होम से किया किनारा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल और डीजल बचाने के लिए कंपनियों से वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने की अपील की थी। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने कुछ कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन घर से काम करने की अनुमति दे दी है। बैंक का कहना है कि यह व्यवस्था 30 दिन के लिए लागू की गई है और उसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। बैंक ने बिजनेस एनेबलिंग फंक्शंस और कॉरपोरेट एनेबलिंग फंक्शंस से जुड़े कर्मचारियों को यह सुविधा दी है। बैंक का कहना है कि उसकी सभी ब्रांच और कस्टमर फेसिंग टचपॉइंट्स पर पहले की तरह काम होता रहेगा।

बिजनेस एनेबलिंग फंक्शंस में ट्रेजरी ऑपरेशंस, क्रेडिट अंडरराइटिंग एंड रिस्क, ट्रांजैक्शन बुकिंग, डिजिटल बैंकिंग और आईटी सर्विसेज शामिल होते हैं। कॉरपोरेट एनेबलिंग फंक्शंस में ह्यूमैन रिसोर्सेज, फाइनेंस एंड अकाउंट्स, लीगल एंड कंप्लायंसेज और सेक्रेटेरियल और बोर्ड फंक्शंस शामिल होते हैं। पूरे देश में एचडीएफसी बैंक के 2,00,000 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि तेल बचाने के लिए कंपनी इलेक्ट्रिक बस और इलेक्ट्रिक कुकिंग पर विचार कर रही है। कंपनी ने पहले ही सोलर पर काफी निवेश किया है।

मोदी की अपील

पीएम मोदी की अपील के बाद निजी सेक्टर के कई बैंकों ने हाइब्रिड मॉडल अपनाया है। हाल में इंडसइंड बैंक ने अपने कुछ कर्मचारियों के लिए हाइब्रिड मॉडल की घोषणा की थी। एक्सिस बैंक में तो 2021 से ही नॉन–कस्टमर–फेसिंग रोल्स के लिए हाइब्रिड मॉडल लागू है। इसके तहत कर्मचारियों को हफ्ते में दो ही दिन ऑफिस आना पड़ता है। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में करीब 50 प्रतिशत तेजी आई है। इससे देश का आयात बिल बढ़ गया है। इससे सरकारी तेल कंपनियों को काफी नुकसान हो रहा है। हाल में सरकार ने दो किस्तों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में करीब 4 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है।

जोहो का इनकार

इस बीच चेन्नई की ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी जोहो कॉर्पोरेशन के फाउंडर और सीईओ श्रीधर वेम्बू ने साफ किया है कि उनकी कंपनी की अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम देने की योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने हाल में अपनी वर्क फ्रॉम होम पॉलिसी की आंतरिक समीक्षा की थी और वह इस नतीजे पर पहुंची कि खासकर रिसर्च एंड एनालिसिस में आमने–सामने बैठकर काम करने से बेहतर नतीजे मिलते हैं।

2.41 लाख करोड़ रूपये की मार, ईरान युद्ध ने बिगाड़ा दुनिया भर की कंपनियों का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब दुनिया भर की कंपनियों पर साफ दिखने लगा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, ठप पड़े व्यापारिक मार्गों और ऊंचे परिचालन खर्च (ऑपरेटिंग कॉस्ट) के कारण वैश्विक कंपनियों को अब तक कम से कम 25 अरब डॉलर (करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये) का भारी वित्तीय नुकसान हो चुका है। रॉयटर्स के अनुसार अमेरिका, यूरोप और एशिया की प्रमुख लिस्टेड कंपनियों के बयानों से साफ है कि हर सेक्टर की कंपनियों को इस जंग के आर्थिक दुष्परिणाम झेलने पड़े हैं।

इस भारी नुकसान का सबसे बड़ा कारण ईरान की ओर से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी रूट होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी है। इस रास्ते के बंद होने से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। ये युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले 50 प्रतिशत से भी अधिक हैं। तेल महंगा होने से माल ढुलाई और उत्पादन लागत बढ़ गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। आर्थिक झटके से बचने के लिए कम से कम 279 कंपनियों ने कई कड़े कदम उठाए हैं। इनमें ये प्रमुख हैः लागत की भरपाई के लिए कंपनियों ने अपने प्रोडक्ट्स महंगे कर दिए हैं और फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। कई कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया है और खर्चों को रोक दिया है। कंपनियों ने अपने डिविडेंड और शेयर बायबैक को सस्पेंड कर दिया है।

एविएशन : ईरान युद्ध से एविएशन सेक्टर को सबसे बड़ी चोट लगी है। जेट ईंधन की कीमतें लगभग दोगुनी होने के कारण अकेले एयरलाइन कंपनियों को 15 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है।

ऑटोमोबाइल : दिग्गज कार निर्माता कंपनी टोयोटा के मुताबिक इस संकट से उसे 4.3 अरब डॉलर का फटका लग सकता है। जर्मनी की टायर निर्माता कंपनी कॉन्टिनेंटल ने दूसरी तिमाही से 100 मिलियन यूरो से नुकसान की आशंका जताई है।

कंज्यूमर गुड्स : प्रॉक्टर एंड गैंबल ने टैक्स के बाद अपने मुनाफे में 1 अरब डॉलर की गिरावट का अनुमान लगाया है। होम अप्लाइंस बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल ने अपने पूरे साल के मुनाफे के अनुमान को आधा कर दिया है। मैकडॉनल्ड्स के सीईओ क्रिस केम्पचिंस्की ने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों से कम आय वाले उपभोक्ताओं की जेब पर सबसे ज्यादा मार पड़ रही है।

ओला-कुबेर को टक्कर देने आई वियतनामी कंपनी विन फास्ट

भारत के टैक्सी बाजार में मारी एंट्री, ड्राइवरों को 40000 सैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। वियतनामी की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी विनफास्ट ने भारत में बेचने के अलावा अब एक नए बिनेस में भी कदम रखा है। दरअसल, कंपनी ने ग्रीन स्रूके साथ भारत में टैक्सी सर्विस बिनेस में एंट्री की है। इस बिनेस के हिस्से के तौर पर, इसने पूरे उत्तर भारत में 10,000 विनफास्ट लिमो ग्रीन उतारी हैं। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने ट्रैवल इंडस्ट्री पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। दिल्ली में कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों को कैब में शामिल करने से मना कर दिया है। वो सिर्फ इलेक्ट्रिक कारों को ही अब कैब में शामिल कर रही हैं।

ऐसे में अब वियतनामी की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी विनफास्ट ने भारत में इवीएस बेचने के अलावा अब एक नए बिनेस में भी कदम रखा है। दरअसल, कंपनी ने ग्रीन स्रूके साथ भारत में टैक्सी सर्विस बिनेस में एंट्री की है। इस बिनेस के हिस्से के तौर पर, इसने पूरे उत्तर भारत में 10,000 विनफास्ट लिमो ग्रीन इलेक्ट्रिक उतारी हैं। साथ ही, कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक टैक्सियों के लिए ड्राइवरों की भर्ती भी शुरू कर दी है। कंपनी ने हाल ही में एक वीडियो ऑनलाइन शेयर किया गया है जिसमें टैक्सी रजिस्ट्रेशन वाली विनफास्ट लिमो ग्रीन दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में हम देख सकते हैं कि कई विनफास्ट लिमो ग्रीन इलेक्ट्रिक मौजूद हैं। इन सभी को टैक्सियों के तौर पर रजिस्टर किया गया है और इन पर ब्लैक और येलो कलर की नंबर प्लेट लगी हैं। साथ ही, ये सभी ग्रे कलर की हैं। इस वीडियो को रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ग्रीन स्रूकंपनी 10,000 इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारत में आई है और उसने ड्राइवरों की भर्ती शुरू कर दी है। वह व्यक्ति यह भी बताता है कि कंपनी ड्राइवरों को लगभग 35,000 रुपए से 40,000 रुपए तक की सैलरी दे रही है। खबरों के मुताबिक, विनफास्ट ने 10,000 कारों के साथ टैक्सी बिजनेस में एंट्री की है, जिनमें इलेक्ट्रिक और लिमो ग्रीन इलेक्ट्रिक शामिल हैं। इनके अलावा, यह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के बिजनेस में भी उतरने की योजना बना रही है। इसने अपने ऑपरेशन्स के लिए 1,00,000 से ज्यादा यूनिट्स की योजना बनाई है। ग्रीन स्रूइंडिया प्राइवेट लिमिटेड वो पेरेंट कंपनी है जिसने देश में टैक्सी बिजनेस में एंट्री की है। इसका रजिस्टर्ड ऑफिस गुरुग्राम, हरियाणा में है। इसकी ऑथराइज्ड कैपिटल 254 करोड़ रुपए है। पूरी संभावना है कि कारों और बाइकों की कीमत इस हिसाब में शामिल नहीं की गई है, क्योंकि हो सकता है।

वॉट्सऐप पर सिर्फ हैलो लिखकर जानें अपना पीएफ बैलेंस, ईपीएफओ शुरू करने जा रहा है नई सर्विस

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नौकरीपेशा हैं और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के मेंबर हैं तो पीएफ बैलेंस से लेकर क्लेम स्टेटस तक की जानकारी वॉट्सएप पर जान पाएंगे। इसके लिए आपको सिर्फ ' ।।द्ददद्द९' लिखकर एक मैसेज करना होगा। इसके बाद पूरी जानकारी आपके स्मार्टफोन की स्क्रीन पर होगी। यह सर्विस हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। दरअसल, ईपीएफओ अपने सदस्यों तक पहुंच बढ़ाने और सेवाओं को आसान बनाने के लिए जल्द ही लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर अपनी नई सर्विस शुरू करने की योजना बना रहा है। बिजनेस टुडे के मुताबिक इस नई पहल का मुख्य उद्देश्य सब्सक्राइबर्स को बिना किसी परेशानी के तुरंत पीएफ बैलेंस देखने, आखिरी पांच ट्रांजैक्शन की हिस्ट्री जानने और क्लेम स्टेटस ट्रैक करने की सुविधा देना है। वॉट्सऐप सपोर्ट सर्विस का फायदा उन सदस्यों को भी मिलेगा जो प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत पात्र हैं, लेकिन उनके कुछ काम अधूरे हैं। इनमें यूआईडीएआई की फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी के लिए वेरिफिकेशन पूरा न होना और बैंक खाते में डीबीटी का इनेबल न होना शामिल है। ऐसे सदस्य भी अब वॉट्सऐप के जरिए जरूरी सपोर्ट और गाइडेंस हासिल कर सकेंगे। सदस्यों को ईपीएफओ के रजिस्टर्ड वॉट्सऐप नंबर पर सिर्फ ।।द्ददद्द९ टाइप करके भेजना होगा। इसके अलावा सदस्य अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ईपीएफओ के मैसेज रिसीव करने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ईपीएफओ सबसे पहले यह चेक करेगा कि वॉट्सऐप मैसेज उसी मोबाइल नंबर से आया है जो सदस्य के यूएएन से लिंक है।

नई ऊंचाई पर पहुंचा डिफेंस शेयर, 3000 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर पिछले कुछ दिन से रॉकेट सा उड़ रहे हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर बुधवार को नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर बुधवार को 8 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 369.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 दिन में कंपनी के शेयरों में 27 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले 5 साल में मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 3000 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। चौथी तिमाही में अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को बंपर मुनाफा हुआ है। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स का कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 168.64 पर्सेंट बढ़ा है। चौथी तिमाही में डिफेंस कंपनी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में 37.61 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। समान अवधि में कंपनी को 14 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मार्च 2026 तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 81.28 पर्सेंट बढ़कर 293.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

3000 प्रतिशत से अधिक उछल गए डिफेंस कंपनी के शेयर

एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री की कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयरों में पिछले 5 साल में 3000 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर 21 मई 2021 को 11.79 रुपये पर थे।

गिरते-गिरते रुपया हुआ बेहाल, लगातार नौवें दिन गिरावट, 97 के करीब पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। रुपये में गिरावट का दौर जारी है। लगातार नौवें सत्र में इसमें गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले आज यह 0.3 फीसदी गिरावट के साथ 96.86 पर खुला और शुरुआती कारोबार में 41 पैसे गिरकर 96.96 तक चला गया जो इसका अब तक का ऑल टाइम लो है। पिछले कई दिनों से यह लगातार ऑल टाइम लो पर जा रहा है।

भारतीय रुपये में आज लगातार नौवें सत्र में गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले यह आज 0.3 फीसदी गिरावट के साथ रेकॉर्ड लो 96.86 पर खुला। कच्चा तेल लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है।

दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.24 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रुपये की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 96.27 के दिन के उच्चतम स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 96.70 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। अनुज चौधरी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के कारण रुपया गिरावट में रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी हस्तक्षेप और सोने-चांदी के आयात पर कुछ अंकुश रुपये को निचले स्तर पर सहारा दे सकते हैं। लंबे समय से जारी अमेरिका-ईरान तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। इससे रुपया कमजोर हो रहा है और भारत का आयात बिल बढ़ रहा है। साथ ही चालू खाते का घाटा बढ़ने का खतरा गहरा गया है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत का चालू खाते का घाटा काफी बढ़ सकता है। मध्य पूर्व से आने वाले रेमिटेंस पर संभावित असर और भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच विदेशी निवेश प्रवाह कमजोर रहने की आशंका भी दबाव बढ़ा रही है। टीएमसी सांसद का एक गाना ममता को ले डूबा', बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार पर उमा भारती ने ली सयानी घोष की मौज भारतीय रुपया लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

रुपये का एशिया में सबसे कमजोर प्रदर्शन

रुपया साल 2026 में एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है। इस महीने अबतक इसमें 1.5 प्रतिशत और इस साल 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से निर्यात और खाड़ी देशों से आयात में बाधा आने के कारण रुपये की स्थिति अब भी 'नाजुक' बनी हुई है। ग्लोबल बैंक एचएसबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ चालू खाते के घाटे को कम करना और दूसरी तरफ स्थायी विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करना।

● शुरुआती कारोबार में सोना 1,100 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है

बाजार खुलते ही 3,000 से गिरी चांदी, सोना भी फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 1,100 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है जबकि चांदी में 3,000 रुपये से अधिक गिरावट आई है। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद बढ़ी है लेकिन यूएस यील्ड और डॉलर के मजबूत होने से सोने और चांदी पर दबाव बढ़ा है।

सोने-चांदी की कीमत में मंगलवार को बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिन में जहां दोनों धातुओं की कीमत स्थिर दिखाई दी तो वहीं रात को कीमतें धड़ाम हो गईं। सर्राफा बाजार में भी चांदी टूट गई, लेकिन सोने में उछाल आया। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के डेटा के मुताबिक मंगलवार शाम को सोने और चांदी की कीमत में मिला-जुला असर देखा गया।

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये बढ़कर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। स्थानीय सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के बंद स्तर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 800 रुपये बढ़कर 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। हालांकि, कमजोर औद्योगिक मांग और वैश्विक बाजार में सुस्त रुख के कारण चांदी की कीमतें 5,000 रुपये घटकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई।

अमेरिका-ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीद बढ़ने से मंगलवार को सोने की कीमतों में उछाल आया, जिससे लंबे समय से ऊर्जा संचालित महंगाई दबाव को लेकर कुछ चिंताएं कम हुईं।

एमसीएक्स पर क्या भाव?: एमसीएक्स पर मंगलवार रात सोना और चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। जून डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 262 रुपये गिरकर 1,59,139 रुपये पर था। दिन में कारोबार के दौरान यह 1,60,200 रुपये तक चला गया था।

जुलाई डिलीवरी वाली चांदी में बड़ी गिरावट आई। यह प्रति किलो 6,397 रुपये गिरकर 2,70,254 रुपये पर थी। दिन में यह 2,76,666 रुपये के आंकड़े तक पहुंच गई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी कमी आई, जिससे हाल की तेज गिरावट के बाद बहुमूल्य धातुओं को समर्थन मिला। गांधी ने कहा, 'इसके अलावा, पिछले शुक्रवार की बड़ी बिकवाली के बाद सटोरिया लिवाली और सौदों की कमी को पूरा करने के लिए की गई लिवाली (शॉर्ट कवरिंग) ने बहुमूल्य धातुओं में हालिया सुधार में मदद की है।' मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि हाजिर सोने की कीमतें लगभग 4,540 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही हैं, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी कम होने के बावजूद ऊंची बनी हुई हैं।

आईआईटी से पढ़कर मुर्गियां पाल रहा है... लोगों ने उड़ाया था मजाक, आज हर महीने 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर किसी युवा ने देश के प्रतिष्ठित संस्थान से पढ़ाई की हो और उसे 28 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिल जाए, तो अमूमन लोग खुश होकर आराम से नौकरी करेंगे। लेकिन आज के दौर के युवाओं की सोच थोड़ी अलग है। वे लीक से हटकर सोचने और अपना खुद का साम्राज्य खड़ा करने में यकीन रखते हैं। तेलंगाना के रहने वाले आईआईटी ग्रेजुएट सैकेश गौड की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 28 लाख रुपये की चमचमाती कॉर्पोरेट नौकरी को लात मारकर आज वे 1 करोड़ रुपये महीना से ज्यादा का बिजनेस कर रहे हैं।

सैकेश गौड ने वाराणसी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया था। पढ़ाई पूरी होने के बाद एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर उनका चयन 28 लाख रुपये के सालाना पैकेज पर हो गया। नौकरी बढ़िया चल रही थी, लेकिन सैकेश के दिमाग में हमेशा से खुद का बिजनेस शुरू करने का आइडिया घूम रहा था।

इसी दौरान उनकी मुलाकात हेमाम्बर रेड्डी और मोहम्मद सामी उद्दीन से हुई। हेमाम्बर रेड्डी उस समय मुर्गी पालन और मीट इंडस्ट्री को समझने की कोशिश कर रहे थे। जब सैकेश ने रेड्डी का आईडिया सुना तो उन्होंने भांप लिया कि भारत के रिटेल मीट सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। बस फिर क्या था, उन्होंने बड़ा रिस्क लेते हुए अपनी मोटी सैलरी वाली नौकरी छोड़ दी और इस सेक्टर में कदम रख दिया।

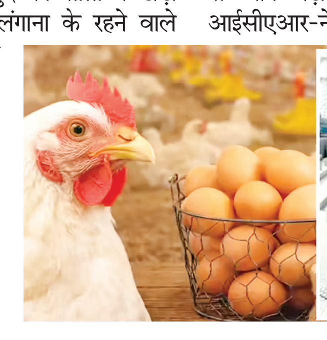

इस बिजनेस को वैज्ञानिक और सस्टेनेबल तरीके से आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने हैदराबाद स्थित आईसीएआर-नेशनल मीट रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक इन्क्यूबेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया। यहां से उन्हें हाइजीनिक प्रोसेसिंग, रिटेलिंग यूनिट की स्थापना और गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस के लिए जरूरी तकनीकी मार्गदर्शन मिला। इसके बाद साल 2020 में इन तीनों दोस्तों ने मिलकर कंट्री चिकन कंपनी की शुरुआत की। उनका मकसद पारंपरिक और अस्वच्छ मीट की दुकानों की छवि को बदलना था। वे एक ऐसा स्टोर बनाना चाहते थे जो किसी आधुनिक सुपरमार्केट की तरह दिखे, जहां पूरी तरह साफ-सफाई हो और ग्राहकों को हाई-क्वालिटी देसी चिकन मिले। जब सैकेश ने इस काम की शुरुआत की, तो लोगों ने उनका खूब मजाक उड़ाया।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास को ले डीसी-एसपी ने की बैठक

मामलों को पूरी संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता से निष्पादित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार की प्रत्यर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली सुविधाओं एवं पुनर्वास पैकेज से संबंधित मामलों की समीक्षा को लेकर बैठक की। बैठक में जिले से संबंधित कुल चार मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं उनके परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में क्रमवार भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन, आवास निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराने, परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधा, बच्चों के नामांकन, स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी लाभुकों का आवासीय, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक खाता खोलना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को पूरी संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निष्पादित किया जाए, ताकि आत्मसमर्पित व्यक्तियों का समाज की मुख्यधारा में प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित हो सके।

बैठक में डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सामान्य शाखा प्रभारी पदाधिकारी शालिनी खालको, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्टेट में जीत चुके है स्वर्ण, अब चला रहे टोटो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रतिभाओं को संसाधन नहीं मिल पाने के कारण या तो वो खेल छोड़ देते हैं या फिर पीछे हो जाते हैं। कुछ यही कहानी है झारखंड के पाकुड़ जिले के रडांगा गांव के रहने वाले हबीबुर शेख की। जिला स्तर से राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता।

लेकिन इससे आगे बढ़ने के लिए उनको महंगी साइकिल की जरूर पड़ी तो वो पीछे हट गये। अब घर चलाने के लिए टोटो (ई रिक्शा) चलाकर गुजारा करते हैं और उनके साइकिल में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने का सपना पीछे छूट गया।

हबीबुर शेख ने 2012 में इन्होंने पुराने स्टाइल की साइकिल के करियर की शुरूआत की। जिला स्तर की सभी प्रतियोगिताओं में हबीबुर ने भाग लिया और सबमें अपना बेस्ट दिया। इसके बाद 2015 में जिला ओलिंपिक संघ की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।

इसके बाद 2016 में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और इसमें स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। अलीगढ़ में 2018 में हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में ये 14वें स्थान पर रहे।

इनके पास पुरानी साइकिल होने की वजह से ये पीछे रह गये। नयी साइकिल खरीदने के लिए इनके पास पैसे नहीं थे। परिवार का खर्च चलाना था, इसलिए साइकिलिंग का सपना छोड़कर टोटो चलाने लगे और परिवार का खर्च चलाने लगे। टोटो के अलावा ये दूसरे का खेत लेकर खेती भी करते हैं।

हबीबुर शेख का कहना है कि मेरे पास इतने पैसे नहीं है कि मैं सात लाख की साइकिल खरीद सकूं। इसलिए इस खेल से बाहर हो गया। लेकिन अभी भी अगर मुझे नयी साइकिल मिलती है तो मैं अपना दम दिखा दूंगा।

ककोलत जलप्रपात में सैलानियों की बढ़ रही भीड़

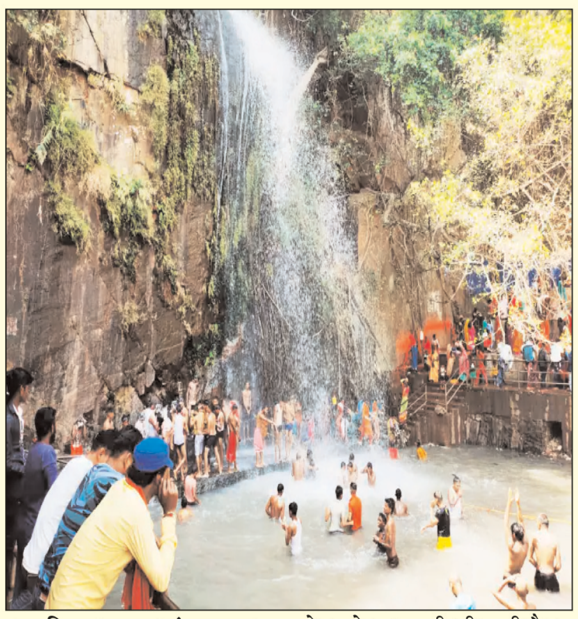

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जेठ की दोपहरिया जेसे-जैसे तप रही है उसी अनुरूप ठंडे पानी के लिए मशहूर नवादा जिले के ककोलत जलप्रपात में सैलानियों की भीड़ भी बढ़ रही है। एक दिन में 10 से 12 हजार लोग यहां ठंडा पानी में नहाने और आनंद लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

पहाड़ी की चोटी से गिरते हुए ठंडे पानी और संपूर्ण ककोलत जलप्रपात की खूबसूरत वादियां हर किसी का मन जीत लेती है। अभी की चिलचिलाती गर्मी में हर कोई यहां आकर तरोताजा होना चाहते हैं। यही कारण है कि ककोलत नहाने के लिए पुरुषों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों हर उम्र के लोगों की भीड़ दिख रही है।

नवादा समेत गया, पटना, भागलपुर, दरभंगा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, यूपी और दूसरे राज्यों से भी कई सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। ककोलत को बिहार का कश्मीर कहा जाता है।पिछले मंगलवार को छोड़ पांच दिनों में सैलानी की संख्या लगभग 54 हजार तक यहां पहुंची है। इस सीजन में सबसे ज्यादा सैलानी बीते रविवार और सोमवार को पहुंचे। इन दोनों दिन करीब 19-19 हजार सैलानी यहां आए।ककोलत में आनंद उठाने के लिए पहुंचे सैलानियों के लिए तीन से चार शिफ्ट में बांट कर पक्की सीढ़ियों के सहारे उपर झरना तक भेजा जाता है, ताकि सबकुछ व्यवस्थित तरीके से रह सके।

अधिक भीड़ होने पर उपर सैलानियों के जाने पर मनाही की जाती है। उन सभी के नीचे आने के बाद उपर जाने दिया जाता है। सुरक्षा में वन विभाग के कर्मी भी वहां तैनात रहते हैं। टिकट काउंटर से लेकर उपर झरना तक कर्मी तैनात रहते हैं। जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कुमार कृष्ण ने बताया कि बीते पांच दिनों में करीब 54 हजार सैलानी ककोलत पहुंचे हैं। रविवार और सोमवार को दोनों ही दिन करीब 19-19 हजार लोग आए। अभी की गर्मी में औसतन दस हजार लोग प्रतिदिन आ रहे हैं। कभी कभी भीड़ अचानक से बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए टिकट काउंटर से लेकर कूंड तक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उदाहरण स्वरूप यदि पांच हजार लोग जुट गए तो उपर कूंड तक जाकर नहाने के लिए दो हजार लोगों को ही अनुमति दी जाएगी। इसके बाद उनके आने के बाद नीचे प्रतिक्षारत रहे तीन हजार सैलानी को उपर झरना कूंड तक जाने दिया जाएगा। कूंड के पास करीब 30 मिनट तक रुकने दिया जाएगा।

इसके बाद सभी से नीचे उतरने के लिए कहा जाएगा, ताकि दूसरों को मौका मिल सके। इसी तरह से टिकट काउंटर पर पांच हजार टिकट कट जाने के बाद करीब आधा घंटा के लिए होल्ड लगाया जाएगा। डीएफओ ने कहा कि इससे भी अधिक भीड़ बढ़ने पर थाली थाना के पास बैरिकेडिंग कर सैलानियों को वहीं पर रोक दिया जाएगा।

ओवरलोड गिट्टी लदे दो हाईवा जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुबियाखाड़ के चुकड्डु मोड़ पर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओवरलोड गिट्टी लदे दो हाईवा को जब्त किया है। यह कार्रवाई माइनिंग इंस्पेक्टर शुभम कुमार एवं सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी के नेतृत्व में की गई।

जानकारी के अनुसार दोनों हाईवा सतबरवा से गिट्टी लोड कर पाटन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जांच अभियान के क्रम में वाहनों की जांच की गई, जहां दोनों हाईवा ओवरलोड पाए गए।

इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए दोनों हाईवा को सदर थाना परिसर में रखा गया है। पुलिस एवं खनन विभाग द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षु शिक्षकों का विद्यालय प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मानपुर। दिग्मणि बीएड कॉलेज के सत्र 2025-27 द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक व छात्राध्यापिका का विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हुआ जो चार सप्ताह तक चलेगा। बीएड कॉलेज के सहायक प्राध्यापक सह योगेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अभ्यास शिक्षण विभिन्न विद्यालय में रखा गया है। जिसमें राज्यकृत माध्यमिक विद्यालय रसलपुर जैसे अन्य माध्यमिक विद्यालयों में छात्र और छात्राओं को प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के लिए भेजे गए हैं।

वहीं माध्यमिक विद्यालय रसलपुर में प्रशिक्षु प्रशिक्षकों को ट्रैनिंग दे रहे शिक्षक अकरम ने बताया कि स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम का यह महत्वपूर्ण आयाम है, जो विद्यालय और शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के मध्य निकटता लाने के लिए सेतु का कार्य करता है। यह कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कक्षाओं में अर्जित किये गये सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक रूप में प्रयोग करने के अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल इंटर्नशिप की रूपरेखा तीन चरणों में विभक्त है।

प्रथम चरण सूक्ष्म शिक्षण दूसरा चरण शिक्षण अभ्यास एवं तीसरा चरण क्षेत्र से जुड़ाव है। मौके पर माध्यमिक विद्यालय रसलपुर के प्रधानाध्यापक संजय कुमार ,निरंजन कुमार सभी शिक्षक व शिक्षिका साथ-साथ सभी प्रशिक्षणार्थी सिवनी कुमारी,प्रियंका कुमारी,नीरज कुमार,मुजम्मिल कुमार, आदि मौजूद रहे।

राजीव गांधी के शहादत दिवस पर विचारगोष्ठी आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) पलामू जिला राजीव गांधी विचार समिति के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शहादत दिवस के अवसर पर 21 मई को एक दिवसीय विचारगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन डालटनगंज स्थित पलामू क्लब में होगा। विचारगोष्ठी का मुख्य विषय ह्लराजीव गांधी का व्यक्तित्व एवं कृतित्वह्व रखा गया है, जिसमें उनके राजनीतिक योगदान, आधुनिक भारत के निर्माण में भूमिका तथा युवा सोच पर चर्चा की जाएगी।

समिति की ओर से जारी आमंत्रण के अनुसार कार्यक्रम में सामाजिक, राजनीतिक एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों की भागीदारी अपेक्षित है। आयोजन समिति ने जिलेवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर विचार-विमर्श को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के आयोजक एवं राजीव गांधी विचार समिति, पलामू के जिला संयोजक गोपाल सिंह ने बताया कि यह आयोजन राजीव गांधी के विचारों और देश के प्रति उनके योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

दो गिरफ्तार

कटिहार। सालमारी थाना क्षेत्र के गोगरा गांव के पास पहले से घात लगा कर बैठे अपराधी द्वारा चालक को बंदी बना कर मक्का लदा ट्रेक्टर को जप्त कर मक्का सहित ट्रेक्टर ले कर फरार होने पर पिडित किसान अमरनाथ मंडल ने सालमारी थाना में आवेदन दे कर न्याय की गुहार लगाने के बाद सालमारी थाना की पुलिस हरकत में आने के बाद घटना के 12 घंटा के अन्दर पिडित के निशानदेही पर एवं पुलिस अनुसंधान के आधार पर अज्ञात अपराधी की पहचान कर आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ट्रेक्टर सहित मक्का को बरामद करने में सफल हुई।

दवा दुकानें बंद कर जताया विरोध

दवा के अभाव में भटकते दिखे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी। मेडिकल हब की पहचान बना चुके सालमारी बाजार के दवा दुकानदारों ने बुधवार को अपनी दुकान बंद रख कर आनलाईन दवा की बिक्री, कारपोरेट द्वारा भारी डिस्काउंट बंद करने, नकली दवाओं से देश को बचाने की मांग को लेकर एकजुटता के साथ 24 घंटे का हड़ताल में डटे रहे। इस दौरान सभी दवा दुकानों की सटर बंद थी। दुकान के बाहर बेनर पोस्टर लगा कर विरोध दर्ज करते हुए सरकार के मनमानी के खिलाफ विरोध जताये।भारत मेडिकल के रियाज आलम, केजीएन ड्रग्स एजेंसी के नायाब ने बताया की सभी केमिस्ट एकजुटता के साथ हड़ताल में है।

आनलाईन प्लेटफार्म द्वारा बिना वैध पर्चा के आसानी से दवा उपलब्ध होने से मरीजों की सेहत को खतरा है। साथ ही मेडिकल दुकानदारों का रोजगार खतरे में पड़ गया है। इस व्यवस्था को वापस लेने की मांग की है। इस व्यवस्था से कारपोरेट कम्पनियों की मनमानी बढ़ जायेगी। दवा व्यवसायों का हड़ताल के कारण इलाज कराने पहुंचे मरीजों को दवा नहीं मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोग दर दर भटकते रहे। आपातकालिन स्थिति के लिए सरकारी अस्पताल में मेडिकल स्टोर तो खुला था।लेकिन वहां कुछ दवा मिलने के बाद भी मरीजों की परेशानी कम नहीं हुई। केमिस्टों के हड़ताल का असर बलिया बेलौन, कुरूम में भी देखा गया। हड़ताल में भारत मेडिकल, केजीएन ड्रग्स एजेंसी, शम्स मेडिकल, पीएल ड्रग्स एजेंसी, एएन ड्रग्स एजेंसी, जायेब सेंट्रल ड्रग्स एजेंसी सहित सभी मेडिकल दुकानदारों का पूर्ण सहयोग रहा।

नावा बाजार भाजपा मंडल ने किया प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी नावा बाजार मंडल ने बुधवार को किसान के साथ प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। साथ ही हेमंत सरकार के वादाखिलाफी पर धरना देते हुए जमकर बरसे। किसानों की ज्वलंत समस्याओं व उसके समाधान से संबंधित मांग पत्र सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नावा बाजार मंडल भाजपा अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव ने किया।

श्री यादव ने कहा कि किसान देश के रीढ़ हैं। लेकिन झारखंड की हेमंत सरकार के किसान विरोधी नीति के कारण किसान परेशान हैं। सरकार किसानों को लेकर प्रारंभ से ही निर्दयी रही है। सरकार की प्राथमिकता में गांव गरीब व किसान कहीं नहीं हैं। जब से हेमंत राज के हाथ में राज्य की बागडोर आई है, किसान की समस्या में तेजी से वृद्धि हुई है। हेमंत सरकार किसानों के मुद्दे पर पूरी तरह लापरवाह व असंवेदनशील साबित हुई है। मंडल अध्यक्ष ने कहा गठबंधन सरकार ने चुनाव के पूर्व किसान को लेकर कई बड़े-बड़े वायदे किए थे।

उन वायदों को पूरा करने में हेमंत सरकार नाकाम साबित हुई है। झामुमो व कांग्रेस ने अलग-अलग जारी अपने घोषणा पत्र में किसान को धान का मूल 32 सौ रुपया प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वायदा किया था। वह पूरी तरह फेल हुआ है। किसानों के धान को पैक्स से लौटाया जा रहा है। आज किसान दर-दर भटक रहे हैं।

मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी, पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता, पूर्व विधायक प्रतिनिधि राम रेखा राम, सुमंत मेहता, परशुराम मेहता, जगदीश सिंह, दिलीप पासवान, अरुण शाह, प्रदर्शन संयोजक अखिलेश यादव, मीडिया प्रभारी बिक्की बादल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया।

युवाओं से रोजगार के अवसर छीन रहे पदाधिकारी : दिव्या भगत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। इंकलाबी नौजवान सभा की राष्ट्रीय परिषद सदस्य दिव्या भगत की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल जिला पशुपालन पदाधिकारी सह गव्य विकास पदाधिकारी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत पलामू जिला के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में योजना पहुंचाने व जानकारी लेने के लिए जिला पशुपालन विभाग कार्यालय पहुंचे। कहा कि एक महीन से विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेने की कोशिश कर रहे है। जानकारी लेने के क्रम में पशुपालन विभाग कार्यालय जो जिला क्वारंटाइन सेंटर भी है, उसमें बहुत बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिले में जितने भी पशु वितरण के लिए उनको कम से कम 14 दिन के लिए क्वारंटाइन सेंटर में रखा जाना है। जबकि जितने प्लान इस वर्ष पास हुए है, कम से कम सैकड़ों पशु व मुर्गे-मुर्गियों को क्वारंटाइन सेंटर में रहने चाहिए। इसका साफ मतलब है कि लाभुकों को गाय, बैल , सुकर, बकरी, मुर्गी सिर्फ पेपर में दिए जा रहे हैं। इस सिस्टम में भी पदाधिकारी शामिल हैं।दिव्या भगत ने बताया की जिला पशुपालन पदाधिकारी के अनुसार अभी शादी विवाह के समय में कोई जानवर नहीं ले रहे हैं । इसलिए सेंटर खाली है। जो बैल शनिवार को थे वे आज नहीं मिले? इस सवाल पर पशुपालन पदाधिकारी ने कहा कि वे बिक्री लायक नहीं थे इसलिए वापस कर दिए गए। राज्य आदेश की एक प्रति देकर, सप्लायर की लिस्ट जारी करने से मना किया। सप्लायर का लिस्ट जारी नहीं करना व क्वारंटाइन सेंटर खाली रहने पर गोल मटोल जवाब देना जिससे यह साफ पता चलता है कि लाभुकों को धोखा दिया जा रहा है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए कई अहम निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, एनएचएआइ एवं आरसीडी के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की क्रमवार उपायुक्त ने समीक्षा की। उपायुक्त ने मार्च एवं अप्रैल माह में जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि औसतन 20 से 25 सड़क दुर्घटनाएं प्रतिमाह हो रही हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने चिन्हित दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) पर विशेष सतर्कता एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआइ) के प्रतिनिधियों को एनएच-32 एवं एनएच-23 पर प्रस्तावित फ्लाईओवर निर्माण (तेलमच्चों टोल टैक्स से आइटीआइ मोड़ एवं उकरीद मोड़ से बोकारो स्टील सिटी स्टेशन चौक तक) का डीपीआर जल्द फाइनल कराने को कहा। उन्होंने फ्लाई ओवर निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।उपायुक्त ने कहा कि जब तक फ्लाईओवर निर्माण नहीं होता, तब तक संबंधित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यक साइनेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।उपायुक्त ने उकरीद - सिवनडीह सहित अन्य क्षेत्रों में कचरा हटाने, फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा सड़क किनारे जमा गंदगी को साफ कराने का निर्देश दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी चास को अभियान चलाकर विशेष सफाई अभियान चलाने को कहा।उन्होंने पीक आवर में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर जुमार्ना लगाने एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगान का निर्देश दिया। साथ ही, मानसून पूर्व सड़क किनारे नालियों की साफ-सफाई कर जलजमाव की समस्या रोकने को कहा।उपायुक्त ने एनएचएआइ को महत्वपूर्ण स्थानों पर स्पीड कैमरा लगाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसी भी प्रकार के वाहनों की पार्किंग नहीं होनी चाहिए। ऐसे वाहन मालिकों के विरुद्ध नोटिस जारी कर जुमार्ना लगाने का निर्देश भी दिया।

बैठक में बंपर पर व्हाइट कलर, आवश्कतानुसार रिफ्लेक्टिव मार्किंग कराने तथा चंदनकियारी के दुबेकाटा मोड़ का अध्ययन कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश सड़क निर्माण कर रहे एनएचआइ अधिकारियों को दिया।उपायुक्त ने पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से शहर के विभिन्न स्थानों पर जांच अभियान चलाने, ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग करने तथा वाहनों से ब्लैक फिल्म हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया।

उन्होंने पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही डीटीओ एवं ट्रैफिक डीएसपी को संयुक्त निरीक्षण करने तथा बोतलों में पेट्रोल की आपूर्ति रोकने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने जिला सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान को एक-दो दिनों के भीतर अंतिम रूप देने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी निर्देश दिया। उपस्थित प्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों द्वारा भी आवश्यक सुझाव दिया गया।

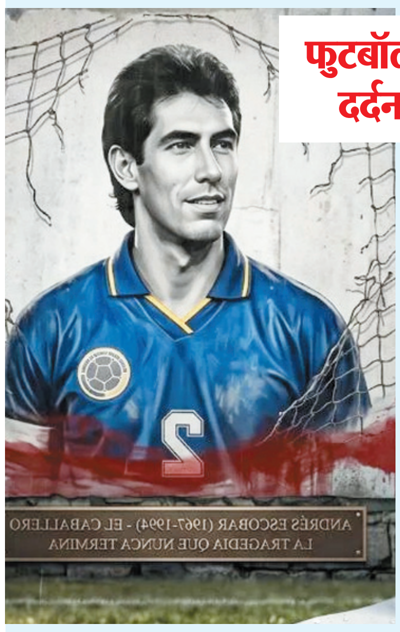

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 स्नढ्डस्न ड्ढ्ठह्ल्र्स्न ष्ट्वश्च (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैंटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

वर्ल्डकप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया**– 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

सूर्यवंशी का धमाका

- 245 गेंद, 579 रन, 50 चौके, 53 छक्के; LSG के खिलाफ 93 रन ठोक 5 बड़े रिकॉर्ड किए अपने नाम

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के ओपनर और 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार (19 मई) को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद पर 93 रन की धांसू पारी खेलते हुए इस खिलाड़ी ने एक से बढ़कर एक दिग्गजों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल 2026 में अपने 500 रन पूरे किए और 50 छक्कों का आंकड़ा भी पार कर दिया। इस पारी में वैभव ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड समेत 5 बड़े रिकॉर्ड बनाए। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अभी तक 13 मैचों की 13 पारियों में 245 गेंद खेलते हुए 579 रन ठोक दिए हैं। इसमें उनके 50 चौके और 53 छक्के शामिल हैं। वैभव का मौजूदा सीजन में औसत 44.54 और स्ट्राइक रेट 236.33 का रहा है। उन्होंने ऑरेंज कैप पर भी अपना कब्जा जमा लिया है।

वैभव सूर्यवंशी के नाम एक वर्ल्ड रिकॉर्ड– वैभव सूर्यवंशी दुनिया के किसी भी टी20 टूर्नामेंट में अब 500 प्लस रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल के नाम था जिन्होंने 2019-20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक की तरफ से 19 साल की उम्र में 580 रन बनाए थे। जबकि वैभव ने 15 साल की उम्र में ही मौजूदा आईपीएल 2026 में 579 रन अपने नाम कर लिए हैं।

IPL में 500 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज– साथ ही वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में भी सबसे युवा 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने 2018 आईपीएल में दिल्ली के लिए 20 साल की उम्र में 684 रन बनाए थे। वैभव के नाम 15 साल में ही 579 रन एक सीजन हो चुके हैं और मैच अभी बाकी हैं।

50 छक्के लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज और पहले भारतीय– वैभव सूर्यवंशी आईपीएल सीजन में 50 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय और सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पिछली पारी में ही अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा था। अब उनके निशाने पर एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल (59) का रिकॉर्ड है। 2012 से यह रिकॉर्ड अटूट है।

'किस्मत खराब रही'

रन आउट होकर शतक का मौका चूकने पर बोले मिशेल मार्श

जयपुर। आईपीएल 2026 में सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में मिशेल मार्श ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए फैंस को रोमांचित कर दिया। हालांकि मार्श के लिए दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि लगातार दूसरे मैच में वह शतक पूरा करने का मौका चूक गए। एलएसजी की बल्लेबाजी के बाद पारी की चुनौतियों पर मार्श ने कहा, 'मुझे लगा कि उन्होंने आखिर में अच्छी गेंदबाजी की। हम शायद एक, दो या तीन और बाउंड्री नहीं लगा पाए। अगर ऐसा होता तो हम सचमुच बहुत खुश होते, लेकिन इसका श्रेय उन्हें जाता है, उन्होंने अच्छी वापसी की और सचमुच बहुत अच्छी गेंदबाजी की।' जोश इंग्लिस के साथ अपनी साझेदारी पर मार्श ने कहा, 'हमने पिछले पांच सालों में खेल को बदलते देखा है। पांच साल पहले, 220 रन बनाकर आप काफी आत्मविश्वास के साथ मैदान से बाहर निकलते थे। फिलहाल ऐसा संभव नहीं है। हमें अच्छी गेंदबाजी करनी होगी और अपनी योजनाओं को बहुत अच्छे से लागू करना होगा।

वनडे टीम से पांच बाहर; रोहित-हार्दिक के खेलने पर संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के खेलने पर सस्पेंस

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल?

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे रिकॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

मानव सुतार-हर्ष दुबे के चयन से मिल गए संकेत

जडेजा की विदाई की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मानव सुतार और हर्ष दुबे का चयन इस बात का संकेत है कि भारतीय टीम ने रविंद्र जडेजा की विदाई की तैयारी शुरू कर दी है। जडेजा का टेस्ट में प्रदर्शन अच्छा रहा है, लेकिन वह 37 साल के हो गए हैं। स्पिन विभाग में भारतीय टीम लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट की तलाश में है। इसके संकेत दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लेकर देखने को मिला था। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने जब अश्विन से आगे बढ़ने का फैसला किया तो टीम में वाशिंगटन सुंदर की एंट्री हुई। हालांकि दोनों ऑफ-स्पिनर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन गंभीर को वाशिंगटन में भरोसेमंद ऑलराउंडर दिखा, जिस पर किसी भी परिस्थिति में भरोसा जताया जा सकता है। सुतार और दुबे को टीम में शामिल करके जडेजा का विकल्प तैयार करने की योजना है।

अजीत अगरकर ने क्या कहा?

भारतीय टीम के ऐलान के दौरान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा, 'टेस्ट टीम में आप देख सकते हैं कि इस समय बहुत बदलाव हो रहे हैं। इसलिए हम विकल्प देख रहे हैं। कुछ खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से दूर चले गए हैं। वनडे क्रिकेट में भी यही बात है। आप ऐसे खिलाड़ी चाहते हैं जो निचले क्रम में बल्ले से योगदान दे सकें, लेकिन उनमें फ्रंटलाइन स्पिनर या फ्रंटलाइन सीम बॉलर बनने के लिए जरूरी स्किल भी हो। हमें लगता है कि वह (दुबे) निश्चित रूप से इस काम में फिट बैठते हैं।'

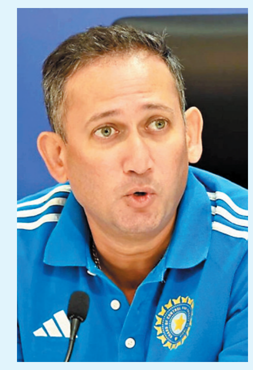

कुलदीप नहीं कर पाए जगह पक्की

कुलदीप यादव अभी भी टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं। ऐसे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए स्पिन डिपार्टमेंट को मजबूत बनाना चाहता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 37 की उम्र के बाद वह और कितना समय तक खेलेंगे। वह टी20 संन्यास ले चुके हैं और वनडे टीम का हिस्सा नहीं हैं। फिटनेस को लेकर छोटी-मोटी दिक्कतों के कारण भारतीय टीम उनकी जगह लेने के लिए और को तैयार करना चाहती है।

हर्ष का शानदार प्रदर्शन

सुतार क्लासिकल स्पिनर हैं और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में ज्यादा नहीं खेले हैं। वह पुराने जमाने के स्पिनर हैं, जिनकी ड्रिफ्ट ने अच्छे-अच्छों को भी परेशान किया है। इसी तरह दुबे ने भी एक ऑलराउंडर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। सभी फॉर्मेट में उन्होंने विदर्भ को रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई है। 2024/25 रणजी सीजन के दौरान उन्होंने 69 विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया था।

भारतीय टीम में क्यों चुने गए गुरनूर बरार

नई दिल्ली। भारतीय चयनकर्ताओं ने पंजाब के छह फीट और पांच इंच लंबे गेंदबाज गुरनूर बरार को 14 जून से शुरू होने वाली अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भी टीम में जगह मिली है। गुरनूर बरार को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है और वह भी दोनों प्रारूपों में। 25 वर्षीय बरार नियमित रूप से भारतीय अभ्यास सत्रों में नेट गेंदबाज के रूप में शामिल होते रहे हैं। टीम प्रबंधन गुड लेंथ से अतिरिक्त उछाल लेने वाली गेंदों का अभ्यास कराने के लिए उनकी सेवाएं लेता रहा है। एक दमदार तेज गेंदबाज बरार को उनके पंजाब टीम के साथी और भारतीय कप्तान शुभमन गिल का भरपूर समर्थन प्राप्त है। गिल ने बरार को अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज 2025 से फ्रैंचाइजी का हिस्सा है, लेकिन उन्हें अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी बरार की लेंथ से अतिरिक्त उछाल पैदा करने की क्षमता की काफी सराहना करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

'विरोध के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं', केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के घर पुतला जलाने वालों को एचसी से झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के सरकारी आवास के बाहर पुतला जलाने के

मामले में आरोपितों को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध के नाम पर हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती।अदालत ने आरोपितों की आरोपमुक्त किए जाने की याचिका खारिज करते हुए उनकी कार्रवाई को बेहद विघटनकारी गतिविधि करार दिया। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने कहा कि आरोपित जगदीप सिंह उर्फ जग्गा और अन्य लोगों ने केवल सड़क पर पुतला नहीं जलाया, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के विरोध के बावजूद सड़क, फुटपाथ और सर्विस लेन पार कर जलते हुए हिस्सों को सुरक्षा कक्ष की छत पर फेंका। अदालत ने कहा कि इस तरह की हरकत को विरोध प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। अभियोजन के अनुसार, 21 जून 2022 को आरोपित जेपी नड्डा के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित सरकारी आवास के बाहर एकत्र हुए थे। उन्होंने नारेबाजी की और पुतला जलाया। आरोप है कि आरोपित जलते हुए पुतले को लकड़ी की मदद से उठाकर गेट और सुरक्षा कक्ष की छत की ओर फेंककर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई, जिसकी फुटेज चार्जशीट का हिस्सा है। आरोपितों की ओर से अदालत में दलील दी गई कि घटना में किसी को चोट नहीं लगी और किसी की हत्या करने का इरादा भी नहीं था, इसलिए हत्या के प्रयास की धारा 307 लागू नहीं होती। यह भी कहा गया कि मामले में अधिकतम धारा 285 आइपीसी यानी आग से लापरवाही बरतने का मामला बनता है और धारा 436 लागू नहीं हो सकती क्योंकि किसी विस्फोटक पदार्थ का इस्तेमाल नहीं किया गया।

दिल्ली में खंडित मूर्तियों के लिए बनेंगे संग्रह केंद्र, सम्मान से निपटान और रीसाइक्लिंग की जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कई लोग घरों में वर्षों तक पूजी जाने वाली मूर्तियों को खंडित होने या पुरानी हो जाने पर पार्कों में, पेड़ के नीचे या कई बार सड़क किनारे छोड़ देते हैं। यह देवी-देवताओं का अनादर है। इससे लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। वहीं, कई लोग इन्हें नदी, झील या तालाब में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और मूर्तियों को रंगने में प्रयुक्त रसायनों से जल प्रदूषण होता है। इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने खंडित मूर्तियों को एकत्रित करने के लिए विशेष संग्रह केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। इन केंद्रों पर एकत्र की गई खंडित मूर्तियों को वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकिल कर उपयोगी वस्तुओं में परिवर्तित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खंडित देवी-देवताओं की मूर्तियों के सम्मानजनक संग्रह एवं रिसाइक्लिंग के लिए एक विशेष जनभागीदारी अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

इसे पूरी तरह नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए दिल्लीवासियों से सुझाव मांगे गए हैं। लोगों के सुझावों के आधार पर इस योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडित व पुरानी मूर्तियों को पेड़ के नीचे, नदी किनारे, पार्कों या सड़कों पर छोड़ देना न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर संग्रह केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इन केंद्रों पर लोग खंडित मूर्तियों को सम्मानपूर्वक जमा कर सकेंगे। उन्होंने लोगों से अपने विचार, संग्रह केंद्र बनाने के लिए उपयुक्त स्थान तथा इस व्यवस्था को और बेहतर व गरिमापूर्ण बनाने के संबंध में सुझाव इंटरनेट मीडिया के माध्यम से देने की अपील की हैं।

नलों से आ रहा बदबूदार पानी, दिल्ली जल बोर्ड के चक्कर काटकर थके लोग

बलबीर नगर में 2 महीने से हाहाकार

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्दमपुरी वार्ड स्थित बलबीर नगर इलाके में पिछले करीब दो माह से सीवर युक्त गंदे पानी की सप्लाई होने से स्थानीय लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। दूषित पानी की वजह से क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और लोगों में दिल्ली जल बोर्ड के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा और लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि नलों से आने वाले पानी में बदबू आती है जो पीने योग्य तो क्या किसी घरेलू कार्यों के लिए भी नहीं किया जा सकता। मजबूरी में कई परिवार बाजार से पानी खरीदने को विवश हैं। बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारी विद्या प्रकाश शर्मा ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित शिकायत दी गई, और विभाग के चक्कर काट-काट कर थक चुके है लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले

हैं। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे, जबकि गर्मी के मौसम में पानी की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। वहीं, दूसरी ओर जनता गार्डन और मयूर विहार फेज-1 इलाके में भी पानी संकट गहराता जा रहा है। यहां पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सुबह और शाम के समय पानी नहीं आने से घरेलू कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने संबंधित जेई को कई बार शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। पानी संकट को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा देखने को मिल रहा है और विभाग के खिलाफ नाराजगी लगातार बढ़ रही है। दो महीने से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं। पानी इतना खराब है कि बच्चों को पीने के लिए बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। दिल्ली जल बोर्ड और जनप्रतिनिधियों को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। बदबूदार पानी की सप्लाई होने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। विभाग को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए और जनप्रतिनिधियों जिम्मेवारी लेकर साफ पानी मुहैया कराना चाहिए। संबंधित जेई को जल्द से जल्द बलबीर नगर के लोगों की परेशानी हल करने के लिए बोल दिया गया है।

दिल्ली के वेलकम इलाके में एक युवक की हत्या से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। वेलकम थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बदमाशों ने 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान अमानुल्लाह कुरैशी पुत्र मोहम्मद तस्लीम निवासी गुरुद्वारा मोहल्ला, मौजपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, श्याम लाल कॉलेज के पास फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घायल अमानुल्लाह को स्वजन पहले ही गुरु तेग बहादुर अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने वेलकम थाने में हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

भोजशाला निर्णय के बाद कुतुब मीनार में पूजा के अधिकार की लड़ाई तेज

हिंदू संगठनों में जगी उम्मीदें

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार में स्थित भोजशाला में पूजा करने की अनुमति मिलने के बाद हिंदू संगठनों को उम्मीद है कि दिल्ली के कुतुब मीनार परिसर में भी पूजा करने की अनुमति मिल जाएगी। इस संबंध में जल्द हिंदू संगठनों का एक प्रतिनिधिमंडल, यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के बैनर तले भोजशाला मामले में हिंदुओं की ओर से मुकदमा लड़ने वाले वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन से मिलकर सलाह लेगा। वैसे, जैन ने वर्ष 2020 में कुतुब मीनार परिसर में भी पूजा करने की अनुमति के लिए साकेत कोर्ट में याचिका दायर की थी, जो 2023 में खारिज हो गई थी।

इसके बाद उन्होंने दोबारा याचिका डाल दी थी, जो अभी लंबित है। बताया जाता है कि कुतुब मीनार परिसर में स्थित लौह स्तंभ राजा अनंगपाल द्वारा बनाए गए विष्णु मंदिर में स्थापित था। इसे विष्णु स्तंभ कहा जाता है। स्तंभ के पास ही वह विवादित ढांचा भी मौजूद है, जिसे 27 हिंदू और जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। इसे कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद नाम दिया गया है। इस ढांचे में आज भी हिंदू देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां मौजूद हैं।

मस्जिद के गेट पर वह शिलालेख मौजूद है, जिस पर लिखा है कि इसे 27 जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। एएसआइ के पूर्व निदेशक डॉ. धर्मवीर शर्मा की माने तो कुतुब मीनार परिसर में स्थित विवादित ढांचे को कुतुबुद्दीन ऐबक ने हिदू और जैन मंदिरों को तोड़कर जामा मस्जिद के नाम से बनाया था। उनके अनुसार यह ढांचा देश की दूसरी भोजशाला है। संस्कृति के प्रतीक चिह्न स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। जब भोजशाला में हिंदुओं को पूजा करने की अनुमति मिल सकती है, तो दिल्ली के इस ऐतिहासिक परिसर में सदियों से उपेक्षित देवी-देवताओं की मूर्तियों की पूजा-अर्चना का अधिकार भी मिलना ही चाहिए।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल पर अदालतों का एक्शन, कोर्ट का समय बर्बाद करने पर ठोका जुर्माना; चेतावनी भी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जिला अदालतों में सोमवार को वकीलों की हड़ताल के बीच कई अदालतों ने मामलों में स्थगन देने से इनकार करते हुए सख्त रुख अपनाया। विभिन्न अदालतों ने गैरहाजिरी और कार्यवाही में देरी को लेकर पक्षकारों पर दो हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया। अदालतों ने आदेशों में कहा कि हड़ताल के कारण न्यायिक समय की बर्बादी और असुविधा हुई है। ऐसे ही एक मामले पटियाला हाउस स्थित जिला सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने एक पक्ष पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने कहा कि मामला समयबद्ध सुनवाई वाला है और दिल्ली हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शुरू में प्रतिवादी की ओर से कोई पेश नहीं हुआ। बाद में एक प्रॉक्सी वकील अदालत में उपस्थित हुआ, जब अदालत प्रतिकूल आदेश पारित करने वाली थी। मामले में वादी पक्ष के वकील ने स्थगन की मांग का विरोध करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के निर्देशों के बावजूद प्रतिवादी की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। हालांकि अदालत ने प्रतिकूल आदेश पारित करने के बजाय मामले को 30 मई तक के लिए स्थगित कर दिया, लेकिन प्रतिवादी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। यह राशि नई दिल्ली जिला के लॉयर्स वेलफेयर फंड में जमा कराने का निर्देश दिया गया। अदालत ने साथ ही चेतावनी दी कि आगे किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन नहीं दिया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का नया खंड खुलेगा, कालिंदी कुंज और मथुरा रोड पर कम होगा बोझ

नईदिल्ली, एजेंसी। डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक का नौ किलोमीटर का हिस्सा शुरू होने के बाद दिल्ली समेत नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के लोगों को भी आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और उनका समय भी बचेगा।

एक्सप्रेसवे का जैतपुर पुश्ता रोड से आगे फरीदाबाद सेक्टर-65 तक का 24 किलोमीटर का हिस्सा और सेक्टर-65 से आगे सोहना तक 26 किलोमीटर का हिस्सा पहले से ही चालू है। इस हिस्से के शुरू होते ही दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद से फरीदाबाद, पलवल आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को तेज और सुगम रास्ता मिल जाएगा, जो मथुरा रोड और कालिंदी कुंज का विकल्प भी बनेगा।

जगह-जगह सिग्नल के चलते मथुरा रोड जहां अक्सर जाम की चपेट में रहता है तो वहीं प्रमुख चौराहों में से एक कालिंदी कुंज पर भारी यातायात दबाव भी ट्रैफिक को जाम कर देता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नौ किलोमीटर के तैयार हिस्से के साथ फरीदाबाद सेक्टर-65 तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। मीठापुर चौक पर एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पहले ही बना दिए गए हैं, जिससे दक्षिण दिल्ली के लोगों को खास लाभ मिलेगा। डीएनडी से मीठापुर तक आने वाले भी इस एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर सकेंगे और उन्हें जाम से मुक्ति मिलेगी। दक्षिणी दिल्ली के लोगों को सोहना जाने में पहले ढाई घंटे लगते थे। अब लोग वहां तक 28 मिनट में पहुंच रहे हैं और 30 मिनट में बड़ौदा-मुंबई हाइवे टच कर जा रहे हैं। भारतमाला परियोजना के तहत डीएनडी से सोहना तक विकसित इस एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 59.063 किलोमीटर है, जिसकी अनुमानित लागत 4,463 करोड़ रुपये है। यह करिडोर दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोहना को एक हाई-स्पीड, सिक्स-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे के माध्यम से जोड़ेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के नौ किलोमीटर बचे हिस्से का भी काम पूरा हो गया: निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के नौ किलोमीटर बचे हिस्से का भी काम पूरा हो गया है।

टेक्सस में टेस्ला साइबर ट्रक को जानबूझकर झील में उतारा

वेड मोड टेस्ट के दौरान गाड़ी आंशिक रूप से डूब गई

चालक जिमी जैक मैकडैनियल को ग्रेपवाइन जेल भेजा गया

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के टेक्सस में टेस्ला साइबर ट्रक के एक मालिक को सोमवार की रात जेल जाना पड़ा। दरअसल, मामला यह है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ी को ग्रेपवाइन झील में उतार दिया था ताकि वह उसके वेड मोड फीचर को टेस्ट कर सके।

ग्रेपवाइन पुलिस के अनुसार, शाम करीब 8 बजे (स्थानीय समय) के आसपास, केटीज वुड्स बोट रैंप पर अधिकारियों और दमकलकर्मियों को बुलाया गया, क्योंकि उन्हें पानी में एक गाड़ी के होने की रिपोर्ट मिली थी। वहीं, जब टीम वहां पहुंची तो उन्हें साइबर ट्रक किनारे के पास आंशिक रूप से डूबा हुआ मिला। इस घटना को वहां मौजूद लोगों ने अपने कैमरों में कैद कर लिया। इसके साथ ही जब ट्रक डूबने लगा, तो उनमें से एक ने मजाक में कहा, आप यहां गाड़ी पार्क नहीं कर सकते। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि उसने जान-बूझकर ट्रक को झील में उतारा था ताकि वह वेड मोड का इस्तेमाल कर सके। यह साइबरट्रक की

ऑफ-रोड सेटिंग्स में से एक है। टेस्ला के अनुसार, इस मोड का इस्तेमाल उथले पानी में धीरे-धीरे गाड़ी चलाने के लिए किया जाता है। ग्रेपवाइन पुलिस ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, पानी में गाड़ी को लेकर जाने से वह खराब हो गई और उसमें पानी भर गया। हालांकि, इस दौरान ड्राइवर और यात्री गाड़ी छोड़कर बाहर निकल आए, और ग्रेपवाइन दमकल विभाग की जल बचाव टीम ने गाड़ी को झील से बाहर निकालने में मदद की। ग्रेपवाइन जेल में बंद है ड्राइवर मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ड्राइवर की पहचान जिमी जैक मैकडैनियल के रूप में हुई है। फिलहाल उसे ग्रेपवाइन जेल में बंद कर दिया गया है। उस पर पार्क या झील के बंद हिस्से में गाड़ी चलाने, बिना वैध बोट रजिस्ट्रेशन के गाड़ी चलाने, और पानी में सुरक्षा से जुड़े कई नियमों का उल्लंघन करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। टेस्ला की मालिक नियमावली में ड्राइवरों को चेतावनी दी गई है कि वे पानी में उतरने से पहले वहां के हालात की जांच कर लें।

मेटा ने पहले दिया वर्क फ्रॉम होम का आदेश, फिर सुबह 4 बजे 8 हजार कर्मियों को नौकरी से निकाला

सिंगापुर, एजेंसी। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने छंटनी शुरू कर दी है, जिसका असर करीब 8,000 कर्मचारियों पर पड़ेगा। छंटनी से जुड़ा पहला संदेश उसके सिंगापुर हब से सामने आया। अमेरिका और ब्रिटेन समेत अलग-अलग इलाकों के कर्मचारियों से कहा गया कि वे दफ्तर न आएं और एक सीधा-सादा निर्देश दिया गया कि आज घर से काम करें। फिर ईमेल आने शुरू हो गए। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर में प्रभावित कर्मचारियों को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार 1:30 बजे) ईमेल प्राप्त हुए। ये सूचनाएं अलग-अलग चरणों में भेजी जा रही हैं, जिन्हें टाइम जोन के हिसाब से व्यवस्थित किया गया है। यह क्रम साफ नजर आया, पहले वर्क फॉम होम फिर छंटनी। इस प्रक्रिया से पहले मेटा में लगभग 78,000 कर्मचारी थे। अब, हजारों कर्मचारी बाहर हो चुके हैं तो हजारों कर्मचारियों को दूसरी जगहों पर भेजा जा रहा है। एक आंतरिक मेमो में चीफ पीपल ऑफिसर जेनेल गेल ने कहा कि 7,000 कर्मचारियों को नई एआई-नेटिव टीमों में फिर से नियुक्त किया जाएगा। लगभग 6,000 खाली पद खत्म कर दिए गए हैं। मैनेजर स्तर के लोगों को कम किया जा रहा है। गेल ने लिखा, हम अब उस स्तर पर हैं जहां कई संगठन छोटे समूहों/समूहों की एक सपाट संरचना के साथ काम कर सकते हैं जो तेजी से आगे बढ़ सकते हैं और अधिक स्वामित्व के साथ काम कर सकते हैं। इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट टीमों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद है। इस साल के आखिर में और भी कटौतियां हो सकती हैं। टॉप लेवल पर मार्क जकरबर्ग ने एआई को कंपनी की मुख्य प्राथमिकता बनाया है। मेटा ने कहा है कि वह इस साल 125-145 बिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है।

यह लक्ष्मण रेखा है: ईरान के परमाणु हथियारों पर अमेरिका की दो टूक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान अब अमेरिका के साथ एक बड़ा समझौता करना चाहता है। अमेरिका ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान का परमाणु हथियार विकसित करना अमेरिका के लिए एक स्पष्ट रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा है, जिसे वह किसी भी कीमत पर पार नहीं होने देगा।

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु हथियारों को लेकर पर्दे के पीछे एक बड़ी बातचीत चल रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों से बात करते हुए साफ तौर पर कहा है कि अमेरिका पूरी ईमानदारी और साफ नीयत के साथ इस बातचीत को आगे बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि ईरान भी इस बात को बहुत अच्छे से समझ गया है कि अमेरिका उसे कभी भी परमाणु बम नहीं बनाने देगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बातचीत का असली नतीजा तभी सामने आएगा जब किसी औपचारिक समझौते पर पूरी तरह से मुहर लग जाएगी। जेडी वेंस ने कहा कि जब तक समझौते के कागजों पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक पक्के तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। यह पूरी तरह से ईरान पर निर्भर करता है कि वह इस समझौते को लेकर कितना गंभीर है।

जेडी वेंस ने ईरान को बहुत ही कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अमेरिका किसी भी ऐसे समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगा जिससे ईरान को भविष्य में परमाणु हथियार हासिल करने की जरा सी भी छूट मिले। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। इसलिए अगर जरूरत पड़ी तो वह ईरान के खिलाफ बहुत ही कड़ी और बड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उपराष्ट्रपति ने यह भी चेताया कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया, तो इससे पूरी दुनिया में परमाणु हथियारों की एक बहुत ही खतरनाक अंधी दौड़ शुरू हो जाएगी। ईरान पहला ऐसा मोहरा होगा जिसके बाद दुनिया भर के देश परमाणु बम बनाने

लगेंगे, जो अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा के लिए बहुत ही बुरा होगा।

ईरान के अंदरूनी हालात और उसके नेतृत्व पर जेडी वेंस ने क्या बड़ा दावा किया है?

बातचीत के दौरान जेडी वेंस ने ईरान के अंदरूनी हालात को लेकर भी कई गंभीर सवाल उठाए और वहां की सरकार पर तंज कसा। उन्होंने ईरान को एक 'बंटा हुआ देश' (फ्रैक्चर्ड कंट्री) बताया है। उपराष्ट्रपति ने शक जताते हुए कहा कि शायद खुद ईरान के शीर्ष नेताओं को यह ठीक से नहीं पता है कि वे असल में किस दिशा में जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कन्फ्यूजन और भ्रम के कारण यह साफ नहीं है कि ईरान की सरकार आगे क्या फैसला लेगी। वेंस ने कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ कुछ नहीं कह सकते क्योंकि उन्हें नहीं पता कि सामने वाले (ईरान) के दिमाग में असल में क्या चल रहा है।

अमेरिका यह पक्का करना चाहता है कि यह समझौता कोई छोटा-मोटा या सिर्फ कुछ वर्षों का न हो। जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता एक बहुत लंबी प्रक्रिया होनी चाहिए। अमेरिका एक ऐसा कड़ा सिस्टम बनाना चाहता है, जिससे आने वाले कई वर्षों तक ईरान पर कड़ी नजर रखी जा सके। उनका लक्ष्य यह है कि जब मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म हो जाए, उसके बाद भी कई वर्षों तक ईरान कभी भी अपनी परमाणु क्षमता को दोबारा विकसित करने की स्थिति में न आ सके। अमेरिका चाहता है कि ईरान सिर्फ वादे न करे बल्कि इस लंबी प्रक्रिया में उनके साथ मिलकर पूरी ईमानदारी से काम भी करे। उपराष्ट्रपति के इस बयान से ठीक पहले सोमवार को एक और चौंकाने वाली घटना हुई थी। खुद राष्ट्रपति ने ऐलान किया था कि अमेरिका ने ईरान पर अपना एक 'नियोजित हमला' फिलहाल रोक दिया है। यह हमला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और कतर के नेताओं की अपील के बाद रोका गया था, जिन्हें तेहरान के साथ एक शांति समझौते की पूरी उम्मीद थी। इसके बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस से एक बहुत बड़ा और नाटकीय खुलासा हुआ। राष्ट्रपति ने बताया कि अमेरिका ईरान पर एक नया सैन्य हमला करने से सिर्फ 60 मिनट की दूरी पर था। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत हथियारों से लैस होकर पूरी तरह से तैयार थे, लेकिन बातचीत की उम्मीद दिखने पर इस ऑपरेशन को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

क्या बातचीत विफल होने पर अमेरिका ईरान पर फिर से बड़ा प्रहार कर सकता है?: व्हाइट हाउस में बोलते हुए खुद राष्ट्रपति ने बहुत ही साफ शब्दों में बड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अगर चल रहे दो महीने के इस तनाव को खत्म करने के लिए हो रही वार्ता विफल हो जाती है और कोई शांति समझौता नहीं होता है, तो अमेरिका ईरान पर 'एक और बड़ा प्रहार' कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि वह ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए केवल 'एक सीमित समय' दे रहे हैं। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि वाशिंगटन किसी भी हाल में तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की इजाजत नहीं देगा।

दो दिवसीय प्रांतीय कबड्डी एवं खो खो प्रतियोगिता सम्पन्न

विद्या विकास समिति द्वारा आयोजित कबड्डी में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 बोकारो बना चैंपियन एवं खो-खो में लोहरदगा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विद्या विकास समिति झारखंड द्वारा आयोजित प्रांतीय कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता के अंडर 14 और अंडर 19 आयु वर्ग में बोकारो के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी का दबदबा रहा। दोनों प्रतियोगिताओं में 9डी ने स्वर्ण पदक जीता। विदित हो कि 19 मई से चल रही प्रतियोगिता में खो-खो की 22 एवं कबड्डी की कुल 36 प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें अंडर 14 आयु वर्ग खो खो में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लोहरदगा प्रथम एवं शिशु मंदिर रजरप्पा प्रोजेक्ट द्वितीय रहा।अंडर 17 खो खो प्रतियोगिता में भी शील अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लोहरदगा प्रथम और इंदुमती सरस्वती विद्या छात्र द्वितीय स्थान पर रहा वहीं अंडर-19 खो-खो प्रतियोगिता में कुमारतोली हजारीबाग प्रथम महेंद्र मुनी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मधुपुर द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी के अंडर 14 प्रतियोगिता में बोकारो 9डी प्रथम एवं छात्र विद्यालय द्वितीय स्थान पर रहा , अंडर 17 कबड्डी प्रतियोगिता में देव नगर दुग्ध प्रथम बरगंडा गिरिडीह विद्यालय द्वितीय स्थान पर रहा वही अंदर-19 कबड्डी प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 90 बोकारो प्रथम एवं कुम्हार टोली हजारीबाग विद्यालय द्वितीय स्थान पर रहा। सभी प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम के संयोजक जी पी सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के द्वारा विद्या भारती बालकों को एक मंच प्रदान करती है। जिसके माध्यम से वह अपनी प्रतिभाओं को निखारते हैं । इस प्रतियोगिता में जो विजयी रहे उन्होंने अपने पूर्व की शिक्षा से सीखा है जो किसी कारण वश प्रतियोगिता में पीछे रहे उन्होंने भी बहुत कुछ सीखा होगा । यही उम्मीद और विश्वास है कि वह यहां से सीख कर आगे जाएंगे और अच्छा करेंगे। कार्यक्रम के विद्या विकास समिति झारखंड के खेलकूद के संरक्षक सुरेश मंडल ने बताया कि अब यहां से जो प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं वे सभी 27 और 28 जून को उत्तर बिहार बेतिया में खेलेंगे वहां से जीतने के बाद वे पुनः अखिल भारतीय के लिए चयनित होंगे । इस कार्यक्रम का आयोजन 9डी के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने कहा कि स्थानीय विद्यालयों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके लिए सभी को साधुवाद है । जो प्रतिभागी आए थे वह भी काफी अनुशासित रहे सभी निर्णायकों का एवं संरक्षक आचार्य का सहयोग प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन सबों को बहुत-बहुत धन्यवाद। इस अवसर पर धनबाद विभाग के प्रमुख नीरज कुमार लाल विद्या विकास समिति के पूर्णकालिक कार्यकर्ता ब्रजेश कुमार सिंह, राजेश कुमार, ब्रेन टुडू, स्थानीय विद्यालय के के प्राचार्य संजीव कुमार , पंकज कुमार मिश्रा सहित सभी आचार्य,दीदी जी एवं कर्मचारी बंधु भगनी उपस्थित रहे।

हादसे के बाद बेसहारा हुए मासूमों के साथ खड़ा हुआ जिला प्रशासन

बच्चों के भरण पोषण से लेकर पढ़ाई लिखाई तक की जिम्मेवारी उठाएगा जिला प्रशासन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत बरमसिया ओपी क्षेत्र के दुबेकांटा के समीप सड़क दुर्घटना ने पछले दिनों एक दंपत्ति की मौत हो गई थी। माता-पिता के असमय निधन के बाद उनके तीन छोटे बच्चे पल्लवी, विमल मांझी एवं विधुत मांझी के सामने जीवन का बड़ा संकट खड़ा हो गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक, उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा,पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीना,अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला परिवहन पदाधिकारी श मारुति मिंज आदि बुधवार को बच्चों के घर पहुंचे। सभी ने बच्चों को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहयोग एवं संरक्षण का भरोसा दिलाया। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं पंचायत सेवक को निर्देश दिया कि बच्चों को खाद्यान्न अथवा अन्य मूलभूत जरूरतों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, माता-पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, बच्चों का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का त्वरित निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बच्चों की पढ़ाई, सुरक्षा और भविष्य को लेकर बनेगी समग्र कार्ययोजना

उपायुक्त ने उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित किया कि किसी गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) को चिन्हित कर बच्चों की काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, पठन-पाठन के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं जवाहर नवोदय तेनुघाट/आवासीय विद्यालय नावाडीह में नामांकन, सुरक्षा एवं समग्र कल्याण को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समर्पित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों का बैंक खाता खोले एवं बैंक खातों में मिलने वाली सभी आर्थिक सहायता राशि को उनके बेहतर भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाएगा तथा आवश्यकतानुसार फिक्स डिपॉजिट के रूप में संरक्षित करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, बीडीओ को अबुआ आवास अथवा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति हेतु प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजने का निर्देश दिया गया। राज्य सरकार बेहद संवेदनशील, बच्चों को मिलेगा हर संभव सहयोग मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे मामलों को लेकर बेहद संवेदनशील है तथा विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप बच्चों को अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

सबों ने दुर्घटना स्थल का लिया जायजा, सड़क सुरक्षा को मांगा प्रस्ताव

उधर, विधायक चंदनकियारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने दुबेकांटा के समीप दुर्घटना स्थल का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ने डीटीओ व उनकी टीम को निर्देश दिया कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। मौके पर एसडीपीओ चास प्रवीण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदनकियारी अजय वर्मा, अंचलाधिकारी रवि आनंद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, थाना प्रभारी व अन्य प्रखंड स्तरीय अधिकारी झ कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला परिषद कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल में पैथोलॉजी विभाग द्वारा जिला परिषद कार्यालय, हीरापुर में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ फीता काट कर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने किया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन एवं उपस्थित लोगों द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर शारदा सिंह ने स्वयं भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शारदा सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवता का भी परिचय देता है। उन्होंने युवाओं एवं आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से कई लोगों को नया जीवन मिलता है। इस दौरान चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

छात्राओं को दी कानूनी जानकारी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद द्वारा बुधवार 18 मई 2026 को शहर के एक विद्यालय में 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को बाल विवाह, घरेलू हिंसा, साइबर क्राइम, पॉक्सो एक्ट और निःशुल्क कानूनी सहायता जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। जागरूकता सामग्री और पैम्पलेट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्राधिकरण का उद्देश्य आम लोगों तक कानून की जानकारी पहुंचाना और जरूरतमंदों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

चास में शुरू हुआ नया आधार सेवा केंद्र,

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूआइडी द्वारा जिले के चास नगर क्षेत्र में लोगों की सुविधा को देखते हुए नया आधार सेवा केंद्र शुरू किया गया है। यह केंद्र भगवती कॉलोनी, वार्ड संख्या-18 में नीलम हॉस्पिटल के समीप, ग्राउंड फ्लोर, प्लॉट संख्या 7710/7898, चास, बोकारो में संचालित हो रहा है। केंद्र खुलने से अब आसपास के लोगों को आधार कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां नए आधार नामांकन से लेकर आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि एवं बायोमेट्रिक अपडेट सहित सभी प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यूआइडी डीपीओ शैलेन्द्र मिश्रा ने बताया कि केंद्र में बच्चों के आधार नामांकन, आधार प्रिंट एवं डाउनलोड सहायता जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। लोगों की सुविधा के लिए आधुनिक व्यवस्था और आवश्यक तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं ताकि कम समय में कार्य पूरा हो सके। आम नागरिकों से अपील है कि आधार से जुड़े किसी भी कार्य के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ अधिकृत केंद्र पर पहुंचें और सुविधाओं का लाभ उठाएं।

उच्च शिक्षा में लाई जा रही नई नीति को लेकर अभाविप में उबाल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बोकारो महानगर इकाई द्वारा झारखंड सरकार द्वारा उच्च शिक्षा व्यवस्था में लागू किए जा रहे क्लस्टर सिस्टम एवं री-स्ट्रक्चरिंग नीति के विरोध में बोकारो स्टील सिटी कॉलेज में एक दिवसीय धरना दिया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं परिषद कार्यकताओं ने भाग लिया तथा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए छात्र हितों की रक्षा की मांग उठाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोकारो जिला संयोजक पवन कुशवाहा ने कहा कि क्लस्टर सिस्टम पूरी तरह छात्र विरोधी, अव्यवहारिक एवं शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने वाली नीति है। सरकार द्वारा लागू किए गए इस नए नियम के तहत छात्रों को मेजर विषय की पढ़ाई एक कॉलेज में तथा माइनर विषय के लिए दूसरे कॉलेज में जाना होगा। ऐसी स्थिति में अलग-अलग कॉलेजों का टाइम-टेबल कभी व्यावहारिक रूप से मेल नहीं खा सकता। छात्र पढ़ाई करने के बजाय पूरे दिन एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज तक दौड़ते रहेंगे, जिससे मानसिक तनाव बढ़ेगा और नियमित कक्षाएं भी प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि एक क्लस्टर के अंतर्गत कॉलेजों को 8 से 9 किलोमीटर की दूरी के भीतर जोड़ा जा रहा है, जबकि झारखंड के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में परिवहन की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं पर इसका अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा एवं नियमित उपस्थिति पर गंभीर संकट उत्पन्न होगा, जिससे कई छात्राएं बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो सकती हैं। धरना-प्रदर्शन के पश्चात परिषद कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभाविप के पूर्व कार्यकर्ता विवेक पाठक, महानगर सह मंत्री धनजीत सिंह, सह मंत्री आशुतोष नारायण, छोटू मान स्वर्णकार, जरिडीह नगर मंत्री शिवम सिंह, निकेश राज, अमित द्विवेदी, राजवीर सिंह, सूरज कुमार, रोशन यादव, अनीश कुमार, रोशन लहरी, दीपांशु कुमार, प्रकाश कुमार, ओमप्रकाश वर्मा समेत बड़ी संख्या में छात्र एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जिले के 1500 दवा प्रतिष्ठानों का एक दिवसीय सांकेतिक बंद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑल इंडिया ऑगेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आज धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के नेतृत्व में जिले के लगभग 1500 दवा प्रतिष्ठानों ने एक दिवसीय सांकेतिक बंद में भाग लेकर अभूतपूर्व एकजुटता का परिचय दिया। यह बंद पूर्णतः सफल रहा तथा जिले भर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर आंदोलन को सर्वसम्मति से समर्थन दिया।धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने जिले भर के सभी दवा व्यवसायियों, केमिस्ट्स एवं ड्रगिस्ट्स को इस ऐतिहासिक एवं सफल बंद के लिए हृदय से बधाई एवं धन्यवाद दिया। डीसीडीए के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि व्यवसायियों की एकजुटता, अनुशासन एवं संघर्षशीलता ने यह साबित कर दिया है कि जन स्वास्थ्य एवं छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरा केमिस्ट समुदाय एकजुट है। संगठन ने केंद्र सरकार से मांग की कि जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220(ई) को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए, क्योंकि इन प्रावधानों का दुरुपयोग विभिन्न ऑनलाइन दवा कंपनियों एवं क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा अनियंत्रित दवा वितरण के लिए किया जा रहा है। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने स्पष्ट कहा कि दवाएं कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं। बिना उचित चिकित्सकीय सत्यापन के उनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री जन स्वास्थ्य, मरीजों की सुरक्षा तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत स्थापित नियामकीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। इस आंदोलन को बीएसएसआर धनबाद यूनियन ने भी समर्थन प्रदान किया।

दवा दुकानें बंद रहने से 5 से 6 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट के आह्वान पर आज देशभर के दवा दुकानदार एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। इसी क्रम में बोकारो जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन ने भी जिले की लगभग 980 दवा दुकानों को बंद रखा। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार इस बंदी से जिले में करीब 5 से 6 करोड़ रुपये के कारोबार पर असर पड़ा है। बोकारो के लक्ष्मी मार्केट में दवा दुकानदारों और संगठन के पदाधिकारियों ने धरना-प्रदर्शन भी किया। संगठन के सचिव सुजीत चौधरी ने बताया कि यह हड़ताल ऑनलाइन दवा बिक्री व्यवस्था के विरोध में की गई है। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा कारोबार बढ़ने से छोटे और मध्यम दवा दुकानदारों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है।

पुलिस मुख्यालय से धनबाद को मिली 45 नई बाइकें

उपायुक्त व एसएसपी ने स्वयं चलाकर किया हाईटेक पेट्रोलिंग बाइक का शुभारंभ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुलिस लाइन में आयोजित एक समारोह में धनबाद पुलिस को मुख्यालय से प्राप्त 45 नई हाईटेक पेट्रोलिंग बाइक का फीता काटकर और स्वयं चलाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि धनबाद पुलिस को 45 नई बाइक मिलने से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग और मजबूत होगी। खासकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, संवेदनशील इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति बढ़ेगी, जिससे अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार पुलिस व्यवस्था को आधुनिक, मजबूत और सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस बल को नई तकनीक और संसाधनों से लैस किया जा रहा है। कहा कि पुलिस कंट्रोल रूम को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। आने वाले दिनों में संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र और अन्य आधारभूत सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा ताकि आम लोगों को बेहतर पुलिस सेवा मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि धनबाद की जनता का पुलिस प्रशासन पर अटूट विश्वास है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। आम लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। एसएसपी ने कहा कि नई पेट्रोलिंग बाइक को जिले के विभिन्न थाना में भेजा गया है। इनका इस्तेमाल चौबीसों घंटे गश्त के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेज रेस्पॉन्स और बेहतर निगरानी के लिए आधुनिक वाहन बेहद जरूरी हैं और नई हाईटेक पेट्रोलिंग बाइक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि डायल 112 सेवा के रेस्पॉन्स टाइम के मामले में धनबाद पुलिस पूरे झारखंड में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। नई बाइक मिलने से पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता और अधिक मजबूत होगी। आपातकालीन सूचना मिलने पर पुलिस और तेजी से घटनास्थल तक पहुंच सकेगी। एसएसपी ने बताया कि सभी वाहन आधुनिक जीपीएस सिस्टम, ब्लिंकर, सायरन और वायरलेस सेट जैसी सुविधाओं से लैस हैं।

राजस्व संग्रहण में सुधार लाने का दिया निर्देश, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर

उपायुक्त अजय नाथ झा ने की राजस्व एवं भू-संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार को राजस्व संग्रहण एवं भू-संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रहण, लंबित मामलों के निष्पादन एवं आधारभूत संरचना से संबंधित विषयों की विभागवार समीक्षा की गई।

खराब प्रदर्शन वाले विभागों को चेतावनी, सुधार के निर्देश

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने वाणिज्य कर बोकारो, वाणिज्य कर बेरमो, निबंधन विभाग बोकारो, जिला खनन विभाग, उत्पाद विभाग, जिला परिवहन कार्यालय, मोटरयान निरीक्षक कार्यालय, बाजार समिति चास, बाजार समिति बेरमो, मापतौल विभाग बेरमो, नगर निगम चास, जिला मत्स्य कार्यालय एवं नगर परिषद फुसरो के कार्यों की समीक्षा की। इस क्रम में खराब प्रदर्शन वाले विभागों - वाणिज्य कर बेरमो, जिला खनन बोकारो, मोटरयान निरीक्षक बोकारो, बाजार समिति चास, बाजार समिति बेरमो, मापतौल विभाग बेरमो एवं नगर निगम चास - को प्रदर्शन में अभिलंब सुधार लाने का निर्देश दिया गया।

वार्षिक एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश

उपायुक्त ने सभी विभागों को अधिकतम राजस्व वसूली सुनिश्चित करने हेतु वार्षिक एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्यों का निष्पादन करें। राजस्व संग्रह सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। लंबित दाखिल-खारिज एवं म्यूटेशन अपील मामलों में तेजी लाने का निर्देश बैठक में लंबित दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। वहीं, डीसीएलआर म्यूटेशन अपील की समीक्षा के दौरान चास एवं बेरमो के डीसीएलआर को 90 दिनों से अधिक लंबित मामलों की सुनवाई कर शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।

भू-हस्तांतरण एवं औद्योगिक संस्थानों की समस्याओं की समीक्षा

उपायुक्त ने भू-हस्तांतरण, लीज बंदोबस्ती एवं अनापत्ति प्रमाणपत्र से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा की। साथ ही, डीवीसी चंद्रपुरा, बीटीपीएस, सीसीएल कथारा-बीएंडके-राजरप्पा, टीटीपीएस, डालमिया, दामोदर कोल, ओएनजीसी, बीएसएल, वेदांता एवं एनएचएआई जैसी संस्थाओं से जुड़े आधारभूत संरचना एवं अन्य समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित एसडीओ को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने कंपनियों को अपने-अपने पोषक क्षेत्रों में सीएसआर के तहत आमजनों एवं विस्थापितों के हित में कार्य करने तथा स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु पहल करने को कहा। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, डीएलएओ द्वारिका बैठा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, डीपीआरओ रवि कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

पांच एकड़ भूमि में सामूहिक खेती करने पर दी जाएगी डीप बोरिंग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। न्यू टाउन हॉल में आज जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला सह सुखाड़ आकस्मिकता कार्ययोजना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो ने बीज वितरण में सावधानी रखने, नये लाभुकों की पहचान करने व समूह आधारित खेती पर विशेष बल दिया। वहीं जिला परिषद अध्यक्षा शारदा सिंह ने यांत्रीकरण योजना को प्रभावी रूप से लागू करने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन भी शामिल हुए। उन्होंने कृषकों को पांच एकड़ भूमि पर सामूहिक रूप से खेती सह बागवानी करने पर डीप बोरिंग की व्यवस्था देने का आश्वासन दिया। उप विकास आयुक्त सन्नी राज की पहल पर बाजार समिति के विक्रेताओं के साथ लाभुकों का सीधा संवाद कराया गया। बाजार समिति के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र अग्रवाल ने कृषकों को आश्वस्त किया कि उनके उत्पादों को बाजार में उचित स्थान प्रदान करते हुए राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र धनबाद के वरीय वैज्ञानिक सह प्रभारी श्री अनिल कुमार ने कृषकों को धनबाद जिले की सुखाड़ आकस्मिकता कार्ययोजना प्रस्तुत की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com